1986-2024
39 वां वर्ष
स्वर्ण जयंती की ओर अग्रसर

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

# स्वतंत्र चेतना

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

प्रयागराज
वर्ष 33,अंक 233
शुक्रवार 03 मई,2024
पृष्ठ 12 ₹4.00

www.swatantrachetnanews.com
गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

**मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत का मस्तक ऊंचा किया: राजनाथ**

## प्रधानमंत्री रेपिस्ट के लिए मांग रहे वोट : राहुल

बेंगलुरु। राहुल गांधी ने गुरुवार 2 मई को कर्नाटक के शिवमोगा में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मास रेपिस्ट (कइयों के साथ रेप करने वाला) के लिए वोट मांग रहे हैं। उन्होंने रेपिस्ट को भारत से भागने में मदद की। यही मोदी की गारंटी है।

- उन्होंने भारत से भगाने में की उसकी मदद, यही मोदी की गारंटी

राहुल ने ये भी कहा कि जैसे ही हम महालक्ष्मी की बात कर रहे हैं, हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री को इरीटेशन हो रहा है, उन्हें चिढ़ मच रही है, क्योंकि उनके अरबपति मित्रों को पैसा नहीं मिल पा रहा।

कर्नाटक में भाजपा और जेडीएस के बीच गठबंधन है। जेडीएस सांसद और एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना गौड़ा पर रेप और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप है।

हमारी सरकार युवाओं को अप्रेंटिसशिप का अधिकार देने जा रही है। युवा निधि में आपको यहां अभी 3 हजार रुपए महीना मिलता है।

हम पहली नौकरी पक्की स्कीम लागू करने जा रहे हैं। एक साल की नौकरी मिलेगी, 8500 रुपए हर महीने अकाउंट में जाएंगे, एक साल में एक लाख रुपए होंगे। हिंदुस्तान के सारे ग्रेजुएट्स को बेस्ट क्वालिटी ट्रेनिंग मिलने वाली है। उन्होंने (भाजपा सरकार) आपको बेरोजगारी दी, हम आपको अप्रेंटिसशिप का अधिकार और दुनिया की सबसे बेहतरीन ट्रेनिंग देने जा रहे हैं।

## सनातन का अपमान कर रही कांग्रेस का जनता करेगी विसर्जन: योगी

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा भगवान राम और शिव पर दिए गए वक्तव्य पर आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव 2024 में बुरी तरह पराजित हो रही है और हार की इसी खिसियाहट को वह बहुसंख्यक हिंदू समाज की आस्था को अपमानित कर, उसके साथ खिलवाड़ कर व्यक्त कर रही है। मैनपुरी, एटा और फिरोजाबाद में चुनावी जनसभा के लिए निकलने से पूर्व अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास इस प्रकार के कृत्यों से भरा पड़ा है, लेकिन इन सबके बावजूद चुनाव के समय इस तरह के संवेदनशील मुद्दों को उठाकर कांग्रेस भारत की आस्था के साथ-साथ बहुसंख्यक समाज को अपमानित करने का काम कर रही है।

- मुख्यमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बयान पर किया पलटवार, भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ करना कांग्रेस की प्रवृत्ति है

सीएम योगी ने कहा कि आपस में बांटों और राज करो ये कांग्रेस की पुरानी प्रवृत्ति रही है और अंग्रेजों की उस विरासत को ही अब वह आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उसने जाति के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास किया है और आगे भी लगातार वह इस प्रकार के कृत्यों को अपना रही है। उसके इलेक्शन मैनिफेस्टो में भी समाज को जातीय आधार पर बांटने का प्रयास किया गया है। देश के अंदर एससी, एसटी, ओबीसी के अधिकार को वह कैसे अल्पसंख्यकों को बांटने की कुत्सित चेष्टा का हिस्सा बन रही है, इसका स्पष्ट उदाहरण कांग्रेस के मैनिफेस्टो में नजर आता है। इसीलिए कांग्रेस अपनी हार की खिसियाहट को किसी न किसी रूप में हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ करके व्यक्त करना चाहती है।

सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म की उपासना विधि में राम और शिव दोनों अलग-अलग नहीं हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने स्वयं शिव की उपासना की और रामचरित मानस में देखेंगे तो भगवान शिव ने भी श्रीराम की उपासना की। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रभु राम कहते हैं कि ह्यशिवद्रोही मम दास कहावा सो नर मोहि सपनेहु नहि पावाह्न, यानी यदि कोई भगवान शिव का द्रोही है और वह मेरा दास, मेरा भक्त कहलाने का दंभ पाल रहा है तो मैं सपने में भी उसे प्राप्त नहीं हो सकता। ऐसा ही भगवान शिव भी कहते हैं। स्वाभाविक रूप से कांग्रेस की वास्तविकता सामने आ रही है। भारत की सनातन परंपरा को अपमानित करना, उसको लांछित करना, भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ करना, ये कांग्रेस की प्रवृत्ति है और कांग्रेस अध्यक्ष को जो कांग्रेसी संस्कार प्राप्त हुए हैं वही बात वह अपने भाषणों में कर रहे हैं। वो भगवान राम और भगवान शिव को आपस में लड़ाने का कार्य कर रहे हैं। उनका यह वक्तव्य अत्यंत ही निंदनीय है।

सीएम योगी ने साथ ही ये भी कहा कि हम इस बात को जरूर ध्यान में रखें कि हमारे शास्त्र इस बात का प्रमाण हैं कि शिव का द्रोही हो या राम का द्रोही, उसका पराभव, उसका पतन अवश्य हुआ है। ये कांग्रेस के पतन की एक नई शुरूआत है और कांग्रेस इस प्रकार के स्तरहीन वक्तव्यों को देकर हिंदू आस्था के साथ तो खिलवाड़ कर ही रही है लेकिन अपने कृत्यों से कांग्रेस को इतिहास की वस्तु बनाने की ओर भी कांग्रेस का नेतृत्व उसे धकेल रहा है।

## पहले दो चरणों में ही उड़ गये भाजपा के तोते : अखिलेश

बदायूं, वार्ता। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि पहले दो चरण के मतदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तोते उड़ चुके हैं।

- भाजपा के लोग केवल संविधान खत्म करने के पीछे पड़े हुए हैं

सपा प्रत्याशी आदित्य यादव के समर्थन में बदायूं पहुँचे अखिलेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिये बगैर कटाक्ष किया अब तोते उड़ने वाली बात आ गई है, तोते जब उड़ेंगे तब उड़ेंगे। मुझे पता है कि दिल्ली वाले भी आज बदायूं आए हुए हैं। उनके पास सभी सूचना और जानकारी का तंत्र है। तोते जब उड़ेंगे तब उड़ेंगे लेकिन उनके तोते तो आज ही उड़ गए होंगे।

एआरटीओ कार्यालय के सामने स्थित मैदान में आयोजित जनसभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा ये केवल संविधान खत्म करने के पीछे पड़े हुए हैं। कोरोना के टीके पर कहा सबने वैक्सीन लगवाई, लेकिन हमारे जैसे कुछ साथी होंगे जिन्होंने नहीं लगवाई, जिन्होंने लगवाई वो आज सर्टिफिकेट देखते होंगे तो उन पर क्या गुजरती होगी। जो ये देखते होंगे वो आज भाजपा के खिलाफ वोट देने निकल पड़ेंगे। भाजपा उस समय आपदा में अवसर देख रही थी।

इलेक्टोरल बॉन्ड पर तंज कसते हुये उन्होने कहा कि विश्व मे कोई भी ऐसा राजनीतिक दल नहीं होगा, जिसने इतने बड़े पैमाने पर वसूली की होगी। अखिलेश ने अपने भाषण में कई बार दिल्ली वाले और लखनऊ वाले कहते हुए जमकर तंज कसे।

## सिसोदिया ने जमानत के लिए हाईकोर्ट से लगाई गुहार

नयी दिल्ली,वार्ता। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में जमानत के लिए गुरुवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

श्री सिसोदिया की जमानत याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए भेजा गया और इस पर तीन मई को सुनवाई होगी।

आप नेता ने दोनों मामलों में जमानत मांगी है, एक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धनशोधन से संबंधित है और दूसरे मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है।

## प.बंगाल मामले में सुप्रीमकोर्ट में बोली सरकार,केंद्र के नियंत्र में नहीं सीबीआई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सीबीआई पर केंद्र का नियंत्रण नहीं है। दरअसल पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि सीबीआई ने कई मामलों में जांच के लिए राज्य सरकार की मंजूरी नहीं ली है। पश्चिम बंगाल सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य द्वारा सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति वापस लेने के बावजूद भी संघीय एजेंसी एफआईआर दर्ज कर राज्य के मामलों की जांच कर रही है।

## आईपीएल 2024

**आज का मैच**
मुंबई बनाम कोलकाता
स्थान मुंबई
समय रात 7.30 बजे

## सर्वे के नाम पर वोटरों का रजिस्ट्रेशन बंद करें राजनीतिक दल: आयोग

नयी दिल्ली,वार्ता। चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा अपनी प्रस्तावित योजनाओं के लिए संभावित लाभार्थीयों के सर्वेक्षण और लोगों से विवरण की अपील जारी न करने के निर्देश दिए हैं।

- सभी प्रत्याशियों को भी दिया निर्देश, कहा जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत रिश्वत देने जैसा भ्रष्टाचार मानता है

आयोग ने अधिकारियों से इसका उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए हैं। आयोग ने गुरुवार को कहा कि उसने इस तरह के सर्वे और अपील को गंभीरता से लिया है और इसे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 (1) के तहत मतदाताओं को रिश्वत देने जैसा भ्रष्टाचार मानता है।

आयोग की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, कुछ राजनीतिक दल और उम्मीदवार ऐसी गतिविधियों में संलग्न रहे हैं जो किसी वैध सर्वेक्षण और चुनाव के बाद लाभार्थी-उन्मुख योजनाओं के लिए व्यक्तियों को पंजीकृत करने के पक्षपातपूर्ण प्रयासों के बीच के अंतर को धुंधला करती हैं।

आयोग ने इस समय चल रहे आम चुनाव 2024 में इस प्रकार की विभिन्न घटनाओं पर गौर करते हुए आज इस सबंध में एक परामर्श-पत्र जारी किया है।

इसमें सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों को किसी भी विज्ञापन/सर्वेक्षण/ऐप के माध्यम से चुनाव के बाद लाभार्थी-उन्मुख योजनाओं के लिए व्यक्तियों को पंजीकृत करने वाली किसी भी गतिविधि को तुरंत बंद करने और उससे दूर रहने के लिए कहा गया है।

आयोग ने कहा कि चुनाव के बाद के प्रस्तावित लाभों के लिए पंजीकरण करने के लिए व्यक्तिगत मतदाताओं को आमंत्रित करना या उनका आह्वान करना उनके बीच पारस्परिक लेन-देन के सौदे का आभास उत्पन्न कर सकता है। यह एक विशेष तरीके से एकतरफा मतदान के प्रलोभन की व्यवस्था है।

आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को वैधानिक प्रावधानों के तहत ऐसे किसी भी विज्ञापन के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, जैसे कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 127 ए, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 (1), और भारतीय दंड संहिता की धारा 171 (बी) के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

## हाईकोर्ट ने सड़कों के चौड़ीकरण में पेड़ों की कटाई पर शासन से मांगी रिपोर्ट

स्वतंत्र चेतना

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुम्भ 2025 को लेकर सड़कों के चौड़ीकरण करने में काटे जा रहे पेड़ों को रोकने को लेकर दखिल जनहित याचिका पर आज प्रदेश सरकार की तरफ से हाईकोर्ट को बताया गया कि जितने भी पेड़ काटे जाएंगे उससे दस गुना पौधरोपण सरकार द्वारा किया जाएगा।

सरकार की तरफ से बताया गया कि महाकुम्भ को लेकर प्रयागराज शहर में एक लाख 49 हजार पौधों को लगाने की योजना है। यह काम वन विभाग की तरफ से होना है और इसके लिए कुम्भ के बजट में प्रावधान किया गया है।

इस जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार से इस सम्बंध में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने जानना चाहा है कि सरकार एवं उसके विभागों की क्या योजना है। क्या पेड़ों को बचाने की कोई योजना है। हाईकोर्ट इस मामले पर पुनः शुक्रवार को सुनवाई करेगी।

## कैसरगंज से बृजभूषण सिंह का कटा टिकट,बेटे करण भूषण को भाजपा ने बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली,वार्ता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रायबरेली और कैसरगंज लोकसभा सीट के लिये उम्मीदवारों की घोषणा गुरुवार को कर दी।

- रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह को भाजपा ने उतारा

रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह और कैसरगंज से करण भूषण सिंह भाजपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव के मैदान में उतारे गये हैं। 56 वर्षीय दिनेश प्रताप 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ मैदान में थे हालांकि उन्हे गांधी परिवार के गढ़ में करारी हार का सामना करना पड़ा था।

इस हाईप्रोफाइल सीट पर आज शाम तक कांग्रेस प्रत्याशी का ऐलान होने की संभावना है।

उधर, कैसरगंज लोकसभा सीट से यौन उत्पीड़न के आरोपों से घिरे भाजपा सांसद ब्रजभूषण सिंह के पुत्र करण भूषण सिंह से पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है। करण भूषण ने आज ही कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा के संभावित प्रत्याशी के रूप में चार सेट नामांकन पत्र खरीदा था।

सांसद प्रतिनिधि संजीव सिंह ने गुरुवार को बताया कि भारतीय जनता पार्टी हाईकमान के निर्देश पर करन भूषण सिंह का कमल निशान के लिए कैसरगंज लोकसभा सीट पर उम्मीदवारी को लेकर चुनावी प्रक्रियायें पूरी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पार्टी का औपचारिक उम्मीदवार घोषणा पत्र मिलते ही शुक्रवार को नामांकन की आखिरी तिथि को करन भूषण नामांकन करेंगे।

## इजराइली बंधकों को रिहा करे हमास, आतंकवाद को सही नहीं ठहरा सकते: भारत

न्यूयार्क। भारत ने इजराइल- हमास संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन के टू स्टेट सॉल्यूशन की मांग का समर्थन किया है। वट में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा भारत इजराइल और फिलिस्तीन के बीच टू स्टेट सॉल्यूशन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां फिलिस्तीन के लोग अपने देश में सुरक्षित रह सकें।

कंबोज ने हमास के 7 अक्टूबर को इजराइल पर किए गए हमलों की निंदा भी की और बंधकों की जल्द से जल्द रिहाई की मांग की है। हमास के हमलों पर बोलते हुए कंबोज ने कहा है ह्यआतंकवाद को कभी भी सही नहीं ठहराया जा सकता। भारत हमेशा से आतंकवाद का विरोध करता है और करता रहेगा।

उन्होंने कहा, हम सभी बंधकों की रिहाई की मांग करते हैं। कंबोज ने इजराइल और हमास दोनों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानवीय कानूनों का पालन करने को कहा।

इससे पहले हमास के नेता भी कह चुके है कि अगर फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता मिलती है। तो हमास हथियार डाल देगा।

भारत ने यूएन में फिलिस्तीन की परमानेंट मेंबरशिप का समर्थन किया है। भारत की ओर से रुचिका कंबोज ने कहा, मौजूदा परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत उम्मीद करता है कि सही समय पर यूएन की परमानेंट मेंबरशिप के आवेदन पर पुनर्विचार किया जाएगा औरयूएन का सदस्य बनने में फिलिस्तीन के प्रयासों को समर्थन मिलेगा।

## केन्द्र सरकार ने राज्यों से मांगी मदद

नई दिल्ली। 1 जुलाई से भारत देश में तीन नए आपराधिक कानून लागू होने वाले हैं। गृह मंत्रालय ने पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए सभी राज्यों से मदद मांगी है। ताकि सभी तक इसकी जानकारी पहुंच सके।

देश के कानून में कुछ बदलाव किए हैं, 1 जुलाई को तीन नए कानून गृह मंत्रालय लागू कर रहा है। नए कानून हैं भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम हैं, जो कि औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। इन नए कानूनों का उद्देश्य देश के नागरिकों को त्वरित न्याय देना है। साथ ही न्यायिक और अदालत प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना है।

नए कानून औपनिवेशिक विरासत से न्याय प्रणाली की दिशा में बदलाव है। भारत सरकार का प्रयास है कि आम जनता कि सभी रैंक के पुलिस और जेल अधिकारियों तक पहुंच बनाई जा सके।

- 1 जुलाई से लागू होने वाले नये आपराधिक कानूनों के लिए पुलिस को दें प्रशिक्षण

गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक संदेश भेजा है। जिसमें यह कहा है कि कानून और न्याय में आसानी लाने के लिए आधुनिक समय और समसामयिक प्रौद्योगिकियों के साथ नए प्रावधानों के साथ आपराधिक कानूनों में शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य सहजता का युग लाना है। यह भी कहा कि देश में सकारात्मक बदलाव के बारे में उन्हें बताया जाए।

नए प्रावधानों की बुनियादी जानकारी दी जाए। ताकि उन्हें ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ लागू किया जा सके। गृह मंत्रालय ने कहा कि पुलिस और जेल अधीक्षकों को नए कानून को लेकर प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (बीपीआर एंड डी) नए आपराधिक कानूनों के लिए पुलिस और जेल कर्मियों के प्रशिक्षण के मॉड्यूल भी तैयार किए हैं। इसके लिए इंटीग्रेटिड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग (आईजीओटी) पोर्टल को तैयार किया गया है। जिसके जरिए पुलिस और जेल कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

प्रशिक्षण मॉड्यूल को बीपीआर एंड डी ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को भेजे हैं। ताकि पुलिस प्रशिक्षण संस्थानो में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हो सकें।

## 2जी स्पेक्ट्रम का बिना नीलामी आवंटन नहीं : सुप्रीमकोर्ट

नई दिल्ली। 2जी स्पेक्ट्रम मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में संशोधन की केंद्र सरकार की मांग को झटका लगा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने केंद्र की याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने केंद्र की याचिका को गलत धारणा पर आधारित और स्पष्टीकरण की आड़ में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा कराने की कोशिश करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2012 में दिए अपने एक आदेश में कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधन नीलामी के जरिए ही आवंटित किए जा सकते हैं। इसी फैसले में केंद्र ने संशोधन की मांग की थी।

- स्पष्टीकरण के नाम पर फैसले के रिव्यू की मांग गलत : रजिस्ट्रार

सुप्रीम कोर्ट के नियम वी के नियम पांच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट का रजिस्ट्री विभाग याचिका लेने से इनकार कर सकता है। इस नियम के मुताबिक रजिस्ट्रार कोई उचित कारण न होने, या निंदनीय मामला होने के आधार पर

याचिका लेने से इनकार कर सकता है। हालांकि याचिकाकर्ता इस तरह के आदेश के खिलाफ 15 दिनों के भीतर अपील कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2 फरवरी 2012 को दिए अपने एक आदेश में 2जी स्पेक्ट्रम के विभिन्न कंपनियों को दिए लाइसेंस निरस्त कर दिए थे, जो ए राजा के बतौर टेलीकॉम मंत्री रहते दिए गए थे। साथ ही कोर्ट ने कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधनों का आवंटन नीलामी के जरिए हो सकता है।

## सनातन का अपमान इंडी गठबंधन की पहचान: शाह

स्वतंत्र चेतना

बरेली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को बरेली में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन का अपमान एवं अपराधियों का सम्मान ही सपा और इंडी गठबंधन की पहचान बन गई है। इसीलिए इन्हें नकार कर पूरा उत्तर प्रदेश मोदी के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता एक बार फिर गुंडाराज और परिवारवाद को नकार कर भाजपा के विकासवाद को चुनने जा रही है।

केन्द्रीय गृहमंत्री बरेली के श्री रामलीला मैदान निकट हार्टमैन कॉलेज में भाजपा उम्मीदवार छत्रपाल गंगवार के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

अमित शाह ने कहा कि दो चरण के चुनाव के बाद, कांग्रेस पार्टी दूरबीन लेकर देखने पर भी नजर नहीं आ रही है। मोदी जी सेंचुरी मारकर 400 के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। 10 साल तक केंद्र में सोनिया-मनमोहन की सरकार थी, जिन्होंने 10 साल में यूपी को मात्र 4 लाख करोड़ रुपये दिये थे। मोदी जी ने 10 साल में यूपी को 18 लाख करोड़ रुपये दिये हैं।

सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश बाबू ने एक ही परिवार में पांच-पांच टिकट दे दिए। सपा के शासन में पूरे उत्तर प्रदेश में कट्टे बनाने के कारखाने थे। आज मिसाइल व बम बनाने

## पाक चाहता है कांग्रेस के शहजादा बने पीएम : मोदी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। गुरुवार को प्रधानमंत्री ने आणंद की जनसभा में कहा, ह्यभारत में कांग्रेस कमजोर हो रही है। यहां कांग्रेस मर रही है तो वहां पाकिस्तान रो रहा है। कांग्रेस के लिए पाकिस्तान के आका दुआ कर रहे हैं। शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है। पाकिस्तान और कांग्रेस की यह पार्टनरशिप पूरी तरह एक्सपोज हो गई है।

- भारत में कांग्रेस दम तोड़ रही, वहां पाकिस्तान रो रहा, कांग्रेस हमेशा रांग डिलीवरी करने वाली पार्टी रही है

मोदी ने सुरेंद्रनगर में अपनी दूसरी जनसभा में कहा- कांग्रेस हमेशा रॉन्ग डिलीवरी करने वाली पार्टी रही है। देश को आजादी दिलवाने की जगह उन्होंने देश को ही विभाजित कर दिया। देश का विकास करने के बजाय उन्होंने जो कुछ था, उसे ही लूट लिया। गरीबों का पैसा कांग्रेस के खजाने में पहुंच गया। आज ये पार्टी राम और शिव भक्तों को आपस में लड़ाना चाहती है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भगवान राम और भगवान शिव को लेकर एत खतरनाक बयान दिया था। ये हिंदू समाज को बांटने का खेल खेल रहे हैं। राम भक्तों और शिव भक्तों को आपस में लड़ाना चाहते हैं। लेकिन, हमारी हजारों साल की महान परंपरा को कोई नहीं तोड़ सकता। मुगल नहीं तोड़ पाए तो अब कांग्रेस हमें तोड़ना चाहती है।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान में आतंकवाद का टायर पंक्चर हो गया है। जो देश कभी आतंक एक्सपोर्ट करता था, आज वह आटे के इम्पोर्ट के लिए दर-दर भटक रहा है। कभी जिसके हाथ में बम-गोला होता था, उसके हाथ में आज भीख का कटोरा है। कांग्रेस की कमजोर सरकार आतंक के आकाओं को डोजियर देती थी, लेकिन मोदी की मजबूत सरकार देखिए, डोजियर देने में टाइम खराब नहीं करती, आतंकियों को घर में घुसकर मारती है।

कांग्रेस के शहजादे माथे पर संविधान रखकर नाच रहे हैं। लेकिन, जरा कांग्रेस मुझे जवाब दे, जिस संविधान को माथे पर रखकर नाच रहे हो। तो वहीं संविधान 75 साल तक पूरे देश लागू क्यों नहीं होता था। मोदी के आने से पहले देश में दो संविधान, दो झंडे और दो प्रधानमंत्री हुआ करते थे।

## प्रज्जवल को जर्मनी जाने की नहीं दी मंजूरी: सरकार

नई दिल्ली। विवादों में घिरे कर्नाटक के जनता दल सेकुलर सांसद प्रज्जवल रेवन्ना का मामला लगातार सुर्खियों में है। ताजा घटनाक्रम में विदेश मंत्रालय से भी इस संबंध में सवाल किया गया। कर्नाटक के सांसद के कथित तौर पर विदेश जाने की खबरों से जुड़े सवाल पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि उन्हें जर्मनी यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय से अनुमति नहीं दी गई। रणधीर जायसवाल ने कहा कि सांसद प्रज्जवल ने सरकार से जर्मनी यात्रा के लिए मंजूरी नहीं मांगी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, सांसद की जर्मनी यात्रा के संबंध में विदेश मंत्रालय से न तो कोई राजनीतिक मंजूरी मांगी गई थी और न ही जारी की गई। जाहिर है, कोई वीजा नोट भी जारी नहीं किया गया।

- शक्सगाम घाटी में चीनी निर्माण का किया कड़ा विरोध

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए जर्मनी की यात्रा करने के लिए कोई वीजा जरूरी नहीं होता। उन्होंने साफ किया कि विदेश मंत्रालय ने सांसद के लिए किसी अन्य देश के लिए कोई वीजा नोट भी जारी नहीं किया है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि प्रज्जवल रेवन्ना ने राजनयिक पासपोर्ट पर यात्रा की थी।

चीन और सियाचिन से जुड़े शक्सगाम घाटी में निर्माण गतिविधियों के सवाल पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने जमीनी स्थिति में एकतरफा बदलाव के अवैध प्रयास के खिलाफ मजबूती से अपना पक्ष रखा है।

# एनसीसी कैडेट्स देश की सुरक्षा में सहज भूमिका निभाने के लिए तत्पर : विक्रम कुमार

**एनसीसी ग्रुप कमांडर के 69वें सम्मेलन में प्रदेश के 11 ग्रुप कमांडरों एनसीसी के प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाने का निर्देश**

प्रयागराज। प्रयागराज में आयोजित दस दिवसीय एनसीसी ग्रुप कमांडर के 69वें सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रदेश में एनसीसी का सत्र व नए पाठक्रम मे बदलने की जानकारी देते हुए गुरूवार को प्रदेश एनसीसी के एडीजी मेजर जनरल विक्रम कुमार ने दी, मेजर जनरल विक्रम कुमार ने रेड ईगल डिवीजन में आयोजित ग्रुप कमांडर के 69वें सम्मेलन में पत्रकारों से कही हैं। अभी तक एनसीसी का प्रशिक्षण सत्र एक जून से 31 मई तक होता था। एनसीसी के इस सत्र का शिक्षा और वित्तीय वर्ष से तालमेल नहीं बैठ रहा था। पुराने सत्र और वित्तीय वर्ष में अंतर होने से आर्थिक प्रभाव भी पड़ रहा था। मेजर जनरल विक्रम कुमार ने बताया कि अब एनसीसी का सत्र शैक्षणिक और वित्तीय वर्ष साथ साथ चलेंगे तो कोई परेशानी नहीं होगी। मेजर जनरल ने सम्मेलन में प्रदेश के 11 ग्रुप कमांडरों एनसीसी के प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाने का निर्देश दिया। एडीजी ने ग्रुप कमांडरों से कैडेट्स के प्रशिक्षण का दायरा बढ़ाने, प्रशिक्षण का ढांचा सुधारने, कैडेट को ड्रोन की ट्रेनिंग देने, प्रशिक्षण देने वालों को प्रशिक्षित करने, सभी की जवाबदेही तय करने, अधिक से अधिक छात्रों को एनसीसी का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि एनसीसी के कैडेट्स को सेना में शामिल होने योग्य बनाना है। ग्रुप कमांडरों का सम्मेलन 24 अप्रैल को शुरू हुआ। इसका समापन शुक्रवार को किया जायेगा।

मेजर जनरल श्री कुमार ने यह भी बताया नए पाठक्रम मे हम इस सत्र मे एनसीसी कैडेट्सं को पर्सनैलिटी डेवलपमेंट स्किल डेवलपमेंट के साथ ही साथ हम टेक्नोलॉजी के साथ भी प्रशिक्षित कर के उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि एनसीसी के कैडटों को प्रशिक्षण के बाद मिलने वाले जलपान का यूपी मे जो शुल्क दिया जाता है वह 15 रूपये था उसे बढ़ाने का भी प्रस्ताव सरकार को भेजा गया। जब कि इस मुदें पर मुख्यमंत्री से बात हुई उसे बढ़ाकर 45 करने की बात कही है लेकिन चुनाव के कारण अभी हो नही पाया है। श्री कुमार ने यह भी बताया कि अब स्कूलों में एक विकल्प तौर पर एनसीसी के सब्जेक्ट को अनिवार्य रूप से किये जाने का भी प्रस्ताव है यह प्रस्ताव भी रखा है जिसके लिए हमारे ग्रुप के कमांडर और नजदीक एनसीसी मुख्यालय के प्रशिक्षण उन्हें स्कूल में जाकर प्रशिक्षित करेंगे। उन्होंने बताया कि एनसीसी के नए पाठ्यक्रम में इस बार हम युवा एनसीसी कैडेट् के लिए फुटबॉल और युवती कैडेट के लिए वॉलीबॉल को भी अनिवार्यता से लाया गया है।

मेजर जनरल ने बताया कि एनसीसी ने हाल ही में व्यापक कदम उठाए हैं. हमारा जो विस्तार प्रोग्राम चल रहा है स्कूल और कॉलेज में सैन्य शिक्षा और राष्ट्र प्रेम की भावना जगाने के मकसद से शुरू की गई एनसीसी अब देश की सुरक्षा के मामले में एक बड़ी भूमिका की तैयारी में जुटी है. एनसीसी कैडेट्स को देश में तैनाती के लिए तैयार किया जा रहा है. एनसीसी के विस्तार पर व्यापक काम शुरू हुआ है और इससे युवाओं मे देश भक्ति के साथ जोश व संशत्र के साथ आकर्षित करने के लिए कैडेट्स को अनेक लाभ देने की शुरूआत की गई है एनसीसी को अग्निवीर भर्ती से भी जोड़ा गया है. यह बात एनसीसी के मेजर जनरल ने दी है, दस सालों में तीन चरणों में यह क्रियान्वित होगा. इसके तहत आबादी के हिसाब से हर सीमावर्ती राज्य में वैकेंसी देकर विस्तार किया जाएगा. इससे एनसीसी की वैकेंसी बहुत बढ़ेंगी .उन्होंने बताया कि एनसीसी की ट्रेनिंग लेने वालों को तीन तरह के सर्टिफिकेट मिलते है. जूनियर विंग में ट्रेनिंग पर ए सर्टिफिकेट मिलता है, जबकि सीनियर डिवीजन के कैडेट्स को बी और सी सर्टिफिकेट दिया जाता है. इन तीनों सर्टिफिकेट हासिल करने वाले और कुछ ऐसे कैडेट्स भी होते है जो गणतंत्र दिवस समारोह की दिल्ली परेड में भाग लेने जाते हैं, उनको आर्मी भर्ती से लेकर अन्य रोजगार पाने में अनेक फायदे मिलते हैं।

कैडेट्स अग्निवीर योजना के तहत भर्ती होना चाहते हैं, तो उनको अलग-अलग तरह से लाभ मिलता है. अ, इ, उ सर्टिफिकेट के अलग-अलग नम्बर अग्निवीर भर्ती परीक्षा में दिए जाते हैं. इससे उन्हें भर्ती में लाभ मिलता है. जो भर्ती परीक्षा होती है।

सम्मेलन में शामिल अधिकारी,मेजर जनरल विक्रम कुमार,ब्रिगेडियर राजेंद्र कुमार,कर्नल रॉबिन कुमार,कर्नल समीर कौल,कर्नल बीपी फर्नांडीज,कर्नल फारूक रजा,ब्रिगेडियर पी सांगवान,कर्नल विशाल दुबे,कर्नल के जे सिंह,ब्रिगेडियर कुलबीर सिंह,ब्रिगेडियर नीरज पुथेरा, ब्रिगेडियर एसपीएस रौतेला,ब्रिगेडियर सोनल शलभ,जीपी कैप्टन दीपक नेरकर, ब्रिगेडियर संदीप त्यागी,ब्रिगेडियर संदीप वर्मा,ब्रिगेडियर यूएस कैंडिल,कर्नल अरविंद झा,कर्नल प्रवीण,कर्नल प्रसन्न सक्सैना मौजूद रहे।

# गोवंशों से लदी गाड़ी पकड़ने में प्रयागराज पुलिस हुई फेल

**विहिप गोरक्षा के प्रांत मंत्री ने गाड़ी का पीछा कर 24 गोवंशों के साथ दो कसाइयों को पकड़ा**

प्रयागराज। विश्व हिंदू परिषद, गौरक्षा के प्रांत मंत्री लाल मणि तिवारी को मैनपुरी के कार्यकताओं द्वारा सूचना दी गई कि यूपी 21 बीएन-9092 से गोवंशों को लादकर कसाई प्रयागराज के रास्ते कोलकाता गोवध हेतु ले जाने वाले हैं उक्त सूचना पर प्रांत मंत्री ने कौशांबी व प्रयागराज पुलिस प्रशासन को सूचना दिया साथ ही कौशांबी व प्रयागराज के कार्यकताओं को सूचना देकर उपरोक्त कंटेनर पकड़ने हेतु निकल पड़े ' कल प्रात :काल 11 :00 बजे गाड़ी कोखराज टोल प्लाजा तोड़ते हुए हाईवे से प्रयागराज की तरफ तेजी से निकली और उसके बाद गायब हो गई ' कंटेनर को पकड़ने के लिए दिनभर कार्यकर्ता व जिले भर की पुलिस परेशान रही लेकिन गाड़ी पकड़ में नहीं आई।

रात्रि 10 :00 बजे पुन : प्रांत मंत्री को सूचना मिली की गाड़ी हाईवे से सहसों की तरफ बढ़ रही है जिस पर सहसों टोल प्लाजा पर प्रांत मंत्री अपने टीम के कार्यकताओं के साथ पहुंच गए 'गोतस्करों ने गोवंश लदी गाड़ी रात्रि 11:05 पर हाईवे से नीचे उतार कर अंदावा के तरफ तेजी से भागने लगे जिस पर प्रांत मंत्री गोरक्षा व उनके टीम के कार्यकताओं ने अपने जान की बाजी लगाकर गाड़ी का पीछा किया और आखिरकार रात्रि के 1:45 पर चंदौली जनपद के अलीनगर थाना के पहले सिंधी ताली पुल पर गाड़ी पकड़ लिया और गाड़ी के साथ पकड़े गए दो कसाई बहारे आलम पुत्र रईस अहमद निवासी मुरादाबाद व फरीद अहमद पुत्र मोहम्मद इकबाल निवासी फतेहपुर को अलीनगर, चंदौली पुलिस को सौंप दिया उपरोक्त गोतस्करों ने बताया कि मैनपुरी के जंगल से गोवंशों को लादकर हम कोलकाता गोवध हेतु ले जा रहे थे कंटेनर गाड़ी में कुल 24 बेल बेरहमी पूर्वक लादे गए थे ' इस अभियान में कौशांबी व प्रयागराज के कार्यकार्ताओं का विशेष योगदान रहा।

### धोखाधड़ी के आरोपितों की गिरफ्तारी पर रोक , नोटिस जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धोखाधड़ी की आरोपी श्रीमती प्रभा सिंह व अन्य की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर राज्य सरकार सहित विपक्षियों से चार हफ्ते में जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ तथा न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह की खंडपीठ ने याची अधिवक्ता बी के सिंह रघुवंशी व अक्षय रघुवंशी को सुनकर दिया है।

# व्यापारियों ने किया मैक्स अस्पताल के कंट्री हेड का किया स्वागत

प्रयागराज। शहर के निवासियों के लिए खुशखबरी लेकर आए मैक्स अस्पताल के कंट्री हेड जगत भास्कर का अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा स्वागत और आभार व्यक्त किया गया । नगर वासियों की सुविधाओं और स्वास्थ्य संबंधी , दिल्ली आने जाने पर होने वाले असुविधा, वेटिंग परामर्श समय और पैसे खर्चे पर जिला अध्यक्ष लालू मित्तल ने मैक्स हॉस्पिटल को मेल पत्र लिखकर प्रयागराज में सस्ती सुविधाजनक सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया था जिस पर कंपनी के कंट्री हेड ने आज व्यापारियों से मुलाकात करके शीघ्र मैक्स हॉस्पिटल की निशुल्क क्लिनिक खोलने का भरोसा दिया और क्लीनिक खोलने की जगह पर विचार विमर्श किया गया , साथ ही साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पूरे देश में डॉक्टरी परामर्श, रिपोर्ट दिखाने की निशुल्क सुविधा सेवा का भी शुभारंभ कर दिया। लालू मित्तल ने बताया कि कोई भी रोगी घर बैठे ही इन सुविधाओं का लाभ ले सकेगा और मरीज को इसके लिए किसी प्रकार का परामर्श शुल्क नहीं देना। व्यापारियों ने मैक्स हॉस्पिटल की इस पहल का स्वागत करते हुए कंट्री हेड का माल्यार्पण करके उन्हें अंगस्ट्रोम भेंट किया और आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में पूर्वी उत्तर प्रदेश के अस्पताल प्रतिनिधि रजनीश चतुर्वेदी महानगर अध्यक्ष अनिमेष अग्रवाल रमन गुप्ता जय हिंद गोपाल मित्तल रश्मि शुक्ला बंटी मिश्रा अविनाश आदि व्यापारी उपस्थित रहे ।

### विधानसभा वार होगा बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन होगा

प्रयागराज। विधानसभावार बूथ सशक्तिकरण को लेकर भारतीय जनता पार्टी बूथ लेवल पर किए गए करणी कार्यों पर विशेष फोकस बूथ अध्यक्ष सम्मेलन के माध्यम से करने जा रही है जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि प्रयागराज के दोनों लोकसभा के अंतर्गत आने वाले सभी विधानसभा में विधानसभा वार बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगाऔर सम्मेलन के माध्यम से संगठन बूथ अध्यक्षों के द्वारा बूथों पर किए गए कार्यों की समीक्षा करेंगे और हर बूथो की ग्रेडिंग पर विशेष ध्यान रखेंगे। 4 मई को शाम 4 :00 बजे फूलपुर संसदीय क्षेत्र के शहर उत्तरी विधानसभा का बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन केंद्रीय कार्यालय जॉर्ज टाउन क्लब में और 5 मई को शाम 4 :00 बजे इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र की शहर दक्षिणी विधानसभा में मुंशी राम प्रसाद की बगिया मुट्ठीगंज में बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन शुभारंभ किया जाएगा। इसके अलावा फूलपुर संसदीय क्षेत्र के फाफामऊ , सोरांव, शहर पश्चिमी, एवं फूलपुर विधानसभा की और इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र की करछना,बारा, मेंजा और कोरांव विधानसभा में बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन 5 में से लेकर 10 मई तक संपन्न कर लिए जाएंगे।

# सेवक बनकर जनता की सेवा करूंगा-नीरज

**मोदी की सुनामी में कांग्रेस हवा में उड़ जाएगी**

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी शहर दक्षिणी विधानसभा में इलाहाबाद लोकसभा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी का जन संवाद एवं जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय रामचंद्र वैश्य के सुपुत्र एवं भाजपा नेता विजय वैश्य के आवास पर आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में कहा की शहर दक्षिणी विधानसभा मेरे पिता पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय केसरी नाथ त्रिपाठी जी की कर्मभूमि रही है और इस क्षेत्र का विकास करना मेरे लिए पिता की सेवा के बराबर होगा ।

उन्होंने कहा कि मैं सेवक बनकर आपके बीच में आया हूं और सेवक बनकर जनता की सेवा करूंगा और कहा कि देश के अंदर मोदी की सुनामी चल रही है इसमें कांग्रेस हवा की तरह उड़ जाएगा और देश की जनता कांग्रेस को वोट देना नहीं चाहती इसलिए आप सभी से निवेदन करता हूं 25 मई को घर घर में खुशहाली लाने के लिए देश और इलाहाबाद के विकास के लिए कमल का बटन दबाकर और मोदी जी के हाथों को मजबूत करें इस अवसर पर प्रत्याशी ने राम भवन चौराहे से लेकर बहादुरगंज ऊंचा मंडी लोकनाथ चौक घंटाघर खोवा मंडी आदि क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क करते हुए जनता जनार्दन से जीत का आशीर्वाद मांगा इस अवसर स्वागत भाजपा नेता विजय वैश्य ने एवं मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य ने किया संचालक राजेश केसरवानी ने किया इस अवसर पर राम जी केसरवानी, गिरी बाबा, मुरारी लाल अग्रवाल, विधानसभा प्रभारी सुरेश मौर्य ,संयोजक ज्ञानेश्वर शुक्ला, मीडिया प्रमुख गोपाल जी मालवीय, पार्षद सुनीता चोपड़ा,पार्षद किरन जायसवाल, डॉक्टर एलएस ओझा डॉक्टर बी बी अग्रवाल, पार्षद नीरज टंडन, पार्षद ओपी द्विवेदी,पदुम जायसवाल, प्रमोद मोदी, बसंत लाल आजाद, विवेक अग्रवाल गिरीजेश मिश्रा शिखा खन्ना, अतुल खन्ना, आनंद जायसवाल, मनोज मिश्रा, राघवेंद्र मिश्रा,दिनेश विश्वकर्मा, पार्षद रूद्र सेन जायसवाल, चंद्रशेखर वैश्य,नरेंद्र जयसवाल, घनश्याम मौर्य, शत्रुघ्न जायसवाल ,अभिषेक, सत्या जायसवाल, एवं सैकड़ो भाजपा के कार्यकर्ता रहे।

# कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया गैस का रिसाव होने से मचा हड़कम्प

प्रयागराज। मलाक हरहर स्थित विजय कोल्ड स्टोरेज में गुरुवार सुबह करीब 8 बजे अमोनिया गैस के रिसाव से खलबली मच गई। अमोनिया गैस तेजी से लीकेज पाइप के जरिए बाहर निकल रही थी। जो हवा में घुलकर आसपास फैलती जा रही थी।सूचना पर पहुंचे कोल्ड स्टोरेज के ऑपरेटर रामदुलारे अपने सहयोगियों के साथ रिसाव हो रही अमोनिया गैस को काफी मशक्कत के बाद बंद किया। तब जाकर लोगों ने राहत की सास ली।

कर्मचारियों ने 10 बजे रिसाव हो रही अमोनिया गैस को बंद किया। विजय कोल्ड स्टोर के मुंशी चंद्र भूषण त्रिपाठी ने बताया कि अमोनिया के रिसाव से कोई जनहानि नहीं हुई। जबकि कोल्ड स्टोर के पीछे खेतों में लगी टमाटर और सब्जियों की फसले मुरझा गई।

### छात्रों को दी गई यातायात नियमों की जानकारी

गोपीगंज( भदोही)। क्षेत्र के गोपपुर स्थित एक निजी विद्यालय में यातायात जागरूकता अभियान के तहत गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए यातायात नियमो की जानकारी के लिए पम्पलेट वितरित किए गए। गुरुवार को यातायात प्रभारी जनार्दन सिंह के नेतृत्व में गोपपुर में एक निजी विद्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में मौजूद छात्र छात्राओं को यातायात नियमो की जानकारी दी। यातायात प्रभारी ने नियमो की जानकारी के साथ पम्पलेट वितरित किए और सभी छात्रों से यातायात नियमो का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया इस दौरान विजय कुमार,देवचंद, योगेश मिश्र, ललित मोहन व अन्य रहे।

# प्रयागराज में महाकुंभ सड़क चौड़ीकरण पेड़ों की कटाई का मामला

**-सरकार की सफाई,वन विभाग लगायेगा 1 लाख 49 हजार पेड़**

**पेड़ों की कटाई पर शासन से कोर्ट ने फिर मांगी विस्तृत रिपोर्ट**

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 को लेकर सड़कों के चौड़ीकरण करने में काटे जा रहे पेड़ों को रोकने को लेकर दखिल जनहित याचिका पर आज प्रदेश सरकार की तरफ से इलाहाबाद हाईकोर्ट को बताया गया कि जितने भी पेड़ काटे जाएंगे उसका दश गुना पौध रोपण किया जाएगा। बताया गया कि महाकुंभ - 2025 को लेकर प्रयागराज शहर में एक लाख 49 हजार पेड़ लगाने की योजना है। यह काम वन विभाग की तरफ से होना है और इसके लिए कुंभ के बजट में प्रावधान किया गया है। हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार से इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने जानना चाहा है कि सरकार की क्या योजना है। क्या पेड़ों को बचाने की कोई योजना भी है। शुक्रवार को याचिका की सुनवाई होगी।

यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली तथा न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव नितिन शर्मा की जनहित याचिका पर दिया है।

बताया गया कि प्रयागराज में महाकुंभ के लिए शहर की सड़कों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। चौड़ीकरण की जद में आने वाले 50 साल से अधिक पुराने घने वृक्षों को काटा जा रहा है। वृक्षों को काटने से गर्मी के मौसम लोगों के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथा आक्सीजन की कमी होगी। कहा गया कि विकास के नाम पर पेड़ों की कटाई गलत है। पेड़ों को काटना बहुत जरूरी है तो उसे वहां से हटाकर पास में ही कही विस्थापित करें। ऐसा न करना हाईकोर्ट द्वारा पारित पूर्व के आदेशों की अवहेलना है।

# विशेष टिकट चेकिंग अभियान में प्रयागराज जंक्शन पर पकड़े गये 828 यात्री

**332 बिना टिकट यात्रियों से 317560 रुपये, 495 अनियमित यात्रा में 255530 रुपये वसूला जुर्माना**

प्रयागराज। रेल यात्रियों को सुरक्षित, सुखद और आरामदायक यात्रा के साथ बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रयागराज मंडल टिकिट रहित और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों व ट्रेनों में विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाता रहता है। मंडल रेल प्रबन्धक/कोचिंग/प्रयागराज, हिमांशु बडोनी एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/प्रयागराज, हिमांशु शुक्ला के निदेर्शानुसार सहायक मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, दिनेश कुमार के नेतृत्व में प्रयागराज प्रयागराज जंक्शन पर चलाये गए टिकिट चेकिंग अभियान में मुख्य टिकिट निरीक्षक/रेड, दिवाकर शुक्ला ने वाणिज्य टीम, रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के साथ मिलकर कार्य किया । इस अभियान में 22 गाड़ियों की सघन चेकिंग की गयी।

प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सुबह 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक चलाये गए चेकिंग अभियान में कुल 828 यात्रियों को प्रभारित कर 5,75,140/- रुपये वसूल किए गए। इनमें से 332 यात्रियों को बिना टिकट पकड़कर 3,17,560/- रुपये वसूल किए गए, 495 यात्रियों को अनियमित यात्रा में पकड़कर 2,55,530/- रुपये वसूल किए गए, बिना बुक किए गए समान वाले 1 यात्री को प्रभारित कर 2050/- रुपये वसूल किए गए । उत्तर मध्य रेलवे अपने सभी सम्मानित रेल यात्रियों से अपील करता है कि असुविधा से बचने और सम्मान के साथ यात्रा करने के लिए उचित और वैध रेलवे टिकट के साथ यात्रा करें।

### शक्ति केन्द्र प्रमुखों एवं बूथ अध्यक्षों ने निकाला मोटर साइकिल जुलूस

प्रयागराज। भाजपा के सिविल लाइंस मंडल के सभी शक्ति केन्द्र प्रमुख सभी बूथ अध्यक्षों एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने 51 फूलपुर संसदीय क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रवीण पटेल के समर्थन में धोबी घाट पेट्रोल पम्प से मोटर साइकिल जुलूस निकालकर शक्ति प्रदर्शन कर एक बार फिर केन्द्र में मोदी सरकार बनाने का संकल्प लिया और लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि सब काम छोड़कर 25 मई को पहले मतदान करें। एक-एक मतदाताओं का एक-एक वोट बहुत कीमती है। भाजपा की लोकतांत्रिक निष्पक्ष सरकार बनाने के लिए शत-प्रतिशत मतदान जरूरी है। भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल ने मोटर साइकिल जुलूस निकालकर शक्ति प्रदर्शन व मतदाताओं को जागरूक करने वाले शक्ति केन्द्र प्रमुख बूथ अध्यक्षों व कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि किसी भी पार्टी की विजय व विकास का आधार स्तंभ आप ही लोग हैं। आप ही सरकार का गठन कराने व पार्टी को विजयश्री दिलाने का आधार हैं।

उन्होंने कहा कि 25 मई को जब तक अंतिम वोट न पड़ जाए तब तक आप लोग अपने बूथों पर डटे रहे।

# हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने पदभार संभाला

**एल्डर कमेटी की मौजूदगी में लाइब्रेरी हाल में हुआ शपथ ग्रहण समारोह**

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को लाइब्रेरी हॉल में संपन्न हुआ। इस मौके पर एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन वरिष्ठ अधिवक्ता टी पी सिंह की अध्यक्षता में विजय बहादुर सिंह वी के सिंह वी पी श्रीवास्तव सी एल पाण्डेय मुख्य चुनाव अधिकारी वी एम जैदी आर सी सिंह विनोद

कांत श्रीवास्तव वशिष्ठ तिवारी प्रभाकर अवस्थी एवं चंदन शर्मा आदि रहे। शपथ लेने वालों में अनिल तिवारी अध्यक्ष विक्रान्त पाण्डेय महासचिव राजेश खरे वरिष्ठ उपाध्यक्ष अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी अखिलेश कुमार मिश्र सुभाष चन्द्र यादव नीरज त्रिपाठी नीलम शुक्ला उपाध्यक्ष सुमित कुमार श्रीवास्तव संयुक्त सचिव प्रशासन अभिजीत कुमार पाण्डेय संयुक्त सचिव लाइब्रेरी पुनीत कुमार शुक्ला संयुक्त सचिव प्रेस आंचल ओझा संयुक्त सचिव महिला रणविजय सिंह कोषाध्यक्ष उदिशा त्रिपाठी मनीषा सिंह किरन सिंह अभिषेक मिश्र अवधेश कुमार मिश्र अभिषेक तिवारी

सच्चिदानन्द यादव दिनेश यादव रत्नेश कुमार पाठक राजेश शुक्ला सर्वेश्वर लाल

श्रीवास्तव वेद प्रकाश ओझा बलदेव शुक्ला अमरनाथ त्रिपाठी एवं ब्रजेश कुमार सिंह सेंगर कार्यकारिणी सदस्य आदि शामिल रहे। यह जानकारी संयुक्त सचिव प्रेस पुनीत कुमार शुक्ला ने दी।

# प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी एवं अनुभाग पुरस्कार किया वितरित

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे, कार्मिक विभाग,मुख्यालय प्रयागराज में गुरुवार को मई माह का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी एवं सर्वश्रेष्ठ अनुभाग पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

## कार्मिक विभाग के सामान्य सहायक सुभाष बने मई माह के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी

का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी उपस्थित रहे। पुरस्कार समारोह में मई माह के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रकोष्ठ में कार्यरत सुभाष, सामान्य सहायक, कार्मिक विभाग, प्रधान कार्यालय को उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रदान किया गया कइनके द्वारा प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी के कक्ष, प्रकोष्ठ, सभा कक्ष/पुस्तकालय एवं कोरिडोर में होने वाली प्रतिदिन की साफ-सफाई का कार्य अत्यंत प्रभावी ढंग से करवाया जाता है इसकेफलस्वरूप प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी के कक्ष, प्रकोष्ठ,

सभा कक्ष/पुस्तकालय एवं कोरिडोर हर समय साफ-सुथरा रहता है इसके अतिरिक्त इनकी भूमिका कार्मिक विभाग के सभा कक्ष में स्थापित पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों एवं खेल उपकरणों के रख-रखाव में भी अत्यंत सराहनीय है इनके कार्यों के कारण कार्मिक विभाग की सराहना उत्तर मध्य रेलवे में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों तथा आगंतुकों द्वारा की जा रही है।

इसी कड़ी में मई माह के सर्वश्रेष्ठ अनुभाग का पुरस्कार भंडार अनुभाग, कार्मिक विभाग, मुख्यालय को प्रदान किया गया इस अनुभाग के कार्यालय अधीक्षक संजीत नीरज एवं उनके सहकर्मियों को यह पुरस्कार विगत समय में बहुत ही कार्यकुशलता से साथ विभिन्न कार्य को करते हुए सभी कार्यों के उत्कृष्ट निष्पादन हेतु प्रदान किया गया इस अनुभाग द्वारा नान-स्टाक एवं स्टाक सामग्रियों की आपूर्ति निश्चित समय पर कराना, विभिन्न बिलों का निपटान ससमय करते हुए सम्बंधित फर्म का भुगतान भी सुनिश्चित किया गया है इसके साथ ही व्हीकल हायरिंग के कार्य को समय समाप्त होने से पूर्व ही नया कॉन्ट्रैक्ट सुनिश्चित करना, अधिकारियों/कर्मचारियों के मांग को यथासंभव पूर्ति करना तथा मीटिंग एवं विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्बंधित सामग्रियों को गुणवत्ता के साथ आपूर्ति करने का कार्य किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन कार्मिक विभाग, मुख्यालय के सभी कर्मचारियों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं जिज्ञासा को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया । इस दौरान कार्मिक विभाग, मुख्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

## गैंगस्टर मामले में सजा के खिलाफ अफजाल अंसारी की अपील पर हुई सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी को गैंगस्टर एक्ट के तहत विशेष अदालत गाजीपुर से मिली चार साल कैद व एक लाख रुपये जुमार्ने के खिलाफ दाखिल अपील पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपील की जल्द सुनवाई का आदेश दिया है और कहा है कि 30 जून तक सुनवाई कर ली जाए।

भाजपा विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड को लेकर अफजाल अंसारी के खिलाफ गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज किया गया था। विशेष अदालत ने अफजाल अंसारी को इस मामले में दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। जिसके खिलाफ अपील दाखिल की गई है। हाईकोर्ट ने अफजाल अंसारी की जमानत मंजूर कर ली थी लेकिन सजा पर रोक नहीं लगाई थी। इस कारण संसद से उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई थी।बाद में सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर रोक लगाते हुए अपील जल्द सुने जाने का आदेश दिया।

# मठ मंदिर के संत पुजारियों ने कहा जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी बेणी माधव मंडल में भाजपा की मठ मंदिर की टोली के कार्यकताओं ने 400 पार फिर एक बार मोदी सरकार बनाने को लेकर मठ मंदिर के संतो के द्वार पहुंचकर उनका

## बांटे पत्रक, भाजपा की मठ मंदिर टीम ने संतो का लिया आशीर्वाद

आशीर्वाद लिया और अभियान का शुभारंभ मठ महंत जनसंपर्क टोली प्रमुख सुभाष वैश्य के द्वारा बेणी माधव मंदिर दारागंज एवं निमोर्ही अखाड़ा दारागंज से किया गया इस अवसर भगवान बेणी माधव मंदिर दारागंज के पुजारी सर्वदानंद महाराज एवं निरंकारी अखाड़ा दारागंज के सचिव ओंकार गिरी , एवं महंत राधेश्याम पुरी जी ने कहा कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे और 400 पाकर तीसरी बार मोदी सरकार बनाने में पूरी ताकत लगाएंगे।

जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अभियान का मंदिर के पुजारी और संतो ने स्वागत किया और यह अभियान 23 मई तक इलाहाबाद एवं फूलपुर लोकसभा के अंतर्गत आने वाले सभी छोटे बड़े मठ मंदिर में जाकर मठ मंदिर जनसंपर्क की टोली मंदिर मठ एवं धार्मिक स्थलों एवं धार्मिक संगठन के पदाधिकारी कार्यकताओं से जनसंपर्क कर 400 पार मोदी सरकार बनाने का आशीर्वाद लेगी । इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष भरत निषाद, तीर्थ राज पांडे, मनोज ,राजेश पाठक, सोनू निषाद मुकेश शुक्ला राजू श्रीवास्तव, आनंद गुप्ता , शत्रुघ्न जायसवाल, सुशील जैन, गोल्डी आदि टोली की टीम रही।

## ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी को चलायेगा रेल प्रशासन

प्रयागराज। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु निम्न ग्रीष्मकाल विशेष गाड़ियो का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी सं 09335/09336 इंदौर झ हावड़ा -इंदौर सुपर फास्ट विशेष गाड़ी संख्या 09335 शुक्रवार 3 मई को इंदौर से चलेगी तथा 09336 हाबड़ा से रविवार 5 मई को चलेगी। इस गाड़ी में कुल 24 डिब्बे होंगे।

## विद्या भारती ने रानी रेवती देवी विद्यालय में लगाया गणित एवं विज्ञान मेला

प्रयागराज। विद्या भारती से सम्बद्ध काशी प्रांत के रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं क्षेत्रीय विज्ञान प्रमुख बांके बिहारी पाण्डेय के संयोजन में चल रहे दो दिवसीय विज्ञान एवं वैदिक गणित योजना बैठक के समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने कहा कि गणित जैसे दुरुह विषय पर विद्या भारती ने प्रश्न मंच और प्रदर्श प्रतियोगिता के जरिए उत्साह बढ़ाने के लिए विज्ञान एवं गणित मेले का आयोजन किया जो निश्चय ही छात्रों के लिए अति लाभकारी होगा साथ ही विज्ञान एवं गणित विषयों में महारथ हासिल करने के लिए उनके अभिरूचि भी बढ़ेगी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में अध्यक्ष क्षेत्रीय मंत्री हेम चन्द्र एवं प्रांतीय संगठन मंत्री डा. राम मनोहर एवं प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी ने भी विज्ञान एवं गणित मेले में अपने विचार रखकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विद्या भारती द्वारा संचालित विभिन्न स्कूलों के आचार्य एवं शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं विज्ञान एवं गणित मेले में शामिल होकर अपना ज्ञानार्जन किया।

# इंडिया गठबंधन के साथ प्रयागराज में भी दिखेगी पीडीए की मजबूती

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी कार्यालय जॉर्ज टाउन में इंडिया एलायंस की संगठात्मक बैठक हुई। इस बैठक में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता सर्वेश यादव के नेतृत्व में सम्मिलित हुए और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता विधानसभा शहर उत्तरी के पूर्व विधायक प्रत्याशी संदीप यादव एवं विधानसभा अध्यक्ष गोपी यादव के नेतृत्व में समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह बैठक प्रचार प्रसार और इंडिया एलायंस के प्रत्याशी अमरनाथ मौर्या के नामांकन की तैयारी बैठक हुई बैठक में नेताओं और कार्यकताओं ने चर्चा के दौरान महंगाई, बेरोजगारी, को प्रमुख मुद्दा बताते हुए लोगों तक ले जाने की बात कही। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष

## सपा कार्यालय में इंडिया एलायंस की हुई संगठनात्मक बैठक, बनी रणनीति

सर्वेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश का इतिहास रहा है जितने धूमधाम के साथ लोगों का स्वागत करता है उससे कहीं ज्यादा धूमधाम से विदाई भी करने का काम करता है तो इस बार उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी की विदाई करने का काम उत्तर प्रदेश की जनता करेगी और इंडिया गठबंधन को दिल्ली पहुंचने का काम करेंगे।

आज के कार्यक्रम में समाजवादी नेता संदीप यादव,आप नेता अंजनी कुमार मिश्रा, समाजवादी शहर उत्तरी विधानसभा अध्यक्ष गोपी यादव, जिला महासचिव अमन कुमार,अरुण कुशवाहा, वीरेंद्र आलोक श्रीवास्तव,अरुण कुमार बिंद, नीतू कनौजिया, इंद्रेश चंद्र, कमल किशोर मिश्रा,विजय यादव, अर्पित साहू, धीरेंद्र मौर्य, सौरभ सिंह,गोलू सोनकर, रावेंद्र पांडे, मो .जैद, शशि चंद्र, आर०आर० मिश्रा,अजय निषाद, गजनफर अब्बास, आदि सैकड़ो साथी मौजूद रहे।

# इलाहाबाद संसदीय की जनता भाजपा प्रत्याशी की जीत के लिए कमल खिलाने का करेगी काम

### विपक्षी दलों के पास नहीं है कोई मुद्दा, अपने भष्टाचार को छुपाने के लिए हुए हैं एक-नीरज

प्रयागराज। इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने आज वर्चुअल संवाद कर भाजपा जनप्रतिनिधि पदाधिकारियों और कार्यकताओं को कल के ऐतिहासिक नामांकन जुलूस में सहयोग के लिये आभार जताते हुए अभी तक के चुनावी प्रगति की समीक्षा के साथ आगामी योजनाओं के क्रियांवयन हेतु कमर कस तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकार के विकास और सुशासन के आधार पर जनता ने पुनः तीसरी बार मोदी जी को देश का प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प ले लिया है उसी कड़ी में इलाहाबाद की सम्मानित जनता जनार्दन ने भी ऐतिहासिक जीत के लिये कमल खिलाने का काम करने जा रही है .आज विपक्षी दलों के पास कोई मुद्दा नही है वे सब केवल अपने अपने भ्रष्टाचार और पाप को छुपाने के लिये एकत्र हुए है जिसे जनता देख रही है और चुनाव में सबक सिखाने का काम करेगी।

आज शहर दक्षिणी के चौक मण्डल में राम भवन चौराहा सुलाकी चौराहा बताशा मंडी ऊंचा मंडी लोकनाथ और घंटाघर में पदयात्रा कर आम जनता से संपर्क और संवाद किया जिसका स्थानीय जनता

व्यापार मंडल और समाज सेवियों ने बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया स्थानीय जनता भी अपने बीच प्रत्याशी को पाकर अत्यंत खुश रही। भाजपा प्रत्याशी की पत्नी कविता यादव त्रिपाठी ने बारा विधानसभा के मनकामेश्वर मण्डल के घूरपुर कन्जाशा मानपुर मझियारी लालापुर में सघन जनसंपर्क कर मसुरियन देवी का आशीर्वाद लिया और उपस्थित लोगों से कहा कि अपने पिताजी के विरासत को सम्हालने के लिये मेरे पति को पार्टी ने आपके बीच भेजा है और मेरे घर के दरवाजे आप सबके लिये सदैव खुले मिलेंगे .इस क्षेत्र के विकास के लिये यथासंभव प्रयास किया जाएगा जिसमें आप सबके आशीर्वाद की जरूरत है और विश्वास रखें कि सेवक के रूप में आप सबका सम्मान सर्वोपरि रहेगा . संसदीय मीडिया प्रभारी देवेन्द्र नाथ मिश्र के अनुसार आजके कार्यक्रमों में दक्षिणी विधानसभा संयोजक ज्ञानेश्वर शुक्ल प्रभारी सुरेश मौर्य .चिकित्सा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष रहे डा .बीवी अग्रवाल .वरिष्ठ नेता रामजी केशरवानी .पदुम जायसवाल .सतीश विश्वकर्मा .चौक मण्डल अध्यक्ष सुमित वैश्य .मनकामेश्वर मण्डल अध्यक्ष शंकर लाल पाण्डे .प्रभारी कुलदीप सिंह पटेल .पार्षदगण किरण जायसवाल .सुनीता चोपड़ा .नीरज टंडन .साहिल अरोरा प्रयागराज व्यापार मण्डल .नरेश कुंद्रा इलाहाबाद डिस्ट्रिब्यूटर एसोसियेशन .विजय वैश्य इलाहाबाद होटल एसोशियन .दिनेश विश्वकर्मा .मनोज मिश्र .यश विक्रम त्रिपाठी .चंदन भट्ट .लकी साहू .दिलीप के शरवानी .मनमोहन मिश्र .शिखा खन्ना .विमलेश गुप्त .विनोद शांडिल्य .संजय गुप्त .धीरज के शरवानी .आकाश चौरसिया .नीलांशु गौतम .जय किशन चौरसिया .राजू सोनकर .विकास पटेल .मासु अब्बास नकवी .मो .इंतेसार .राकेश मौर्य .प्रखर राय .छवि सोनकर .किरण अग्रवाल .लता उपाध्याय .संध्या गौड़ .शिवानी .मंजू सोनी .नीलम अग्रहरी .अवंतिका पटेल .मिन्नी भारतीय .निशा रस्तोगी .अनुज कपूर .शिव मालवीय संग हजारों लोग उपस्थित रहेंज

# 51 फूलपुर के लिए 44, 52 इलाहाबाद के लिए 44 लोगों ने क्रय किया नामांकन पत्र

प्रयागराज। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के अन्तर्गत गुरूवार को नाम निर्देशन के चौथे दिन संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर के लिए 05 लोगो ने एवं संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 52-इलाहाबाद के लिए 06 लोगो के द्वारा नाम निर्देशन पत्र लिया गया। इस प्रकार अबतक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर के लिए कुल 44 लोग व 52-इलाहाबाद के लिए कुल 44 लोगो ने नाम निर्देशन पत्र लिया है।

## नामांकन के चौथे दिन फूलपुर से तीन, इलाहाबाद से 4 लोगों ने किया नामांकन

नाम निर्देशन के चौथे दिन संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर हेतु प्रगतिशील समाज पार्टी के प्रत्याशी योगेश कुमार कुशवाहा, बहुजन अवाम पार्टी के प्रत्याशी जिला जीत भारतीय एवं निर्दलीय प्रत्याशी दिलीप कुमार यादव एवं 52-इलाहाबाद हेतु भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी, कमेरा समाज पार्टी के प्रत्याशी सर्वजीत सिंह, प्रगतिशील समाज पार्टी के प्रत्याशी अजीत कुमार पटेल एवं निर्दलीय प्रत्याशी गोपाल स्वरूप जोशी के द्वारा नाम निर्देशन किया गया।

# नगर निगम सफाई कर्मियों ने मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर ली शपथ

### पहले मतदान फिर करें नाश्ता या कोई अन्य कार्य, शत-प्रतिशत मतदान है जरूरी

प्रयागराज। 52 इलाहाबाद संसदीय एवं 51 फूलपुर संसदीय क्षेत्र के लिए मतदान 25 मई को होने जा रहा है। 6 मई तक दोनों संसदीय क्षेत्र के लिए विभिन्न राजनैतिक दलों व निर्दलीय प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल कर चुनावी वैतरणी पार करने के लिए जन अदालत में जाकर अपने-अपने पक्ष व सफाई जनता के समक्ष रखकर इस चुनावी समर में मत व समर्थन की अपील की जायेगी। लगातार घट रहे मतदान के प्रतिशत को देखते हुए निर्वाचन आयोग के निर्देशपर जिला निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में नोडल अधिकारियों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। गुरुवार को विभिन्न स्कूल, कॉलेजों व सरकारी विभागों तथा नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने मतदाता

जागरूकता रैली निकाल कर शत प्रतिशत मतदान करने कराने का संकल्प भी दिलाया और नारे दिये कि शत प्रतिशत मतदान है जरूरी पहले मतदान फिर करें नाश्ता या अपना अन्य कार्य।

25 मईको लोकसभा चुनाव के अंतर्गत प्रयागराज जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूकता रैली हर जगह निकली जा रही है इसी कड़ी में गुरुवार को करेली के वार्ड 77 तुलसीपुर में नगर निगम अधिकारियों के साथ सफाई कर्मियों ने रैली निकालकर शपथ लिया जोन 2 के जोनल अधिकारी दिलीप श्रीवास्तव और इंस्पेक्टर राकेश भार्गव, नोडल अधिकारी रामानंद ,सुपरवाइजर श्री नारायण पांडे के साथ काफी संख्या में सफाई कर्मी शामिल रहे।

## एलएलबी के आठवें समेस्टर की परीक्षाएं 8 से

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक एके कन्नौजिया ने बताया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय नें सत्र 2023-24 की विधि आठवें सेमेस्टर की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षाएं 8 मई से शुरू होने जा रही है। बीए एलएलबी 2023-24 की आठवें सेमेस्टर की नियमित एवं बैक पेपर की परीक्षाएं 8 से 20 मई और 10वें समेस्टर की नियमित एवं बैक पेपर की परीक्षाएं 8 से 17 मई तक आयोजित की जायेगी वहीं एलएलबी 6वें सेमेस्टर की नियमित परीक्षाएं 8 से 20 मई और एलएलएम चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 9 से 16 मई तक होंगी। विधि परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम वेबसाइड पर भी उपलब्ध है।

## ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

**(1) गाड़ी सं. 05219/05220 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार (ट.) सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी**

| 05219 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार (ट.) | | | 05220 आनंद विहार (ट.)-मुजफ्फरपुर | |
|---|---|---|---|---|
| आगमन | प्रस्थान | स्टेशन | आगमन | प्रस्थान |
| -- | 18.00 | मुजफ्फरपुर | 07.00 | -- |
| 02.10 | 02.20 | प्रयागराज | 22.05 | 22.15 |
| 04.30 | 04.40 | गोविंदपुरी | 20.00 | 20.10 |
| 11.00 | -- | आनंद विहार (ट.) | -- | 13.25 |

गाड़ी सं. 05219 मुजफ्फरपुर से- (प्रति शनिवार), दिनांक: 04.05.2024 एवं 11.05.2024

गाड़ी सं. 05220 आनंद विहार (ट.) से- (प्रति रविवार) दिनांक: 05.05.2024 एवं 12.05.2024

संरचना: एसएलआर/डी-02, सामान्य श्रेणी-03, स्लीपर श्रेणी-10, वाता.- प्रथम- सह द्वितीय श्रेणी-03, वाता. द्वितीय श्रेणी-01

**(2) गाड़ी सं. 05251/05252 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार (ट.) सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी**

| 05251 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार (ट.) | | | 05252 आनंद विहार (ट.)-मुजफ्फरपुर | |
|---|---|---|---|---|
| आगमन | प्रस्थान | स्टेशन | आगमन | प्रस्थान |
| -- | 18.00 | मुजफ्फरपुर | 07.00 | -- |
| 02.10 | 02.20 | प्रयागराज | 22.05 | 22.15 |
| 04.30 | 04.40 | गोविंदपुरी | 20.00 | 20.10 |
| 11.00 | -- | आनंद विहार (ट.) | -- | 13.25 |

गाड़ी सं. 05251 मुजफ्फरपुर से- (प्रति बुधवार), दिनांक: 08.05.2024 एवं 15.05.2024

गाड़ी सं. 05252 आनंद विहार (ट.) से- (प्रति गुरुवार) दिनांक: 09.05.2024 एवं 16.05.2024

संरचना: वाता.तृतीय इकोनॉमी-20, एसएलआर-02

नोट: ट्रेनों के समय-सारणी से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे G20 737/24.FA

# हाईकोर्ट ने रद्द किया करार भंग के सिविल मामले में दर्ज एफआईआर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने करार भंग के सिविल प्रकृति के मामले में धोखाधड़ी के आरोप में थाना शिवकुटी प्रयागराज में दर्ज एफआईआर रद कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ तथा न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह की खंडपीठ ने सुनील पटेल की याचिका को मंजूर करते हुए दिया है। याचिका पर अधिवक्ता दिलीप कुमार पाण्डेय ने बहस की।

कोर्ट ने इससे पहले गांव बजहा गंगानगर, नवाबगंज के शिकायतकर्ता शिव प्रसाद मिश्र को पेश करने का आदेश दिया था जिसपर दो उपनिरीक्षकों के साथ वह हाजिर हुए। याची का कहना था कि उसने थन दिया है किन्तु शिकायतकर्ता जमीन का बैनामा नहीं कर रहा। उल्टे एफआईआर दर्ज की है। शिकायतकर्ता ने कहा तीन लाख रूपए कम दिए हैं।इसपर याची अधिवक्ता ने कहा कि बैनामे के समय वह भुगतान करने को तैयार हैं।

तर्क दिया गया कि सिविल मामला है, सुप्रीम कोर्ट ने सिविल मामले में आपराधिक केस दर्ज करने की प्रवृत्ति को सही नहीं माना है।और कहा है कि सिविल मामले में आपराधिक प्रक्रिया का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। सिविल मामले को आपराधिक केस में बदलने की प्रवृत्ति की आलोचना की है। इसपर कोर्ट ने कहा 8 अपैल 24 को दोनों पक्ष रजिस्ट्रार के समक्ष बैनामा करने को उपस्थित हो और केस की सुनवाई 15अप्रैल को होगी। कोर्ट ने एफआईआर के तहत याची के विरुद्ध उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी।याची ने जब तीन लाख का डिमांड ड्राफ्ट पेश किया तो शिकायतकर्ता ने यह कहते हुए लेने से इंकार कर दिया कि जमीन स्टेट लैंड है। जिसका बैनामा नहीं हो सकता। जिसके बाद कोर्ट ने एफआईआर रद कर दी।

# उमरे महिला कल्याण संगठन ने 38 कर्मचारियों को किया सम्मानित

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुख्यालय, प्रयागराज की ओर से उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय में 20 वर्ष या अधिक वर्षो से कार्यरत ऐसे ईमानदार, समर्पित और

## संगठन की अध्यक्षा ने ग्रुप डी के कर्मचारियों को उपहार देकर बढ़ाया उत्साह

मेहनती ग्रुप-डी रेलवे कर्मचारियों, जिन्होंने अपने कार्यों में उत्कृष्ट योगदान दिया है एवं साथ-ही-साथ समय-समय पर संगठन के कार्यो में सहयोग दिया है, ऐसे 38 कर्मचारियों को संगठन की अध्यक्षा श्रीमती शिखा गोयल द्वारा व्यक्तिगत उपहार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर दंत चिकित्सक डा. मंजू लता हाण्डू द्वारा मानव के

मौखिक स्वास्थ्य की देखभाल के बारे में प्रशिक्षित किया गया, ताकि लोग अपने दांत, मसूड़े.और मुंह को स्वस्थ रख सके। इस अवसर पर डाइटिशियन विशेषज्ञ डा. अपर्णा सक्सेना द्वारा लोगों को विभिन्न प्रकार के आहार की आदतों के बारे में शिक्षित किया गया है। इस अवसर पर संगठन की सचिव श्रीमती नूपुर अग्रवाल, श्रीमती मीना माथुर, श्रीमती माधुरी सिंह, श्रीमती मिथलेश कुमारी, श्रीमती कल्पना अग्रवाल, श्रीमती रेणु पोनिया, श्रीमती रीता सिन्हा, श्रीमती सुप्रिया सिन्हा, श्रीमती अलका गर्ग, श्रीमती राजेनी चन्द्रायन के साथ-साथ संगठन की अन्य सदस्यायें भी उपस्थित रहीं।

## प्रमुख सचिव वित्त दीपक कुमार को आदेश का पालन करने या कारण बताने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दीपक कुमार प्रमुख सचिव वित्त उ प्र को अवमानना नोटिस जारी कर दो माह में आदेश का पालन कर अनुपालन हलफनामा दाखिल करने या कारण बताने को कहा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना कार्रवाई की जाय। याचिका की अगली सुनवाई 12अगस्त को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने डा प्रवीण कुमार शर्मा व 20अन्य की अवमानना याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता राघवेन्द्र प्रसाद मिश्र व अवनीश त्रिपाठी ने बहस की।इनका कहना है कि कोर्ट ने एस ए सी पी दावे का तीन माह में निस्तारण करने का निर्देश दिया था।जिसका पालन नहीं किया गया।जिसपर यह अवमानना याचिका दायर की गई है।

# वैध विवाह के लिए उचित रीति-रिवाज के साथ समारोह, जश्न और सप्तपदी जरूरी : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि एक वैध विवाह के लिए समारोह के साथ धार्मिक प्रक्रिया अपनाना जरूरी है। विवाह रीति-रिवाजों के साथ संपन्न किया जाना चाहिए। सप्तपदी विवाह का आवश्यक अंग है।

याची के खिलाफ आगरा के सिंकदरा थाने में दर्ज प्राथमिकी में पहली शादी को छिपाकर दूसरा शादी करने का आरोप लगाया गया है। किंतु दूसरी शादी का ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया जिससे साबित हो सके कि रीति-रिवाजों सहित सप्तपदी के साथ विवाह किया गया था। इसलिए याची के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस नहीं बनता।

यह आदेश न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी ने श्रीमती निशा की पुनर्निरीक्षण याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि आईपीसी की धारा 494 के तहत अपराध का गठन करने के लिए, यह आवश्यक है कि शादी उचित समारोहों और रीति-रिवाज सहित की जानी चाहिए। हिंदू विवाह कानून के तहत 'सप्तपदी'

**◻ दहेज उत्पीड़न केस कार्रवाई के लिए शादी का वैध होना जरूरी ◻ अवैध पत्नी की तरफ से दर्ज दहेज केस कार्यवाही रद्द**

समारोह वैध विवाह के लिए आवश्यक है। प्रश्नगत मामले में इसका अभाव है। इसलिए याची के खिलाफ प्रथम दृष्टया दहेज उत्पीड़न का कोई अपराध नहीं बनता है। कोर्ट ने कहा कि याची के खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्रवाई दुर्भावनापूर्ण है। जो स्पष्ट रूप से न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

कोर्ट ने 20 फरवरी 2023 के एसीजेएम के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा अदालत का कर्तव्य है कि वह निर्दोष की रक्षा करे।और धारा 494 की कार्रवाई को तो रद्द कर दिया किंतु धारा 504 और 506 की कार्यवाही में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया।

याची के खिलाफ उसके दूसरे पति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी शादी पहले विजय सिंह के साथ हुई थी। बिना विवाह विच्छेद की डिक्री लिए और पूर्व पति के जीवित रहते उसने आर्य समाज मंदिर में जाकर उसके साथ शादी कर ली। पूछा तो झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी दी और 10 लाख रुपए की मांग की। एसीजेएम कोर्ट ने शिकायत पर संज्ञान लेते हुए याची को समन जारी किया।

याची ने कहा वह पहले पति विजय सिंह से 16 वर्षों से अलग रह रही है। एक-दूसरे से कोई सरोकार नहीं है। याची ने दूसरे पति और उसके परिवार वालों के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 323, 354( खा), 504, 506 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है।

याची ने जब उसके साथ उसके साथ उसके घर रहने के लिए पहुंची तो प्रतिवादी और उसके परिवार के लोगों ने उसके साथ दुर्व्यहार किया। कपड़े फाड़ दिए और उसका एक पैर तोड़ दिया। जिसके बाद प्रतिवादी और उसके परिवार वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। कोर्ट ने याचिका को आंशिक रूप से मंजूर करते हुए 494 आईपीसी की धारा के तहत हुई कार्रवाई को रद्द कर दिया।

## घर में रखें गेहूं पर अज्ञात चोरों ने किया हाथ साफ

मऊ आइमा प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के रामगढ़ कोठारी गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने घर में रखें गेहूं पर हाथ साफ कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार हरी लाल गौतम पुत्र स्वर्गीय लक्ष्मन निवासी रामगढ़ कोठारी ने 25 बोरी गेहूं घर में भूसे के अंदर रखा था। बुधवार देर रात अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर भूसे में रखे 25 बोरी गेहूं चुरा ले गए। सुबह जब हरी लाल गौतम ने घर का ताला टूटा देख अंदर जाकर देखा तो भूसे में रखा गेहूं गायब था। जिसकी लिखित तहरीर हरीलाल गौतम ने बहरिया थाने में दी।

# बेइज्जत करने पर वृद्ध की गई थी हत्या

मऊ आइमा प्रयागराज। फाजिलाबाद उर्फ कालूपुर में छत पर सो रहे वृद्ध की हत्या में नामजद आरोपियों को पुलिस ने बृहस्पतिवार को जेल भेज दिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि खेत में बकरी जाने पर उनकों काफी बेइज्जत और जलील किया गया था।जिसका बदला आशाराम की हत्या कर लिया गया। फाजिलाबाद उर्फ कालूपुर निवासी आशाराम यादव गांव के बाहर खेत में मकान मना कर रहते थे। गांव में उनका बड़ा लड़का रामनाथ परिवार के साथ रहता है। सोमवार की राम करीब 11 बजे रामनाथ अपने पिता को खाना लेकर गया था। खाना खाने के बाद आशाराम छत पर सोने चले गए। मंगलवार की

**पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने किया खुलासा**

सुबह जब रामनाथ पहुंचा तो छत पर उसके पिता आशाराम मृत पड़े थे। उनके सिर पर गंभीर चोट थी और फर्श पर खून फैला हुआ था। रामनाथ ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि जब सोमवार की रात खाना लेकर गया था तो सामने सड़क पर अज्जी और शहजादे व तीन अन्य तीन लोग टहल रहे थे। एक माह पहले इन्ही लोगों से खेत में बकरी जाने को लेकर विवाद हुआ था और जान से मारने की धमकी दी थी। यही लोग मिल कर मेरे पिता को मार डाला। रामनाथ की तहरीर पर पुलिस ने अज्जी उर्फ मो अजीज पुत्र मो हनीफ और शहजादे पुत्र मो बशीर सहित पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने बुधवार को नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो बताया कि खेत में बकरी जाने पर उन लोगों को काफी बेइज्जत किया था। जिसका बदला आशाराम को मार कर ले लिया गया। बृहस्पतिवार को पुलिस ने लिखा पढ़ी कर दोनों आरोपियों को कोर्ट में भेजा। जहां से उनकों जेल भेज दिया गया।

## दम्पति के बीच झगडे में बीच बचाव पर भाई और भाभी को पिटाई

मऊआइमा प्रयागराज। दम्पति के बीच झगडे में बीच बचाव करने पर पत्नी के भाई और भाभी को पीटा गया। महिला ने अपने पति और ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम अलावलपुर निवासी शिवकुमारी पत्नी महेंद्र कुमार का आरोप है कि पति उसे अनायास मारते पीटते है।इसी के बाबत उसके भाई विजय कुमार और भाभी उर्मिला समझाने आए थे। जिसपर दम्पति भिड गए।बीच बचाव पर शिवकुमारी के भाई और भाई को पीटा गया।शिव कुमारी ने मऊआइमा थाने में अपने पति महेंद्र कुमार,ससुर राम-लखन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

# भारत सरकार ने एफसीओ के तहत इफको नैनो जिंक तरल एवं इफको नैनो कॉपर तरल को किया अधिसूचित

फूलपुर ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह के लक्ष्य सहकार से समृद्धि, आत्मनिर्भर कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत प्राप्त करने के उद्देश्य से इफको प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी के नेतृत्व में इफको की नैनो तकनीकी से तैयार इफको नैनो जिंक (तरल) और इफको नैनो कॉपर (तरल) को भारत सरकार ने फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर (एफसीओ) के तहत अधिसूचित किया है। पहले ही नैनो यूरिया एवं नैनो यूरिया प्लस को अधिसूचित किया जा चुका है। इन उत्पादों को तीन साल के लिए अधिसूचित किया गया है, जिससे इफको के चार तरल उर्वरक उत्पाद किसानों को उपलब्ध हो सकेंगे। जिंक और कॉपर सूक्ष्म पोषक की श्रेणी में आने वाले उर्वरक हैं। फसलों में जिंक मिलाने से न केवल फसल का पोषण मूल्य बढ़ता है, बल्कि फसल की पैदावार, सूखे और बीमारी जैसे पर्यावरणीय खतरों के प्रति फसल की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। उपज बढ़ने से किसानों की आय में वृद्धि होती है। तांबा पौधों में कुछ एंजाइमों को

सक्रिय करता है, यह प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया में भी आवश्यक है, पौधों के श्वसन में आवश्यक है और पौधों में कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन के चयापचय में सहायता करता है। यह उत्पाद किसान,मिट्टी तथा पौधों के हित में है। यह जानकारी वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने दी। इस पर इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज यूनियन के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विनय यादव ने हर्ष व्यक्त किया।

## दो शराबियों में चाकूबाजी एक की हालत नाजुक एक फरार

मऊआइमा प्रयागराज। मऊ आइमा थाना क्षेत्र में गुरुवार को शाम के समय हरखपुर चौराहे पर अंडा की दुकान लगाने वाले हीरालाल यादव 20वर्ष पुत्र हुबलाल और लालू प्रसाद यादव 32वर्ष पुत्र जेठू के बीच कहासुनी हुई। बताया गया है कि लालू प्रसाद यादव ने गालियां दी और मार पीट होने लगी।जिसपर हीरालाल यादव ने चाकू से लालू प्रसाद यादव पर प्रहार कर दिया। मामूली घाव होने के कारण लालू प्रसाद यादव भाग निकला। बताया गया है कि हीरालाल यादव ने अपने को ही चाकू मार ली। जिससे वह चौराहे पर तडपता रहा।बाद में सूचना पर पहुंची पुलिस ने नाजुक हालत में हीरालाल यादव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस फरार लालू प्रसाद यादव की तलाश में जुटी हुई है।इस घटना से हरखपुर चौराहे पर सनसनी फैल गई है।

# जूड़ापुर दांदू में संचारी रोग नियंत्रण अभियान प्रगति की ओर

सोरांव प्रयागराज जनमानस के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए शासन की मंशा अनुरूप कई अहम कदम उठाए गए हैं जिसे लेकर विकासखंड सोरांव के ग्राम पंचायत जूड़ा पुर दांदू की ग्राम प्रधान सरोज मिश्रा के दिशा निर्देशन में प्रधान प्रतिनिधि व समाजसेवी चंचल मिश्रा द्वारा बीमारी मुक्त को लेकर संचारी रोग उन्मूलन अभियान चलाया गया जानकारी के अनुसार संचारी रोग नियंत्रण अभियान को दृष्टिगत रखते हुए सही तरीके से अभियान चलाया जाए तो आम जनमानस में तमाम तरह की बीमारियों का ग्राफ सामान्य स्थिति में पहुंचकर एक खुशहाल जीवन जीने का सही तरीका माना जाएगा बता दें कि आम जनमानस के जीवन में कई तरह की बीमारियां बैक्टीरिया की वजह से पनप कर लोगों को ग्रसित करती है जिनमें व्यक्तिगत स्वच्छता का अहम भूमिका माना जाएगा परंतु व्यक्तिगत स्वच्छता में शुद्ध पेयजल खुले में शौच न जाना साबुन से हाथ को अच्छी तरह से साफ करना शुद्ध खान-पान इत्यादि संचारी रोग का बचाव एवं नियंत्रण के मूल मंत्र होंगे संचारी रोग एक ऐसा रोग है जिसके द्वारा उसके

संक्रमण से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलते हैं उदाहरण के तौर पर डेंगू डायरिया चिकनगुनिया टाइफाइड इत्यादि जिससे बचाव एवं नियंत्रण हेतु मच्छरों का विशेष रूप से रोकथाम की जानी चाहिए सूत्रों की माने तो संचारी रोग से बचाव हेतु लगभग तेरह विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है जिनमें पंचायती राज शिक्षा राजस्व नगर निकाय के साथ- साथ प्रमुखता की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई है कि संचारी रोग के लिए सबसे बड़ा मुद्दा मच्छरों का कहा जाएगा इसी क्रम में दूषित पानी नालियों का चोक होना कूडो.का ढेर तो खुद व खुद संचारी रोग का गवाह खड़ा है जहां उपरोक्त संबंधित विभागों द्वारा दवा का छिड़काव शुद्ध पेयजल विशेष साफ सफाई अभियान के बारे में कुछ कहना दफा सरपट ही चरितार्थ होगा जहां शासन की मंशा को संचारी रोग नियंत्रण हेतु उपरोक्त बिंदुओं पर कई विभागों द्वारा जो अभियान शुरू किया गया है उस पर नियंत्रण का प्रभाव कितना खरा और कितना खोटा उतरेगा इस बात को समय ही बयां करेगा गौरतलब है कि संचारी रोग उन्मूलन को लेकर ग्राम पंचायत जूड़ा पुर दांदू के प्रधान प्रतिनिधि व समाजसेवी द्वारा बीमारी मुक्त को लेकर जो संकल्प लिया गया है उनका संकल्प तो संचारी रोग के लिए रामबाण है और आम जनमानस के लिए वरदान इसी तरह का संकल्प एक व्यक्ति के लिए जाने से संचारी रोग का उन्मूलन कतई संभव नहीं है जब तक कि आम जनमानस के हर व्यक्ति से लेकर उत्तरदाई विभागों द्वारा संकल्प लेकर ही संचारी रोग की तरफ उनका सकारात्मक ध्यान आकर्षित नहीं होगा संचारी रोग उन्मूलन को लेकर जलवायु परिवर्तन कई तरीकों से स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है जिसे लेकर भी ध्यान आकर्षित किया जाना चाहिए

# सांसद ओवैसी पर फायरिंग के आरोपी सचिन व शुभम की सशर्त जमानत मंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर मेरठ दिल्ली हाई वे टोल प्लाजा के समीप फाइरिंग कर जानलेवा हमले के आरोपी सचिन शर्मा व शुभम गुज्जर की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है।और व्यक्तिगत मुचलके व दो प्रतिभूति लेकर रिहा करने का आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने दिया है।हापुड़ के थाना पिलखुवा में 3फरवरी 22को दो नामजद अभियुक्तों के खिलाफ फायरिंग करने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई गई।विवेचना के दौरान सी सी टी वी फुटेज के आधार पर याची को गिरफ्तार किया गया।वह 4फरवरी 22से जेल में बंद हैं।इससे पहले सह अभियुक्त आलिम की जमानत मंजूर हो चुकी थी।याची की भी पैरिटी के आधार पर 12जुलाई 22को जमानत मंजूर कर ली गई थी।जिसको सुप्रीम कोर्ट में एस एल पी दाखिल कर पीड़ित सांसद ने चुनौती दी।कहा याचीगण ने जमानत का दुरूपयोग किया है। उन्होंने मीडिया में बयान दिया है। जिससे पीड़ित सांसद को धमकी

**कोर्ट ने कहा घटना में संलिप्तता के साक्ष्यों के लिंक कमजोर**

दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत निरस्त कर दी और हाईकोर्ट को फिर से विचार कर जमानत पर नये सिरे से फैसला लेने का आदेश दिया।

याची का कहना था कि वह नामित अभियुक्त नहीं है।फुटेज की समीक्षा में उसको संदिग्ध मान गिरफ्तार किया गया है।कोई भी स्वतंत्र गवाह नहीं है।सांसद के साथ दो लोग कार में सवार थे। उन्होंने भी शिनाख्त नहीं की।केवल अपराध स्वीकार करने के आधार पर फंसाया गया है। फायरिंग में किसी को भी चोट नहीं लगी है।कुल 60गवाहो में से अभी तक केवल तीन गवाहों का ही परीक्षण किया जा सका है। उनके खिलाफ घटना में लिप्त होने के सबूत कमजोर है।जिसका कोई लिंक नहीं है।

कोर्ट ने कहा टी वी इंटरव्यू से वास्तविक धमकी का आभास नहीं होता। इसलिए याची जमानत पाने का हकदार हैं।और सशर्त जमानत मंजूर कर ली है।

## बीईओ की पत्नी ने की खुदकुशी नहीं मिला सुसाइड नोट

प्रयागराज। मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र के सालीगंज में गुरूवार की सुबह खंड शिक्षा अधिकारी की ४३ वर्षीय पत्नी का कमरे में फांसी के फंदे पर लटकता हुआ शव मिला। परिजनों ने देखा तो उनके होश उड़ गये।जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुट्ठीगंज पुलिस के मुताबिक महिला के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन आत्महत्या की वजह नहीं बता सके।

मुट्ठीगंज के सालीगंज कल्लू कचौड़ी चौराहे के पास रहने वाले अमरदीप जायसवाल जौनपुर जनपद में बतौर खंड शिक्षाधिकारी (बीईओ) के पद पर कार्यरत हैं। यहां पर उनकी ४३ वर्षीय पत्नी आंचल, १४ वर्षीय बेटी अंशिका, १२ वर्षीय बेटा और माता-पिता रहते हैं। गुरूवार की उनकी पत्नी आंचल मकान के पहली मंजिल में बने कमरे पर दुपट्टे के सहारे लटक गयी। सुबह परिजनों ने देखा तो उनके होश उड़ गये। सूचना पर मुट्ठीगंज पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ पहुंचकर जांच की। पुलिस के मुताबिक महिला के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने परिजनों से पूछताछ की है। चर्चा रही की घरेलू कलह के चलते महिला से ऐसा कदम उठाया है। हालांकि परिजन कुछ बोलने को तैयार नहीं थे। मुट्ठीगंज थाना प्रभारी ने बताया कि गुरूवार को एक महिला ने आत्महत्या कर ली है। महिला के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन आत्महत्या की वजह नहीं बता सके। जांच की जा रही है।

**चौथे दिन बिके पांच फार्म, कुल 35 नामांकन पत्रों की हुई बिक्री**

भदोही। भदोही लोकसभा सीट से नामांकन पत्रों कीबिक्री और नामांकन का गुरुवार को चैथा दिन रहा। चैथे दिन कुल पांच प्रत्याशियों ने पर्चा खरीदा। नामांकन की अंतिम तारीख छह मई है। जबकि पांच मई को रविवार की छुट्टी पड़ रही है। ऐसे में तीन, चार मई के बाद छह मई को मिलाकर तीन दिन ही अब नामांकन के लिए मिलेंगे। नामांकन के चैथे दिन ओम प्रकाश द्वारा ज्ञानचंद्र मिश्र के लिए तीन सेट, भारतीय रिपब्लिक पार्टी (इंसान) से ललिता देवी द्वारा स्वयं के लिए एक सेट, निर्दल प्रत्याशियों के क्रम में कृष्ण कुमार यादव द्वारा एक, मुलायम सिंह यादव द्वारा एक व राम सुंदर राय द्वारा एक सेट नामांकन पत्र लिया गया।

# ई-रिक्शा चालक सहित दो की सड़क हादसे में मौत

प्रयागराज। नगर में गुरूवार को सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक सहित दो की मौत हो गयी। ई-रिक्शा चालक को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारी जबकि बालसन चौराहे के पास युवक को ट्रक ने कुचल दिया। जार्जटाउन एवं दारागंज थाने की पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पहली घटना संगम क्षेत्र में हरिहरगंगा आरती के पास गुरूवार की सुबह एक अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दिया। हादसे में ई-रिक्शा चालक गंभीर रुप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं ई-रिक्शा में बैठे दो अन्य लोगों को मामूली चोटे आयी हैं। चालक की मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। नैनी के डांडी निवासी ५२ वर्षीय संजय विश्वकर्मा पुत्र स्व. रमानाथ विश्वकर्मा ई-रिक्शा चालक था। वह सुबह ई-रिक्शा लेकर संगम गया था। हरिहरगंगा आरती के पास ढाल पर बेकाबू अज्ञात कार ने जोरदार टक्कर मार दिया।

**बालसन चौराहे एवं संगम के पास हुई घटनाएं, ई-रिक्शा में अज्ञात वाहन एवं युवक को ट्रक ने मारी टक्कर**

हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार हो यगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ई-रिक्शा चालक को अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ई-रिक्शा पर बैठे दो लोगों को मामूली चोटे आयी हैं। हादसे की खबर पाकर मृतक की पत्नी गायत्री और दो बेटे रोते बिलखते पहुंच गये। दारागंज थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौत हुई है। अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कारवाई की जा रही है।

दूसरी घटना जार्जटाउन थाना क्षेत्र स्थित बालसन चौराहे के पास गुरूवार की दोपहर बाद लगभग ४५ वर्षीय एक युवक को ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में वह गंभीर रुप से घायल हो गया। मौके पर आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि उसके पास से एक आधार कार्ड मिला है। जिसमें रामयश यादव सेखपुर दयाल का पुरवा विकास सुल्तानपुर लिखा है। पुलिस मिले कागजात से उसके परिजनों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

# वाईएमसीए में त्रिदिवसीय गणित कार्यक्रम का समापन

इलाहाबाद। वाई0एम0सी0ए0 सेन्टेनरी स्कूल एवं कॉलेज में 30 अप्रैल से 2 मई तक त्रिदिवसीय गणित कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम साक्षरता और संख्यात्मकता कौशल (एफएलएन) गतिविधि के रूप में आयोजित किया गया था। गणित हमें दैनिक जीवन से निपटने के लिए सशक्त बनाता है तथा तार्किक ज्ञान और समस्याओं से प्रभावी ढंग से सटीकता से निपटने की क्षमता भी हमें गणित से प्राप्त होती है।

कार्यक्रम में कक्षा दूसरी से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने संख्या और आकृतियों के माध्यम से छोटे-छोटे दृश्य प्रस्तुत किये। गणित विषय को लेकर कविताएँ, गीत और नृत्य प्रस्तुत किये गये। साथ ही गणित के महत्व को भाषण विभिन्न सूत्रों की प्रस्तुति व नाटक (गणित में शून्य का मूल्य और प्रभाव) के माध्यम से दशार्या गया तथा कक्षा और के लिए गणित प्रश्नोत्तरी और ग्राफ पर प्रस्तुति कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण थे।

कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्या रीमा मसीह ने भाषण से हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने छात्रों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें इस तरह के जानकारी पूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बधाई दी, जिसमें उन्होंने गणित के महत्व को बताते हुए कहा कि गणित वास्तव में जादुई हो सकता है।

1 मई को वाई0एम0सी0ए0 सेन्टेनरी स्कूल एवं कॉलेज ने अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया और चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को स्मृति चिन्ह देकर उनके कार्यो के लिए धन्यवाद दिया। जो संस्थान के स्तभं है और जिनके बिना संस्थान का कार्य असंभव है। उसी दिन सिल्वर जोन इंटनेशनल

ओलंपियार्ड 2023 .24 के लिए पदक दिये गये। सकीना बतूल रिजवी - कक्षा (समाजिक विज्ञान) ने समाजिक विज्ञान ओलंपियार्ड में राज्य स्तर पर दूसरा स्थान, जोनल स्तर पर दूसरा स्थान और अंतराष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त किया और रजत पदक प्राप्त किया। आरना श्रीवास्तव - (विज्ञान) ने विज्ञान आलंपियार्ड में राज्य स्तर पर प्रथम स्थान, जोनल स्तर पर तीसरा स्थान और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 98वां स्थान प्राप्त किया और कांस्य पदक प्राप्त किया।

# दिन में दो बार पशुओं को कराएं स्नान, मिलेगा गर्मी से आराम

**◻ जिलाधिकारी विशाल सिंह ने जनपदवासियों से की अपील**

भदोही। जिलाधिकारी विशाल सिंह ने बताया कि दिन-प्रतिदिन गर्मी तेजी से बढ़ रही है, इसलिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गर्मी बढ़ने पर शरीर में पानी की कमी हो सकती है। पानी शरीर का एक महत्वपूर्ण तत्व है। शरीर में 65 प्रतिशत के करीब पानी होता है। शरीर के खून में 80 प्रतिशत पानी होता है। अत: शरीर में पानी की कमी होने पर शरीर की क्रियाएं शिथिल पड़ जाती हैं। अत्यधिक कमजोरी महसूस होती है। भूख में कमी आती है। दुधारू पशुओं का दूध कम हो जाता है। गाभिन पशुओं में गर्भपात हो जाता है। पशुओं में स्ट्रेस स्तर बढ़ता है, जिससे प्रतिरोधक क्षमता में कमी आती है। पशु- पक्षियों को बुखार हो जाता है। समय पर पानी की पूर्ति न होने पर पशु निढाल हो जाता है और मृत्यु भी हो सकती है। इसलिए गर्मी से बचाव की व्यवस्था करना बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदु है।

उन्होंने कहा कि गर्मी के समय आपको क्या सावधानी रखनी है, यह प्रत्येक पशुपालक और आम व्यक्ति को जानना चाहिए। तमाम ऐसे पशु हैं जो निराश्रित हैं, उनके प्रति भी आपको दया का भाव रखना है। उनके लिए भी व्यवस्था करनी है। उनके लिए आप घर के बाहर पानी की व्यवस्था कर सकते हैं। पक्षियों के लिए छत पर पानी की व्यवस्था कर सकते हैं। जो भी पानी रखें, उसको आप समय-समय पर बदलते रहें। पानी को छायादार स्थान पर ही रखें। गर्म पानी पशु-पक्षियों को नुकसान कर सकता है। यदि पशु-पक्षी बहुत हॉफ रहे हो, कमजोरी और थकान महसूस कर रहे हों, मुंह से लार टपक रही हो, उसके हृदय की गति बढ़ गई हो और वह निढाल पड़ गया हो तो यह लक्षण गर्मी से होने वाले हीट स्ट्रेस के हो सकते है।

ऐसे में तत्काल नजदीकी पशु चिकित्सा अधिकारी से संपर्क करें और इलाज कराए। आपात कालीन स्थिति में 1962 पर कॉल करके पशु चिकित्सकों को द्वार पर भी बुला सकते हैं। भार ढोने वाले या काम करने वाले पशुओं को गर्मी के समय 12 बजे से 3 तक अवश्य आराम दें। 37 डिग्री से अधिक तापमान होने पर इन नियमों का पालन अवश्य करें, अन्यथा पशुओं के प्रति क्रूरता का अपराध माना जाएगा। अपने पालतू पशुओं को दिन में दो बार जरूर नहलाएं। उन्हें छायादार स्थान पर ही रखें। गर्म हवा के सीधे संपर्क में आने से रोकने के लिए पर्दे लगाएं।

टीन शेड के घर बने हों तो उस पर घास, पुआल आदि डालें, जिससे छत गर्म न हो। पालतू पशुओं को नियमित रूप से नमक संतुलित - पशु आहार मिनरल मिक्सर दें। इससे दुधारू पशुओं के दूध में कमी नहीं आएगी। पशुओं में स्ट्रेस नहीं होगा। स्ट्रेस आने से प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ जाती है और विभिन्न प्रकार की बीमारियां होती हैं।

जन सामान्य से अनुरोध है कि पशुओं के प्रति दया का भाव रखते हुए गर्मी और लू से बचाने के लिए उपरोक्त बताए गए उपायों को खुद करें और अन्य व्यक्तियों को जागरूक कर प्रेरित करें। गो आश्रय स्थलों में संरक्षित निराश्रित गोवंशों के लिए जनपदवासियों से अपील है कि गो आश्रय स्थलों के लिए अधिक से अधिक भूसा दान करें, अधिक भूसा दान दाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया जाएगा।

## बीच राह मोमबत्ती जलाकर जुआ खेलते हैं लोग

गोपीगंज( भदोही)। गोपीगंज पुलिस चैकी क्षेत्र के खड़हट्टी मोहाल के ठीक पीछे गली में रोजाना देर रात तक जुआरियों की पौ बारह रहती है। हालत यह हो गई है कि गली में ही मोमबत्ती जलाकर जुआरी ताश का पत्ता फेंटते रहते हैं। आने-जाने के दौरान यदि कोई राहगीर कुछ बोल दे तो जुआरी मारपीट पर उतारू हो जाते हैं।

वहीं रात के समय में सुनसान होने के कारण महिलाएं, बच्चे इस गली से आने-जाने में कतराते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वह लोग जुआ खेलने से मना करते हैं तो यह जुआरी घरों पर ईंट-पत्थर फेंककर गाली-गलौच भी करते हैं।

## स्नातक की कक्षाओं में प्रवेश शुरू

औराई( भदोही)। केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय औराई की प्राचार्या प्रो. आकांक्षा त्रिपाठी ने बताया कि बीए एवं बीएस-सी प्रथम सेमेस्टर का प्रवेश शुरू हो गया है। आवेदन फार्म दो मई यानी आज से से महाविद्यालय की वेबसाइट .ाचउहकबंनतंप .ब .पद पर ऑनलाइन भरा जा रहा है। प्रवेश के लिए इच्छुक छात्राएं शुल्क रू050 जमाकर अपना आवेदन फॉर्म आनलाइन भरें और उसकी एक हार्ड कॉपी अपने पास रखें। महाविद्यालय से मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद उनको मैसेज के माध्यम से प्रवेश के लिए सूचना दी जाएगी।

# प्रतिनिधियों की अकर्मण्यता से पिछड़ा कालीन उद्योग : अंसारी

भदोही। सीईपीसी चुनाव प्रत्याशी रवि पटौदिया, विनय कपूर, संजय गुप्ता ग्रुप से जुड़कर पहली बार सीओए पद के लिए चुनाव लड़ रहे जाबिर बाबू अंसारी ने कहा कि हमारी चुनाव लड़ने की इच्छा इसलिए प्रकट हुई कि पूर्व के पदाधिकारियों ने उद्योग हित में कुछ नहीं किया, जिसकी वजह से आज उद्योग पिछड़ गया है। हमारी टीम का चुनाव लड़ने का उद्देश्य सीईपीसी के माध्यम से उद्योग को आगे ले जाना है। खास यह कि सीओए को सीईपीसी से मिलने वाले सुविधाओं को हमारी टीम न लेते हुए उसे भी उद्योग हित में, खासकर छोटे-मझोले निर्यातकों को कालीन मेले के लिए स्टाल बुकिंग में विशेष सब्सिडी देने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि, हमारी टीम की चुनावी घोषणा है कि मार्ट में 2500 रुपये प्रति स्क्वायर मीटर की दर से स्टाल दिया जाएगा। उद्योग की समस्या समाधान के लिए प्रतिनिधि मंडल लगातार रणनीति बनाकर शासन में संबंधित विभाग के मंत्री, प्रमुख सचिव व वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट करेंगे। पिछड़ते कालीन उद्योग को पटरी पर लाकर व विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा बनी रहे, इसके लिए मुख्य रुप से कार्य किया जाएगा।प्रत्याशी जाबिर बाबू ने सभी मतदाता निर्यातकों से आग्रह किया कि अब हमारी टीम को एक अवसर दें, हमारी टीम सभी चुनावी वादों को पूरा करेगी।

# जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट आयोग की दिशा निर्देश के क्रम में मतदान के दिन अपने सेक्टर के पोलिंग स्टेशनों का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करें। निर्वाचन की आप एक महत्वपूर्ण कड़ी है

### मास्टर ट्रेनर द्वारा किया गया प्रशिक्षित

आपकी एक छोटी सी गलती बड़ा परिणाम दे सकती है। यह बातें मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा ने प्रशिक्षण के दौरान कही।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जनपद में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं सकुशल सम्पन्न कराने हेतु जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी प्रतापगढ़/प्रभारी अधिकारी मतदान कार्मिक नवनीत सेहारा के नेतृत्व में दो पालियों में जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों की प्रशिक्षण कार्यशाला अफीम कोठी सभागार में प्रारम्भ हुई। प्रशिक्षण कार्यशाला को सम्बोधित करते



दो दिवसीय प्रशिक्षण में बोलते अधिकारी

हुए नवनीत सेहरा, मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि यह प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है, सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट पूरी गम्भीरता से इस प्रशिक्षण को प्राप्त करें, जो भी जिज्ञासाएं है उसका समाधान यहीं पर कर लें। बूथ के 200 मीटर परिधि में किसी भी पार्टी की प्रचार सामग्री नहीं रहेगी ना ही किसी का कार्यालय रहेगा। जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने सेक्टर एवं जॉन के बारे में विस्तृत जानकारी रखें संबंधित थानों के फोन नंबर अपने पास सुरक्षित कर लें जिससे चुनाव के दिन संपर्क स्थापित करने में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो। इस बार चुनाव में एमपीएस ऐप का आपको प्रयोग करना है जिसका मतलब है मतदाता प्रतिशत संकलन। प्रशिक्षण में सुपर मास्टर ट्रेनर्स के रूप में डा0 विन्ध्याचल सिंह, डा0 मोहम्मद अनीस एवं एआरपी धर्मेन्द्र ओझा रहे तथा टेक्निकल मास्टर ट्रेनर के रूप में अशोक शुक्ला एवं नसीमुद्दीन रहे। इस प्रशिक्षण में सामान्य प्रशिक्षण एवं ईवीएम सम्बन्धित प्रशिक्षण साथी साथ विशेष निर्देश जोनल और सेक्टर को दिए गए जैसे पोलिंग रवानगी के दिन सुबह 8 :00 बजे पहुंचना है, अपनी पार्टियों से संबंधित स्थापत्य करके उन्हें निर्धारित वाहनों में उनके मतदान केद्रो पर रवाना करना है। शाम को उनकी उपस्थिति लेनी है, सुबह 5 :30 बजे मॉक पोल में मतदान केंद्र पर उपस्थित रहना है।

इस अवसर पर त्रिभुवन विश्वकर्मा अपर जिलाधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतापगढ़, जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद, उप निदेशक एवं प्राचार्य उपनिदेशक अफीम कोठी मंजू वर्मा, जिला विद्यालय/उप शिक्षा निदेशक निरीक्षक सरदार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य डा0 विन्ध्याचल सिंह, सहित राहुल शर्मा, जेपी चैधरी, नीरज मिश्रा और प्रशिक्षु कार्मिक उपस्थित रहे।

## बच्चा बैंक ने दूसरे दिन भी अग्नि पीड़ितों को राहत सामाग्री पहुंचाई

प्रतापगढ़। खजुरनी गांव में भीषण अग्निकांड की भेंट चढ़े बोधी पांडेय का पुरवा गांव के पीड़ितों की मदद को बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप तत्पर है। दूसरे दिन गुरुवार को भी राहत सामाग्री पीड़ित परिवारों को पहुंचाई गई। ग्रुप के फ्री स्टडी सेंटर पर सहयोगी अश्विनी केसरवानी की तरफ से दाल, चावल, आटा, मसाले और पहनने के लिए कपड़े का इंतजाम किया गया। उस सामाग्री को सेंटर के प्रिंसिपल शनि ने अग्नि पीड़ितों के घर पहुंचाया। शनि ने बताया ग्रुप के सहयोगी मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ फिजिशियन डाक्टर मनोज खत्री की तरफ से खाद्य पदार्थ और कपड़े इत्यादि शुक्रवार को पीड़ित परिवारों को भेजा जायेगा। बता दें कि बुधवार को भी बच्चा बैंक के छात्रों ने राहत सामाग्री के साथ घर बनाने का सामान भी भेजा था। पीड़ित परिवार बच्चा बैंक से जुड़ा हुआ है।

## जनरेटर की केबिन में आग लगने से मासूम की मौत

स्वतंत्र चेतना

पट्टी, प्रतापगढ़। बंद पड़े जनरेटर के केबिन में पांचवर्षी मासूम खेल रही थी। इसी दौरान अचानक

### सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लिया

केबिन में आग लग गई। जिसकी चपेट में आने से पांच वर्षी मासूम की आग में जलकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस पंचनामा कर शव को पीएम के लिए भेज दिया।

आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के केवटली गांव के रहने वाले राकेश चैहान की पांच वर्षीय पुत्री रूही चैहान की आग की चपेट में आने से मौत हो गई। आग लगने का कारण पता नहीं चला। बंद पड़े जनरेटर की केविन में लगी थी। जिसमें से जनरेटर का पार्ट निकाल लिया गया था। सिर्फ केविन ही बची थी जिसमें रूही अक्सर खेलने के लिए जाया करती थी। सुबह करीब साढ़े दस बजे रूही केविन में खेलने के लिए गई तो उसमें आग लग गई। जिससे केविन के अन्दर ही रूही की जलकर मौके पर ही मौत हो गई। रूही तीन भाइयों में आदर्श,अर्पित,साहिल में सबसे छोटी बहन थी।

इस घटना से परिजनो का रो रोकर बुरा हुआ है। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी पट्टी व आसपुर देवसरा के थाना अध्यक्ष सन्तोष कुमार सिंह अपने मयफोर्स के साथ पहुंचकर मौके का जायजा लिया। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। क्षेत्राधिकारी आनंद कुमार राय ने बताया कि शव पीएम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों के तरफ से कोई भी तहरीर नहीं मिली है। अगर मिलती है तो निश्चित ही कार्रवाई की जाएगी।

# जाति, धर्म, सम्प्रदाय से उठकर एकजुट होकर करें मतदान : एसपी पटेल

## रानीगंज विधान सभा में कार्यालय का हुआ उद्घाटन

रानीगंज कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन करते एसपी पटेल

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। लोकसभा चुनाव को देखते हुए दिन बृहस्पतिवार को इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी शिवपाल सिंह पटेल ने रानीगंज विधानसभा में कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस चुनाव में जाति, धर्म संप्रदाय से ऊपर उठकर जनपद के विकास व उत्थान के लिए एकजुट होकर मतदान करना है तथा हमें आपस में लड़ाने वाले मठाधीशों को अपने वोट के दम पर जवाब देने का सही अवसर यही है।

समाजवादी पार्टी ने जहां एक ओर बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराया वही जन सामान्य की समस्याओं को देखते हुए निरंतर उसके समाधान के लिए काम किया है। समाजवादी पार्टी की सरकार जाने के बाद से विकास पूरी तरह से अवरोध हो चुका है, बस जुमलेबाजी के दम पर जन सामान्य को बरगलाने का काम होता रहा है। इस मौके पर सुशील सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में हम लोगों को निकल कर 25 जून को इंडिया गठबंधन को वोट देना है इस मौके पर समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष आशुतोष पांडे, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रानीगंज डॉक्टर शेर बहादुर यादव, गुलफाम खान, रानीगंज विधानसभा अध्यक्ष शेर बहादुर यादव, उमंग यादव, सुरेश यादव, डॉ महेंद्र दुबे, प्रदेश सचिव कांग्रेस बृजेन्द्र मिश्र, सुभाष चन्द्र बिन्द, रानीगंज नगर अध्यक्ष भईया राम यादव, शिवशंकर सरोज (पूर्व सभासद), विपिन बिन्द आदि लोग मौजूद रहे।

## सभी व्यापारी 20 व 25 मई को अपने प्रतिष्ठान रखेंगे बंद : राजेन्द्र केसरवानी

प्रतापगढ़। उ0प्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल प्रतापगढ़ के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार केसरवानी ने बताया कि अधिकारियों द्वारा 20 मई व 25 मई को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के कारण सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान दोनों दिन बंद रहेंगे। इस दिन समस्त व्यापारीगण अपने मतों का प्रयोग करें। सहायक श्रमायुक्त ने व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष से अपेक्षा की है कि वे भी अपने स्तर से व्यापारियों को इस पुनीत कार्य में सहयोग कराने का कष्ट करें। इस पर जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार केसरवानी ने नगर से लेकर ग्रामीण अंचल की सभी तहसीलों एवं बाजारों के समस्त पदाधिकारियों से अनुरोध किया है कि 20 व 25 मई को मतदान के दिन सभी क्षेत्रों में अवकाश घोषित रखें।

## अचेत अवस्था में पड़े मिले प्रेमी युगल जोड़ी, प्रेमिका की हुई मौत

परियावां, प्रतापगढ़। संग्रामगढ थाना क्षेत्र के नेवादा पेट्रोल पंप के पास बुधवार की रात प्रेमी युगल जोड़ी अचेत अवस्था में पड़े हुए थे राहगीरों द्वारा संग्रामगढ़ पुलिस व परिजनों को सूचना दी गई संग्रामगढ़ अशोक गांव की लड़की के पिता व अशोगी गांव के कैथा गांव के लड़के के माता-पिता मौके पर पहुंचे दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया लड़की की तबीयत नाजुक देखकर डाक्टरों ने जिला अस्पताल रिफर कर दिया इलाज के बाद लड़की को घर लाया गया, जहां लड़की की मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरके पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया प्रेमी को परिजन लोग घर ले गये। थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार भदौरिया ने बताया कि मामले की सूचना मिली थी अभी तक तहरीर नहीं मिली जो भी हो, विधिक कार्रवाई की जा रही है।

## अवैध गांजा के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार, इलैक्ट्रॉनिक कांटा बरामद

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में जनपद के थाना लालगंज के उ0नि0 दीपक कुमार यादव मय हमराह उ0नि0 प्रशान्त दुबे, का0 छत्रपाल, म0का0 प्रान्जली यादव, म0का0 कविता द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान थानाक्षेत्र लालगंज के ग्राम शीतलमऊ के पास एक व्यक्ति शाबिर अली पुत्र स्व0 मुनीर अली निवासी ग्राम शीतलमऊ थाना लालगंज, जनपद प्रतापगढ़ को 01 किलो 750 ग्राम अवैध गांजा, एक अदद इलैक्ट्रॉनिक कांटा एवं गाजा बिक्री के 5480 रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में थाना लालगंज में मु0अ0सं0 158/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया है। उधर क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में जनपद के थाना लालगंज के उ0नि0 कबीरदास मय हमराह का0 सोनवीर द्वारा देखभाल क्षेत्र/ तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान थाना क्षेत्र लालगंज के जलेशरगंज हनुमान मन्दिर गली के पास 01 व्यक्ति कृष्ण कुमार चैरसिया पुत्र भगौती प्रसाद चैरसिया निवासी ग्राम धारुपुर जलेशरगंज थाना लालगंज, जनपद प्रतापगढ़ को 01 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा एवं गाजा बिक्री के 7550 रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में थाना लालगंज में मु0अ0सं0 159/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया है।

# 251 सुहागिनों ने पीली साड़ी पहनकर की मां अवसान देवी की पूजा

अवसान माता की पूजा अर्चना करती सुहागिनें

### बेल्हा देवी मंदिर परिसर में सामूहिक दुरदुरिया में उमड़ी भीड़

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय युवा क्षत्रिय महासभा की ओर से शहर के बेल्हा देवी मंदिर परिसर में सामूहिक दुरदुरिया की पूजा अर्चना विधि विधान से की गई। उसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम की आयोजिका महिला सभा की मुखिया रीता सिंह सेंगर ने बताया कि गुरुवार को पूर्वान्ह आठ बजे से अपरान्ह एक बजे तक अवसान मइया की पूजा अर्चना सामूहिक रुप से की गई।

दुरदुरिया में आई सभी 251 महिलाएं (सुहागिनों) को प्रसाद व लंच पैकेट वितरित किया गया। खास बात यह रही कि सभी महिलाएं पीली साड़ी पहनकर पूजा करने आई थी। कार्यक्रम में रीता सिंह के अलावा देवमती सिंह, मनोरमा सिंह सेंगर, निशा सिंह, पूनम उमरवैश्य, सुशीला मिश्रा पूर्व सभासद, रोहित मिश्रा, सुनीता पटेल, वंदना गोयल, सेमी गोयल, गुड़िया तिवारी ने सक्रिय भागीदारी की। इसके अलावा अभिषेक सिंह सेंगर, सुमित सिंह, अजीत प्रताप सिंह उर्फ मोनू ठाकुर, प्रिंस सिंह, सोनू सिंह, आयुष मिश्रा, अमन सिंह, शिवनायक सिंह आदि ने सहयोग किया।

# छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल छात्रों को प्रभारी बीएसए ने किया सम्मानित

स्वतंत्र चेतना

पट्टी, प्रतापगढ़। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में बाबा बेलखरनाथ धाम के पूर्व माध्यमिक विद्यालय,जैतीपुर के 4 छात्रों ने जनपद में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उत्तीर्ण

### पूर्व माध्यमिक विद्यालय जैतीपुर के चार ने अपना लोहा मनवाया

छात्रों को विद्यालय परिसर में सम्मानित किया गया। लगातार दूसरे वर्ष विद्यालय के छात्रों ने परीक्षा में अपना दबदबा बनाए रखा। विधार्थी पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता प्राशिसं जिलाध्यक्ष रमा शंकर शुक्ल एंव संचालन प्रभारी प्र०अ० विमल कुमार ने किया।पूर्व माध्यमिक विद्यालय जैतीपुर बाबा बेलखरनाथ धाम में भारत सरकार के उपक्रम द्वारा स्थापित



मेधावी छात्रा को सम्मानित करते अतिथिगण

जनपद की प्रथम स्मार्ट क्लास का भव्य उद्घाटन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह के द्वारा किया गया।विशिष्ट अध्यक्ष डा० विनोद त्रिपाठी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मेधावी बच्चे वे हैं, जो अध्ययन एंव सीखने के प्रति उत्सुक होते हैं और सीखने की नई गतिविधियों पर उत्सुकता भरी नजर रखते हैं साथ ही अपने मन की बात शिक्षक से अवश्य करता है।

बता दे कि संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 2023-24 का आयोजन किया गया था। इसमें जिले के 313 विधार्थी शामिल हुए थे। परीक्षा में पूर्व मा० वि० जैतीपुर के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया! विद्यालय की छात्रा छाया एवं उत्तीर्ण छात्रों ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के लिए शिक्षकों ने विद्यालय में अतिरिक्त कक्षाओं का आयोजन किया था। अतिरिक्त कक्षा संचालन में राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त रश्मि मिश्रा ने मार्गदर्शन किया। बच्चों की तैयारी को लेकर उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रभारी प्र० अ० विमल कुमार का अहम योगदान रहा। मुख्य अतिथि प्रभारी बीएसए शिव बहादुर मौर्य ने कहा कि ह्लपढेगा भारत, बढेगा भारत एंव परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र केंद्र सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं से लाभान्वित होंगेह्व। इन छात्र-छात्राओं को आगामी चार वर्ष तक एक हजार रुपये प्रतिमाह की छात्रवृत्ति शासन द्वारा दी जाएगी।परीक्षा पास करने वाले विधार्थियो में छात्रा छाया सिंह (36), संध्या पटेल (38) आयुष पटेल (37) एंव वीर सिंह (41 रैंक) आदि के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए प्रभारी बीएसए ने सम्मानित किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान अमसौना आशा शीतला पटेल, प्राशिसं ब्लॉक मंत्री अजीत कुमार, जगदीश, विद्यालय के शिक्षक आशीष बौद्ध, लक्ष्मीशंकर प्रजापति, अहमद हसन, अभिषेक, अरविन्द कुमार, मंजू सिंह, धर्मेन्द्र गौड़, शब्बीर अहमद, प्रहलाद पटेल, प्रभात मिश्र और डा० मनोज तिवारी एआरपी आदि ने विचार ब्यक्त कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

# शॉर्ट सर्किट से लगी आग, पांच बीघे गेहूं की फसल जलकर राख

स्वतंत्र चेतना

पट्टी, प्रतापगढ़। बिजली के तार में हुए शॉर्ट सर्किट से गेहूं की खड़ी फसल

### बैंक के बगल ट्रांसफार्मर में लगी आग मचा भगदड

में आग लग गई। जिससे पांच बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। कंधई थाना क्षेत्र के धूती गांव निवासी राजमणि तिवारी के गेहूं के फसल की कटाई अभी नहीं हुई थी। खेत के ऊपर से गई हाई वोल्टेज सप्लाई के तार में शॉर्ट सर्किट होने से गुरुवार की दोपहर खेत में आग लग गई। जिससे उनकी पांच बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

आग फैल कर गांव के ग्राम सचिवालय तक पहुंच गई और सचिवालय में भी आग लग गई।इतना ही नहीं गांव के महंत लाल बनवासी का रिहायसी छप्पर जल गया। उसमें रखी गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग बुझा ली। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया वरना बड़ा नुकसान हो सकता था। उधर नगर में स्थित एसबीआई बैंक के बगल लगे ट्रांसफार्मर में सुबह अचानक आग लग गई।धू धू कर जलने लगा यह सब देख बैंक में लगी भीड़ में भगदड़ मच गई। बैंक कर्मियों ने घटना की सूचना विद्युत कर्मियों को दिया विद्युत सप्लाई बंद होने के बाद लगे ट्रांसफार्मर में आग को बुझाया गया तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। सूचना के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड कर्मी भी पहुंचे थे। लेकिन तब तक आग को बुझा दिया गया था। ट्रांसफार्मर जलने से बैंक परिसर में बिजली आपूर्ति की समस्या बनी हुई है।

### बस्ती के पास जंगल में लगी आग

पट्टी, प्रतापगढ़। आसपुर देवसरा थाना के पूरे दलपत शाह गांव में खेत में गेहूं की पराली में अज्ञात कारणों से आग लग गई और आग धीरे-धीरे ब्राह्मण बस्ती के किनारे नागेंद्र तिवारी के जंगल तक पहुंच गई, रात लगभग 10 :30 बजे जंगल में आग लगते ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया,जैसे ही लोगों ने जंगल में आग देखा हल्ला गुहार करने लगे,हल्ला गुहार सुनकर पुरेदलपत शाह व पड़ोस के धौरहरा गांव के सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने इसकी सूचना आसपुर देवसरा पुलिस को और फायर ब्रिगेड को दी,लेकिन फायर ब्रिगेड की टीम पहुंचने से पहले ग्रामीणों ने ट्यूबवेल और समर सेबल की सहायता से जंगल में लगी आग पर काबू पा लिया, जंगल की आग बुझाने के बाद लोगो ने राहत की सांस ली क्योंकि जंगल किनारे ब्राह्मण बस्ती है यदि जंगल की आग बस्ती तक पहुंच जाती तो भारी नुकसान हो सकता था,जंगल में आग लगने से ढाक, बाबुल, चिलबिल व अन्य जंगली पेड़ जलकर राख हो गए।

## संदिग्घ परिस्थितियों मे 50 कुंटल भूसा जलकर राख

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के किसुनदासर्पु गांव निवासी राकेश कुमार मिश्रा पुत्र स्वो चम्पे लाल मिश्रा भी ग्राम पंचायत रेवली मे खेत था गुरुवार को भूसे मे आग लगने की जानकारी मिली तो भागकर मौके पर पहुँचे तो देखा कि लगभग 50 कुंटल गेहूं का भूसा राख मे तब्दील होकर धू धू करके जल रहा था। अपनी आँखो के सामने जल रहे भूसे की ढेर को देखकर गला भर आया पीड़ित राकेश कुमार मिश्रा की आर्थिक स्थिति कम्जोर है ऐसे मे अचानक हुई घटना ने परिजनों को मायूस कर दिया आग लगने का कारण पता नही चल सका।

## मेडिकल कॉलेज के डाक्टरों को दिलाई गई मतदाता शपथ

प्रतापगढ़। राजा प्रताप बहादुर पुरुष अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष में सीएमएस डा सौभाग्य प्रकाश ने मेडिकल कालेज के डाक्टरों और स्टाफ को मतदाता की शपथ दिलाई। जिसमें वरिष्ठ फिजिशियन डाक्टर मनोज खत्री, आर्थो सर्जन अतुल सरोज, चर्म रोग डाक्टर आरजू मिश्रा, कैलाश नाथ, अशोक पाठक, शकीला, विजय यादव समेत स्टाफ मौजूद था।

# परियावां रेलवे स्टेशन के तीन रेलवे फाटक दे रहे दुर्घटना को दावत

स्वतंत्र चेतना

परियावां, प्रतापगढ़। एक तरफ केंद्र सरकार रेलवे लाइन पर स्पीड से चलने वाली ट्रेनों का संचालन करने के लिए

### 34सी, 35सी व 37 सी फाटक की सड़क बन गयी जानलेवा

वन्दे भारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेन का संचालन प्रयागराज लखनऊ रेलवे ट्रैक पर कर रही है तो दूसरी ओर बिना स्टापेज के एक्सप्रेस ट्रेनों का भी संचालन तेजी से कर रही है ट्रेनों के आवागमन के दौरान परियावां कालाकांकर रोड रेलवे स्टेशन से दिन रात एक्सप्रेस ट्रेन के अलावा मालगाडी सहित दर्जनों ट्रेन 34 सी आलापुर, 35 सी परियावां व 37 सी छिंदौरा रेलवे फाटक से स्पीड से बिना स्टापेज वाली एक्सप्रेस व मालगाडी पटरी पर दौड़ती है।

उक्त रेलवे फाटक की तीनों गेट पर दिन रात छोटे बड़े वाहनों का आना



रेलवे फाटक पर दुर्घटना को दावत रहे खरतनाक गड्ढे

जाना लगा रहता है रेलवे फाटक के ट्रैक को पार करने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने से जानलेवा गड्डे हो गये है जो बड़े हादसे का इंतजार कर रही है यदि समय रहते रेल विभाग के अधिकारियो ने नही चेता तो बड़ी घटना होने से इंकार नही किया जा सकता जब कि उक्त तीनों रेलवे फाटक की समस्या से समाचार पत्र के माध्यम से रेलवे चीफ पी डब्लू आई बी बी सिंह को अवगत कराया गया लेकिन अभी ट्रैक को पार करने वाली सड़क की मरम्मत नही हो सकी। स्थानीय ब्यापारियों ने रेल विभाग के डी आर एम महोदय से परियावां रेलवे स्टेशन के तीनो रेलवे फाटक की सड़क को अविलम्ब डामरी करण कराने के लिए पुर जोर मांग किया है ताकि किसी प्रकार की अनहोनी घटना रेलवे फाटक पर पार करते समय न हो सके। बता दें कि परियावां 35 सी व 34 सी आलापुर रेलवे फाटक से दिन रात छोटे बड़े वाहनों का भारी संख्या मे आना जाना लगा रहता है कभी कभी रेलवे ट्रैक पर वाहन पार करते समय बिगड़ कर खड़े हो जाते है जो किसी तरह प्रयास करके लोग रेलवे ट्रैक से बाहर करते हैं।

### आवागमन के बाद 24 घंटे बंद रहे परियावां रेलवे फाटक

परियावां, प्रतापगढ़। लखनऊ प्रयागराज रेलवे ट्रैक के परियावां रेलवे स्टेशन के रेलवे समपार संख्या 35 सी किलो मी (61/18-19) पर रेलवे आदेशानुसार वार्षिक ओवरहालिंग के दौरान (परियवन-अरखा) स्थित समपार का ट्रैक पैरा मीटर खराब हो जाने के कारण समपार मरम्मत कार्य 2 मई 24 की शाम 6 बजे से3 मई 24 की शाम यातायात पूर्ण रूप से बाधित रहेगा इस गेट से गुजरने वाले वाहनों को आने जाने के लिए गेट संख्या 34 /बी व 36/24 के रास्ते से आना जाना रहेगा सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन मौजूद रहेगी। सड़क यातायात पर कानून ब्यवस्था बनाये रखने के गेट स्थानीय नवाबगंज थाना प्रभारी को आदेश की प्रतिलिप दी गयी है ताकि रेल कार्य मे किसी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न न हो सके।

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज । शुक्रवार । 03 मई 2024 



# संपादकीय

## वैक्सीन के साइड इफेक्ट

हाल ही में कोरोना वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने स्वीकारा कि उसकी कोविशील्ड वैक्सीन के रेयर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। जिसको लेकर देश में नए सिरे से बहस शुरू हुई। विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि घबराएं नहीं, टीके से जुड़ा खतरा दस लाख में से एक व्यक्ति को होता है। वैसे देश के चुनावी माहौल के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के कोलाहल में यह तय कर पाना कठिन हो जाता है कि हवा में तैर रही खबर की तार्किकता क्या है। यह भी कि यह खबर वास्तविक है या राजनीतिक लक्ष्यों के लिये गढ़ी गई है। वहीं दूसरी ओर व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के चलते भारत के खिलाफ जो वैश्विक गुटबंदी चल रही है, कहीं आरोप इस कड़ी का हिस्सा तो नहीं है। वैसे विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कोविशील्ड वैक्सीन लेने के चार से बयालीस दिनों के भीतर टीटीएस प्रभाव हो सकता है, जो ब्लड क्लॉट बना सकता है। जिससे कालांतर प्लेटलेट्स की कमी शरीर में हो सकती है। दरअसल, वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटेन में एक अदालती सुनवाई के दौरान वैक्सीन के दुर्लभ प्रभावों की बात को माना था। कंपनी के विशेषज्ञों का कहना है कि टीटीएस दिमाग, फेफड़ों, आंत की खून की नली आदि में तो पाया गया लेकिन किसी को हार्ट अटैक की समस्या नहीं हुई। साथ ही यह भी कि कोविड संक्रमण के कारण भी ब्लड क्लॉट के मामले सामने आए हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि वैक्सीन से इम्यून सिस्टम में टी व बी सेल गतिशील होने से इम्यून प्रतिक्रिया बढ़ती है, जिसके बाद खून की नली में सूजन से ब्लड क्लॉट बनता है। जिसमें ज्यादा प्लेटलेट्स इस्तेमाल होने लगते हैं। जो कि टीटीएस की स्थिति होती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि वैक्सीन ने महामारी की घातकता को नब्बे प्रतिशत तक घटाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाई। वहीं वैक्सीन के साइड इफेक्ट छह माह के भीतर सामने आ जाते हैं, इसके उपयोग को दो साल से अधिक का समय हो चुका है।

उल्लेखनीय है सरकार ने कोरोना संकट के दौरान कोविशील्ड लेने हेतु व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया था। अब जब इसके दुष्प्रभावों को लेकर संशय पैदा हुआ है तो उसे अपने संसाधनों का इस्तेमाल करके लोगों की शंकाओं का निवारण भी करना चाहिए। सेहत से जुड़े किसी भी मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। यदि किसी तरह असुरक्षा की भावना बढ़ती है तो सरकार को तुरंत दूर करना चाहिए। नागरिकों की शंकाओं का तुरंत ही समाधान किया जाना चाहिए। पब्लिक डोमेन में कंपनी द्वारा चुनावी बांड खरीदे जाने को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। जिसके चलते लोगों के मन में कई तरह के सवाल उपजे हैं, जिनका निराकरण भी सरकार का प्राथमिक दायित्व है। हमें यह भी स्वीकारना चाहिए कि संकटकाल में इस वैक्सीन की तुरंत उपलब्धता से देश की बड़ी आबादी को सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा सका। बेहद कम समय में कोरोना से लड़ने के लिये उपलब्ध कराई गई वैक्सीन के साइड इफेक्ट से इनकार भी नहीं किया जा सकता। इस बात की आशंका भी है कि टीएसएस प्रभाव कोरोना संक्रमण के बाद भी सामने आ सकते हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि लॉकडाउन के कारण लाइफ स्टाइल बिगड़ने से लोगों की गतिशीलता में कमी, मानसिक तनाव वृद्धि से मोटापे व मधुमेह के चलते भी हृदयाघात के मामले बढ़े हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ हृदयरोग विशेषज्ञों का मानना है कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी को पहले ही बताना चाहिए कि वैक्सीन से टीटीएस जैसे साइड इफेक्ट हो सकते हैं।

जानकारी होने पर लोग अपनी प्राथमिकता की वैक्सीन ले सकते थे। वहीं यह भी तार्किक है कि कोई दवा अथवा वैक्सीन यदि असर करती है तो उसके साइड इफेक्ट भी निश्चित रूप से होते हैं। कुछ विशेषज्ञ वैक्सीन के दुष्प्रभावों के आरोपों के मूल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रही वैक्सीन राजनीति को भी बताते हैं। कुछ अमेरिकी विशेषज्ञ वैक्सीन के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिये हफ्ते में दो दिन सिर्फ एक बार खाना खाने की सलाह देते हैं, जिससे ब्लड क्लॉटिंग रोकने में मदद मिल सकती है।

# सेहत

## गर्मियों में अंडे खाते समय किन बातों का रखना चाहिए ध्यान



गर्मियां जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, लोगों की डाइट से अंडे गायब होने लगते हैं। आमतौर पर अंडों का सेवन सर्दियों में किया जाता है ताकि शरीर को गर्म रखने में मदद मिल सके। इसलिए लोग गर्म दिनों में अंडों को अपनी डाइट से हटा देते हैं। लेकिन ऐसा करना कितना सही है? गर्मियों की डाइट में अंडों को शामिल करना ठीक है या फिर इन्हें खाने से परहेज करना सही है? चलिए आपको आपके सभी सवालों के जवाब देते हैं।

न्यूट्रिशनिस्ट और कंटेंट क्रिएटर अमिता गद्रे ने अपने एक वीडियो में गर्मियों में अंडे खाने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि गर्मियों में लोगों को अपनी डाइट में अंडे शामिल करें चाहिए। इस वीडियो के साथ पोस्ट में उन्होंने लिखा, आप कैसा महसूस करते हैं, उस पर ध्यान दें, न कि उस पर जो कोई प्रभावशाली व्यक्ति आपको बताता है। गर्मियों में सबसे आम आहार संबंधी गलती है पर्याप्त पानी न पीना और विशेष रूप से सब्जियों से मिलने वाले पर्याप्त आहार फाइबर का सेवन न करना। जहां तक अंडे या किसी मांस का सवाल है, आपको पाचन में सहायता के लिए इसे हमेशा किसी न किसी रूप में सब्जियों के साथ मिलाना चाहिए।

गर्मियों में अंडे खाते समय रखें इन बातों का ध्यान

न्यूट्रिशनिस्ट और कंटेंट क्रिएटर अमिता गद्रे ने लोगों को सलाह दी कि अगर वह गर्मियों में अंडे का सेवन कर रहे हैं तो इसके साथ फाइबर से भरपूर चीजों का सेवन जरूर करें। फाइबर युक्त सब्जियां या फिर फ्रूट्स खाने से अंडे को अच्छे से पचने में मदद मिलेगी। गद्रे ने आगे बताया कि अंडे शरीर की गर्मी नहीं बढ़ाते हैं। बल्कि अंडे के साथ सब्जियां नहीं खाने की वजह से पाचन खराब हो जाता है, जिसकी वजह से कब्ज हो जाती है। अंडे के साथ फाइबर जोड़ने के लिए साबुत अनाज, सलाद, हरी सब्जियां और दालों का सेवन करें।

अंडे खाना आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। इनमें प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर के विभिन्न कार्यों के लिए आवश्यक होते हैं। इसके अलावा, अंडे में विटामिन डी की भी अच्छी मात्रा होती है, जो हड्डियों को मजबूत करने में मदद करता है। अंडे में मौजूद चोलीन नामक एक पोषक तत्व भी है, जो याददाश्त को सुधारता है और मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाता है।

# धमकी भरे आतंकी ईमेल, स्कूली आपातकाल और दहशतजदा छात्र-अभिभावक

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने इस पूरे प्रकरण पर दिल्ली के पुलिस कमिश्नर से बातकर दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में बम थ्रेट्स यानी बम की धमकी पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जो सही दिशा में उठाया हुआ एक जरुरी कदम है। इससे छात्रों-अभिभावकों में सुरक्षा का भाव मजबूत होगा।

जब पूरा देश मजदूर दिवस मनाने की तैयारियों में जुटा हुआ था, तब दिल्ली एनसीआर के छात्र-अभिभावक महज इस बात पर दहशतजदा हो गए कि एक धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद स्कूलों में आपातकाल लागू कर दिया गया और छात्रों को वापस घर ले जाने के लिए अभिभावकों में अफरातफरी मच गई। हालांकि, दिल्ली-यूपी पुलिस ने सूझ-बूझ से काम किया और फौरन 200 से ज्यादा प्रतिष्ठित स्कूलों की तलाशी ली गई। लेकिन इस दौरान जो महसूस किया गया, वह हमारे अभिजात्य वर्गीय स्कूलों और सुशिक्षित अभिभावकों की मानसिकता पर कई सवाल खड़ा करते हैं।

पहला, क्या दिल्ली-एनसीआर के हाई प्रोफाइल स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था इतनी लचर है कि वहां बम प्लांट किया जा सकता है? यदि ऐसा है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है! स्कूल प्रबंधन को स्थानीय पुलिस से तालमेल बिठाकर अपनी सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसे स्कूली आपातकाल की नौबत नहीं आए और छात्रों व उनके अभिभावकों को उन स्थितियों का सामना नहीं करना पड़े, जैसा कि गई मई दिवस के दिन देखा व महसूस किया गया। क्योंकि ऐसी अप्रत्याशित सूचनाओं से, घटनाओं से बाल मन पर जो बुरा प्रभाव पड़ता है, उससे होने वाली क्षति कल्पना से परे है और मनोवैज्ञानिक ही इसकी सटीक व्याख्या कर सकते हैं।

दूसरी, अभिजात्य अभिभावकों का भी यह कर्तव्य है कि पीटीएम में इस विषय को उठाएं और भविष्य में अपने बच्चों की सुरक्षा की गारंटी लें, भले ही इसके लिए उन्हें अतिरिक्त फीस क्यों नहीं अदा करनी पड़े। क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली से पहले बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता में बड़ी संख्या में स्कूलों पर फर्जी धमकियां भेजी जा चुकी हैं। गत वर्ष 1 दिसंबर 2023 को बेंगलुरु के 48 स्कूलों को बम होने की सूचना दी गई थी। इसी वर्ष फरवरी 2024 में चेन्नई के 13 स्कूलों को और अप्रैल 2024 में कोलकाता के स्कूलों को इस तरह की मेल भेजी गई थी। ज्यादातर मामलों में यही पता चला कि मेल विदेश से भेजे गए थे। जाहिर है कि इसके पीछे कोई संगठित गैंग काम कर रहा है, जिसका इरादा बाल मनोमस्तिष्क



को प्रभावित करना है, जो पूरी तरह से गलत है।

दूसरा, दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने इस पूरे प्रकरण पर दिल्ली के पुलिस कमिश्नर से बातकर दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में बम थ्रेट्स यानी बम की धमकी पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जो सही दिशा में उठाया हुआ एक जरुरी कदम है। इससे छात्रों-अभिभावकों में सुरक्षा का भाव मजबूत होगा। इतना ही नहीं, उपराज्यपाल सक्सेना ने दिल्ली पुलिस को स्कूल परिसर में गहन तलाशी लेने, दोषियों की पहचान करने और कोई चूक न हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, जो बहुत बड़ी बात है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय दिल्ली से 13, नई दिल्ली से 6, पूर्वी दिल्ली के 24, उत्तरपूर्वी दिल्ली से 2, दक्षिणी दिल्ली के 18, दक्षिण पूर्वी दिल्ली से 10, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली से 20, पश्चिमी दिल्ली के 21 उत्तरपश्चिमी दिल्ली से 29, उत्तरी दिल्ली से 3, बाहरी उत्तरी दिल्ली से 4, शहादरा में 22, रोहिणी से 10, द्वारिका से 24, बाहरी दिल्ली से 16 समेत कुल 222 स्कूलों को धमकी वाला ईमेल मिला। इससे स्पष्ट है कि साजिश करने वाला किसी बड़े गेमप्लान का हिस्सा है, जिसका पदार्फाश करना बहुत जरूरी है।

तीसरा, स्कूली आपातकाल प्रकरण पर दिल्ली पुलिस की जितनी तारीफ की जाए, वह कम है। क्योंकि एक साथ दिल्ली के 100 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की कॉल से जब हड़कंप मच गया, तब दिल्ली पुलिस ने एक साथ दिल्ली के सभी स्कूलों में बम स्क्वाड, डॉग स्क्वाड, स्निफर डॉग,फायर ब्रिगेड और अपनी विशेष टीमें भेज कर अपनी ततपरता का परिचय दिया। आलम यह रहा कि दिल्ली के बड़े बड़े अधिकारी यहाँ तक कि खुद दिल्ली के एलजी भी सड़कों पर उतर कर मुआयना कर रहे थे। यही वजह है कि सभी स्कूलों की कुछ ही घंटे में चेकिंग संभव हो पाई और बच्चे तथा टीचर से लेकर सभी स्कूलकर्मियों को सुरक्षित घर पहुँचाया जा सका। इससे साफ है कि दिल्ली पुलिस किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निबटने में पूरी तरह सक्षम है। यह हम सभी के लिए सुकून का विषय होना चाहिए।

चौथा, जिस तरह से दिल्ली, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के करीब 200 से ज्यादा स्कूलों में बुधवार को धमकी भरा ई मेल भेजकर यह कहा गया कि इन स्कूलों में बम प्लांट किया गया है, किसी गहरी साजिश का नतीजा है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि देशद्रोही ताकतें हमारे नौनिहालों के मन में दहशत पैदा करने की कोशिश कर हैं, या फिर कहीं पर निगाहें, कहीं पर निशाना साधने की जुर्रत कर रहे हों। यही वजह है कि स्कूलों को मिले ई-मेल की सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस समेत तमाम एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। उम्मीद है कि इसके शीघ्र ही सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में बम वाला ईमेल भेजने के लिए रूस के वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (श्ढठ) का इस्तेमाल किया गया है। पुलिस अफसरों ने बताया कि इंटरनेट तो रूसी है, लेकिन इसका इस्तेमाल दुनिया के किसी भी कोने से किया जा सकता है। इसलिए जिस डिवाइस से इसे भेजा गया है, उसके आईपी एड्रेस का भी पता लगाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को पूरे मामले की जांच सौंपी गई है। धमकी वाला ईमेल २५ु्र@ें'.१४ की आईडी से भेजा गया है। सवारीइम एक अरबी शब्द है, जिसका मतलब तलवारें टकराना है। इसे इस्लामिक स्टेट ने 2014 से इस्तेमाल करना शुरू किया था। धमकी भरा ईमेल भेजने के लिए प्रॉक्सी एड्रेस का प्रयोग हुआ।

पांचवां, बुद्धवार को जिस अफरातफरी में माता-पिता-रिश्तेदार अपने-अपने बच्चों को स्कूल से लेने के लिए पहुंचे, उसकी वजह से दिल्ली की सड़कों पर जाम जैसी स्थिति पैदा हो गई है। हालांकि तब तक जिन स्कूलों की जांच की गई, वहां कुछ भी संदिग्ध जैसा नहीं मिला। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साफ कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह फर्जी कॉल है। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां प्रोटोकॉल के मुताबिक जरूरी कदम उठा रही हैं।

छठा, जिस तरह से कई बड़े स्कूलों को धमकी भरा ई-मेल भेजा गया है, उसके मायने को समझने और पड़ताल करने की दरकार है। क्योंकि अधिकारियों ने बताया कि मयूर विहार इलाके में स्थित मदर मैरी स्कूल, द्वारका स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल, चाणक्यपुरी के संस्कृति स्कूल, वसंत कुंज के दिल्ली पब्लिक स्कूल, साकेत स्थित एमिटी स्कूल और नोएडा सेक्टर 30 में दिल्ली पब्लिक स्कूल आदि को ईमेल के जरिये परिसर में बम रखे होने की धमकी दी गई, उसका स्पष्ट मकसद है कि अर्बन नक्सली या आतंकी जैसे तत्व हमारे देश के अभिजात्य वर्ग के दिलोदिमाग में वही दहशत का भाव कायम रखना चाहते हैं, जो 2014 से पहले इस देश में व्याप्त रही है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि 2024 के आमचुनाव में नरेंद्र मोदी सरकार की विदाई के कथित आसार से देशद्रोही तत्व फिर से सिर उठाने शुरू कर दिए हों और इस रूप में उन्होंने अपना नापाक पूर्वाभ्यास किया हो। यदि ऐसा है तो देशवासियों को समझबुझकर मतदान करना चाहिए, क्योंकि अभी 2 चरण ही मतदान के हुए हैं और 5 चरण अभी बाकी हैं!

सातवां, दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक, सभी विद्यालयों को खाली करा लिया गया और स्थानीय पुलिस को ईमेल के बारे में जानकारी दे दी गई। जिसके बाद बम का पता लगाने वाली टीम, बम निरोधक दस्ता और दिल्ली दमकल सेवा के अधिकारी तुरंत दिल्ली के विद्यालयों में पहुंच गए और तलाशी अभियान चलाए। उधर, स्कूलों में बम होने की सूचना मिलने के बाद दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली के कई स्कूलों में बम होने की धमकी देने का मामला सामने आया है, जिसके बाद सम्बन्धित स्कूलों को फिलहाल खाली करा दिया गया है। पुलिस फिलहाल स्कूल के अंदर जांच कर रही है। अभी तक जिन स्कूलों की जांच हो चुकी है, वहां से कुछ भी संदेहास्पद नहीं मिला है। हम अभिभावकों से निवेदन करते हैं वो घबराएं नहीं। वहीं, दिल्ली पुलिस ने भी कहा कि, यह एक शरारत है, दहशत फैलाने के लिए इतने बड़े पैमाने पर सभी स्कूलों को एक मेल भेजा गया है। साइबर सेल यूनिट भी ईमेल और आईपी एड्रेस का पता लगाने की कोशिश कर रही है।ह्व गौरतलब है कि फरवरी में, आर के पुरम में दिल्ली पब्लिक स्कूल में इसी तरह की बम की धमकी मिली थी, जो बाद में अफवाह निकली थी। आठवां, डीपीएस समेत विभिन्न स्कूलों ने अपनी ततपरता का परिचय देते हुए परिजनों को मेल भेजा, जिसमें साफ कहा गया कि, आपको सूचित किया जाता है कि स्कूल को एक ईमेल प्राप्त हुआ है जिससे छात्रों की सुरक्षा को खतरा है। एहतियात के तौर पर हम छात्रों को तुरंत घर वापस भेज रहे हैं।

**कमलेश पांडे**

# सत्ताकामी राजनीति में अतृप्त आत्माएं



पहले टिकट के लिए और फिर चुनाव जीतने के लिए भटकते उम्मीदवारों की राजनीति के बारे में तो अक्सर सुनते रहे हैं, पर अब देश की राजनीति में भटकती आत्माओं ने भी प्रवेश कर लिया है। यह खोज करने का श्रेय भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को जाता है। पुणे की एक चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने श्रोताओं को बताया कि यह भटकती आत्माएं वे हैं जिनकी इच्छाएं पूरी नहीं होती तो वे दूसरों के काम खराब करने लगती हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसी किसी आत्मा का नाम तो नहीं लिया, पर यह समझना किसी के लिए भी मुश्किल नहीं था कि उनका निशाना किस पर है। बिना नाम लिये ही प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया था कि पैंतालीस साल पहले महाराष्ट्र में कौन-सी आत्मा ने इस तमाशे की शुरूआत की थी। पैंतालीस साल पहले महाराष्ट्र के तब के युवा नेता शरद पवार ने राज्य की कांग्रेस सरकार में विद्रोह कराया था और वे राज्य में सबसे युवा मुख्यमंत्री बन गये थे। तब से लेकर आज तक शरद पवार कई पार्टियां बना-बिगाड़ चुके हैं। इस दौरान यह बात भी कई बार सामने आई कि पवार स्वयं प्रधानमंत्री बनने का सपना देखते रहे थे। उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो पायी, और अब इसकी कोई संभावना भी नहीं दिख रही। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी बात पर निशाना साधते हुए हमारी राजनीति की अतृप्त आत्माओं के भटकने वाली बात कही है।

प्रधानमंत्री के निशाने पर भले ही शरद पवार रहे हों, पर हमारी आज की राजनीति की यह एक कड़वी सच्चाई है कि अतृप्त आत्माएं लगातार भटकती फिर रही हैं। जिस तरह से, और जिस गति से आज यह भटकाव दिख रहा है, वह साफ-सुथरी और सकारात्मक राजनीति की अपेक्षा करने वालों के लिए आश्चर्य और पीड़ा का विषय होना चाहिए। दल-बदल हमारी राजनीति का एक स्थाई मुद्दा बन चुका है। सच बात तो यह है कि अब यह एक ऐसी बीमारी बन चुका है जिसका शिकार हर राजनीतिक दल हो रहा है। था कोई जमाना जब अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए दल बदल करने वाले को घटिया राजनीति का उदाहरण माना जाता था, उसे घटिया नजर से देखा जाता था। बहुत ज्यादा उदाहरण नहीं दिखते थे इस बात के। पर अब ऐसी कोई बात नहीं रही। अब न दल बदलने वाले को शर्म आती है और न ही किसी राजनीतिक दल को इस बात की कोई चिंता है कि उस पर घटिया राजनीति करने का आरोप लगता है। हमारी राजनीति की इन भटकती आत्माओं का ताजा उदाहरण सूरत और इंदौर में देखने को मिला है। सूरत में कांग्रेस के एक प्रत्याशी पर जान-बूझकर अपना नामांकन पत्र रद्द करवाने का आरोप लगा है और इंदौर में ऐसे ही एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस ले लिया है! दोनों ही प्रत्याशी, सुना है, सत्तारूढ़ दल भाजपा का दामन थाम कर अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित महसूस कर रहे हैं!

सच तो यह है कि भटकती आत्माओं को अपने दामन की सुरक्षा का अहसास देने वाले दल को भी अपने कृत्य पर कोई शर्म नहीं आती। हैरानी तो इस बात पर भी होती है कि दस साल तक पूर्ण बहुमत की सरकार चलाने और अबकी बार चार सौ पार का नारा लगाने वाली भारतीय जनता पार्टी को ऐसी अतृप्त आत्माओं की जरूरत महसूस हो रही है! स्पष्ट है, हमारी राजनीति आज सत्ताकामी बनकर रह गयी है। सेवा के लिए राजनीति अब सिर्फ एक जुमला है। आये दिन हमारे राजनेता नए-नए जुमले उछाल रहे हैं। राजनीतिक दल लंबे-चौड़े घोषणापत्र जारी कर रहे हैं, नए-नए नाम देकर इन घोषणापत्रों को भरोसेमंद बनाने के दावे कर रहे हैं। हैरानी की बात तो यह भी है कि जहां तक दस साल तक राज करने के बाद भी सत्तारूढ़ दल अपने किये काम की दुहाई देने की बजाय प्रतिपक्षी की कथित कमियों के नाम पर वोट मांग रहा है, वहीं प्रतिपक्ष कोई वैकल्पिक कार्यक्रम नहीं दे रहा। कुल मिलाकर हमारा विपक्ष सत्तारूढ़ दल के आरोपों के उत्तर देने, या फिर स्वयं को बेहतर कहने तक ही सीमित लग रहा है। दोनों ही पक्ष यह तो कहते हैं कि वे जनता के हित की राजनीति में विश्वास करते हैं, पर, दुर्भाग्य से, जनता को यह विश्वास दिलाने में असफल सिद्ध हो रहे हैं कि सत्ता पाने के अलावा भी उनका कोई लक्ष्य है।

भटकती आत्माओं जैसे जुमले उछाल कर तालियां तो बटोरी जा सकती हैं, इन आत्माओं की तृप्ति के लिए आश्वासन भी दिये जा सकते हैं, लेकिन जनता के हितों को साधने वाली राजनीति का दुर्भाग्य से, अभाव अब ज्यादा खलने लगा है। हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद, अगड़ी जाति-पिछड़ी जाति जैसे मुद्दों को उछालकर आज जो राजनीति की जा रही है, वह भविष्य के प्रति किसी प्रकार की आशाएं जगाने वाली तो नहीं ही है। सुना है किसी चुनावी सभा में कांग्रेसी नेता ने राजों-महाराजों के अत्याचारों की दुहाई दी थी। पलटवार प्रधानमंत्री की तरफ से हुआ। नहीं, उन्होंने यह नहीं कहा कि राजों-महाराजों की आलोचना क्यों हुई, उनकी शिकायत यह है कि राजों-महाराजों की बात करने वाले ने नवाबों-बादशाहों का नाम क्यों नहीं लिया?

हमारी राजनीति का यह गिरता स्तर निराश भी करता है और चिंतित भी। हैरानी की बात है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दे हमारी राजनीति में कोई जगह नहीं पा रहे। भटकती आत्माओं का सच भी किसी की चिंता का विषय नहीं है। रोजगार की बात सिर्फ विपक्ष कर रहा है, और वह भी दबी जुबान से। यह सच्चाई भी किसी को परेशान करती नहीं दिखाई दे रही कि पिछले पांच साल में देश में दो करोड़ से अधिक रोजगार घटे हैं और 45 करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्होंने निराश होकर काम की उम्मीद ही छोड़ दी है। यह बात भी किसी को परेशान नहीं करती दिखती कि आर्थिक असमानताएं लगातार बढ़ रही हैं। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं, गरीब और मार झेल रहे हैं। महिलाओं के सशक्तीकरण की बात तो हो रही है, पर सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमिक (सीएसआईई) का यह निष्कर्ष किसी की चिंता नहीं बनता दिख रहा कि काम न मिलने से देश की महिलाएं अधिक परेशान हैं। किसी भी पार्टी का कोई नेता यह नहीं बता रहा कि 2017 से 2020 के बीच कुल कामगारों की संख्या 46 प्रतिशत से घटकर 40 प्रतिशत क्यों हो गयी है।

राजनीति की भटकती आत्माओं वाली बात सुनने में आकर्षक तो लगती है, पर हमारी राजनीति की चालों को देखते हुए यह भी एक चुनावी जुमला है। हमारे राजनेताओं ने जनता को देश का भाग्य-विधाता नहीं माना। यह भूमिका उन्होंने अपने लिए सुरक्षित रख छोड़ी है। जनता को भीड़ समझ लिया है हमारे नेताओं ने। एक ऐसी ही भीड़ जो आसानी से बहलायी-बहकाई जा सकती है। लोकतंत्र की सार्थकता की दृष्टि से यह स्थिति कतई ठीक नहीं है। जहां तक हमारी राजनीति की भटकती आत्माओं का सवाल है हकीकत यह भी है कि किसी भी रंग का राजनेता इसके दुष्प्रभाव से नहीं बचा है। हमारे लोकतंत्र को बदसूरत करने में इन सबका योगदान है। इन सब पर जागरूक जनता को नजर रखनी होगी। जनतंत्र में चुनाव राजनेताओं की ही नहीं, जनता की भी परीक्षा होती हैं। राजनेता तो हार कर भटकती आत्मा भी बन सकते हैं, पर जनता को तो सिर्फ जीतना ही होता है। जनता जीतेगी, तभी जनतंत्र जियेगा! **विश्वनाथ सचदेव**

# आम चुनाव और मुस्लिम तुष्टीकरण का विकृत खेल

आम चुनाव के मतदान के दो चरण समाप्त हो जाने के बाद सभी राजनीतिक दलों को जनता के मध्य अपनी स्थिति की वास्तविकता का कुछ सीमा तक पता चल गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की सम्भावना वाली भारतीय जनता पार्टी को रोकने के लिए विपक्ष ने एक बार फिर मुस्लिम तुष्टीकरण का विकृत खेल खेलना प्रारम्भ कर दिया है। तथाकथित इंडी गठबंधन में शामिल दलों के नेता लगातार भड़काऊ और नफरत भरी बयानबाजी कर रहे हैं, जिसमें अब वोट जिहाद और तालिबान भी आ गया है। दिल्ली के मंडी हाउस इलाके में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ आतंकी फंडिंग मामले में सजा काट रहे यासीन मलिक का फोटो लगाया गया है।

पोस्टर में यासीन मलिक की रिहाई के साथ कांग्रेस को वोट देने की अपील की गई है। हालांकि जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने यह पोस्टर हटा दिया। आतंकी यासीन मलिक कुख्यात अलगवावादी है जिससे 2006 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने मुलाकात की थी। अब मलिक आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और अभी उस पर कई और मुकदमे चल रहे हैं। कांग्रेस केरल में प्रतिबंधित पीएफआई जैसे संगठनों का सहयोग ले रही रही है और सनातन विरोधी बयानों पर चुप्पी साधे हुए है।

मुस्लिम तुष्टीकरण का यह खुला खेल कांग्रेस ही नहीं अपितु भारत की सभी वामपंथी और अधिकांश क्षेत्रीय पार्टियां जमकर खेल रही हैं फिर चाहे वो उत्तर प्रदेश हो बिहार हो या पश्चिम बंगाल। विगत 10 वर्ष और अटल जी के कार्यकाल को छोड़ दें तो केंद्र तथा राज्यों में कांग्रेस व उसके गर्भ से निकले दलों व नेताओं ने ही सत्ता पर एकछत्र राज किया। ये सभी धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भाजपा को हराने की बात करने वालों तथा कट्टरपंथियों का समर्थन कर मतदान को मजहब के आधार पर प्रभावित किया करते थे। भाजपा द्वारा धर्मनिरपेक्षता की सच्ची रेखा खींचने के बाद इन दलों के नेताओं के सामने अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने का संकट खड़ा हो गया है और ये वोट जिहाद की अपील कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में अभी तक सपा, बसपा, कांग्रेस सहित विभिन्न दल अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी जैसे माफिया को अपने राजनीतिक लाभ के लिए पाला पोसा करते थे अब उनके लिए फातिहा पढ़ रहे हैं और धूर्तता के साथ उन्हें गरीबों का मसीहा बताकर मुसलमानों का वोट मांग रहे हैं। पहले ये माफिया बूथ लूटकर व मतदान के समय बम, गोलियां दागकर वोट जिहाद किया करते थे अब उनके नेता व गुर्गे इनको शहीद बताकर मुस्लिम समाज को भड़का रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद में कायमगंज के अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्र में इंडी गठबंधन के प्रत्याशी के समर्थन में पूर्व विदेशमंत्री सलमान खुर्शीद की भतीजी सपा नेता मारिया आलम खां ने वोट जिहाद का नारा देकर समाजवादियों की मुश्किल बढ़ा दी है। मारिया आलम खां ने कहा कि हर महिला और हर पुरुष वोट जिहाद करके संविधान बचाने की इस जंग को लड़ेगा।

प्रदेश में वोट जिहाद शब्द को लेकर राजनीतिक बयानबाजी अब काफी तल्ख हो गई है। सपा-कांग्रेस गठबंधन हो जाने के कारण इस बार सलमान खुर्शीद का परिवार चुनावी मैदान से भले ही दूर हो गया हो किंतु अपने सहयोगी दलों के उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार कर रहा है। सलमान खुर्शीद का परिवार कई बार विवादों के घेरे में रहा है। खुर्शीद की पत्नी लुईस खुर्शीद पर दिव्यांगों की सहायता करने के नाम पर घोटाला करने का मुकदमा चल रहा है।

सलमान खुर्शीद बाटला हाउस एनकाउंटर व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी विवादित बयानबाजी कर चुके हैं। जब लुईस खुर्शीद को इस बात का आभास हो गया था कि इस बार उनके परिवार को टिकट नहीं मिलने जा रहा तब उन्होंने मीडिया के सामने अपने कार्यकर्ता से कहा था कि अगर कांग्रेस का कोई पदाधिकारी उनसे मिलने आए तो उसे चप्पल से मारें। अब उसी परिवार की भतीजी मारिया एक बार फिर वोट जिहाद की अपील कर रही हैं।

इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के संभल से पूर्व सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान वर्क के पोते एवं सपा प्रत्याशी जियाउर्रहमान वर्क अपनी नुक्कड़ सभा के वायरल वीडियो में मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और शहाबुद्दीन की मौत को कुबार्नी बता रहा है। वीडियो वायरल हो जाने के बाद वर्क पर मुकदमा दर्ज हो गया है। उसके बाद भी वह नहीं रुका और उसने चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकी देते हुए बयान दिया कि जब वक्त बदलेगा तब बदला लिया जाएगा।

बहुजन समाजवादी पार्टी अपनी नैया पार लगाने व जनता के मध्य अपनी उपस्थिति को दर्ज कराने के लिए चुनावी मैदान में अपने युवा कोआर्डिनेटर, पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के भतीजे आकाश आनंद के नेतृत्व में रण मे उतरी है और कुछ-कुछ बदली बदली सी नजर आ रही है। पार्टी ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपनी जमीन को फिर से प्राप्त करने के लिए, सवर्णो को खुश करने के लिए रामनाम का विरोध नहीं किया था किंतु वह अब काफी पीछे छूट चुका है।

बसपा ने इस बार नया नारा दिया है, बहुजन हिताय बहुजन सुखाय का किंतु पार्टी का एक मुश्त मुस्लिम मतों का लालच छूटा नहीं है इसलिए बसपा ने सबसे अधिक मुसलमानों को अपना उम्मीदवार बनाया है। बसपा के युवा नेता आकाश आनंद मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए आक्रामक बयानबाजी कर रहे हैं जिसके कारण उनके खिलाफ सीतापुर जिले में केस भी दर्ज हो गया है। सीतापुर की एक जनसभा में आकाश ने अपनी सभी सीमाओं को लांघते हुए उत्तर प्रदेश सरकार की तुलना तालिबान से कर डाली। अतीक, मुख्तार अंसारी व शहाबुद्दीन जैसे माफिया का राजनीतिक लाभ के लिए उपयोग बसपा ने भी समय -समय पर किया है। **मृत्युंजय दीक्षित**

(शख्सियत)

# क्रांतिकारी दल के नेता थे सुभाष चंद्र बोस, देश को आजाद कराने में निभाई अहम भूमिका

भारत में नेताजी के नाम से फेमस सुभाष चंद्र बोस का आज ही के दिन यानी की 23 जनवरी को जन्म हुआ था। आज पूरा देश सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती मना रहा है। वह एक योद्धा, वीर सैनिक, महान सेनापति और कुशल राजनीतिज्ञ के तौर पर भी जाने जाते हैं। देश को अंग्रेजों से आजादी दिलाने में नेताजी का अहम योगदान है। इन्होंने देश को आजाद कराने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन भी किया था। तो आइए जानते हैं नेताजी की बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर सुभाष चंद्र बोस के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

ओडिशा के कटक में 23 जनवरी 1897 को सुभाष चंद्र बोस का जन्म हुआ था। इन्होंने अपनी शुरुआती शिक्षा कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल से पूरी की। वहीं साल 1915 में सुभाष चंद्र बोस ने कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज से इंटरमीडिएट की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की। फिर सिविल सर्विस की तैयारी करने के लिए उन्होंने इंग्लैंड के कैंब्रिज विश्वविद्यालय में एडमिशन लिया। साल 1920 में ने सुभाष चंद्र बोस इंडियन सिविल सर्विसेज की परीक्षा दी। जिसमें उनको चौथा स्थान हासिल हुआ। उस दौरान यह बड़ी उपलब्धि थी। भारत आकर उन्होंने अपना पद संभाला। लेकिन देश की दयनीय स्थिति को देखते हुए उन्होंने साल 1921 में नौकरी छोड़ दी और देश को आजाद कराने की मुहिम में जुट गए।

कांग्रेस से जुड़े नेताजी

इस दौरान नेताजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़ गए। उस दौरान नेता जी और महात्मा गांधी के विचारों में टकराव होता था। हांलाकि दोनों की मंशा भारत की आजादी थी। लेकिन जहां एक ओर महात्मा गांधी उदार दल के नेता थे, तो वहीं नेताजी क्रांतिकारी दल का नेतृत्व कर रहे थे। लेकिन महात्मा गांधी सुभाष चंद्र बोस को काफी ज्यादा मानते थे। गांधी जी ने उन्हें देशभक्तों के देशभक्त की उपाधि से नवाजा था। वहीं जर्मन के तानाशाह अडोल्फ हिटलर ने उनको पहली बार नेताजी कहकर बुलाया था।



आजाद हिंद फौज का गठन

आपको बता दें कि दूसरे विश्व युद्ध के शुरू होने पर सुभाष चंद्र बोस ने अंग्रेजों के खिलाफ मुहिम तेज कर दी। जिस कारण उनको घर में नजरबंद कर दिया गया। लेकिन वह किसी तरह से अंग्रेजों से बचते-बचाते जर्मनी पहुंच गए और वहां से अपनी मुहिम को जारी रखा। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज का गठन किया। इस दौरान उन्होंने आजाद हिंद बैंक की भी स्थापना की। उस दौरान दुनिया के 10 देशों ने नेताजी की सरकार, फौज और बैंको को अपना समर्थन दिया था।

तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा

आजाद हिंद फौज के गठन के बाद नेताजी बर्मा पहुंचे। जहां पर उन्होंने तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा दिया था। उस समय देश आजादी की ओर था। नेताजी की फौज में सिंगापुर, ब्रिटिश मलय और न्य दक्षिण पूर्व एशिया के हिस्सों के युद्ध बंदी और बागानों आदि में काम करने वाले मजदूर शामिल थे।

मौत

एक विमान हादसे में 18 अगस्त 1945 को सुभाष चंद्र बोस की रहस्यमई तरीके से मौत हो गई। बताया जाता है कि उस विमान से नेताजी ने ताइवान से जापान के लिए उड़ान भरी थी। हांलाकि नेताजी की मौत आज भी लोगों के लिए एक पहेली बनी हुई है। मौत के बाद भी तमाम किस्से-कहानियों में नेताजी को जीवित बताया गया। कुछ लोगों का मत है कि विमान हादसे में सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु नहीं हुई थी। बल्कि कहा जाता है कि फैजाबाद में नेताजी भेष बदलकर नए नाम गुमनामी बाबा के रूप में रहते थे।

बताया जाता है कि गुमनामी बाबा फरार्टेदार अंग्रेजी, बांग्ला और जर्मन बोलते थे। वहीं गुमनामी बाबा की मौत के बाद उनके पास से शराब, अखबार, पत्रिकाएं, महंगी सिगरेट, आजाद हिंद फौज की यूनिफॉर्म, नेताजी की निजी तस्वीरें, रोलेक्स की घड़ी, शाहनवाज और खोसला आयोग की रिपोर्ट आदि मिली थी। जिससे अंदाजा लगाया जाता है कि गुमनामी बाबा ही नेताजी थे। लेकिन यह बात आज तक साबित नहीं हो सकी।

## दैनिक पंचांग

# हेल्थ सेक्टर में हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

**हेल्थ सेक्टर जीवनदाता के रूप में उभरा है। ऐसे में हेल्थ केयर सेक्टर युवाओं के लिए बेहद शानदार है। एक सर्वे के अनुसार, साल 2025 तक देश में 10 लाख से अधिक हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत पड़ेगी।**

आजकल के समय में कॅरियर को लेकर युवा काफी ज्यादा परेशान होते हैं। ऐसे में हेल्थ केयर सेक्टर युवाओं के लिए बेहद शानदार है। फिलकाल इस क्षेत्र में काफी कम लोग हैं। वहीं कोरोना महामारी के बाद इस सेक्टर के प्रति लोगों की जागरुकता बढ़ी है। हेल्थ सेक्टर जीवनदाता के रूप में उभरा है। ऐसे ही सेक्टर में कई विधाओं में कोर्स हैं, जिसमें से हॉस्पिटल मैनेजमेंट या हेल्थ केयर मैनेजमेंट कॅरियर के तौर पर एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है।

### जानिए क्या है हास्पिटल मैनेजमेंट

हास्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के तहत आता है। इस सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनल्स मानते हैं कि हेल्थ से संबंधित सर्विसेस के विस्तार से हास्पिटल मैनेजमेंट में काम बढ़ गया है। इस सेक्टर में व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने के साथ ही पैनी नजर भी बनाए रखना होता है। वहीं मरीजों को इलाज में बेहतर सुविधा मिले इसकी भी कोशिश करनी होती है। आधुनिक उपकरणों और नई-नई तकनीक की व्यवस्था करना और अच्छे डाक्टरों को जोड़ना हॉस्पिटल मैनेजमेंट के दायरे में आता है। इसके अलावा किसी हादसे के होने पर इन्हीं प्रोफेशनल्स को इसका जिम्मा उठाना पड़ता है। कर्मचारियों की सुविधा और हॉस्पिटल की वित्तीय व्यवस्थाओं आदि का कार्य भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट में आता है। आपको बता दें कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट में कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार भी इन कोर्स के दायरे में आता है।

### कोर्स

- सर्टिफिकेट कोर्स इन हेलथ केयर क्वालिटी मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन
- ग्रेजुएशन इन हास्पिटल मैनेजमेंट
- पोस्ट ग्रेजुएशन इन हास्पिटल मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन इमरजेंसी मेडिसिन
- एमबीए इन हास्पिटल मैनेजमेंट

### बैचलर कोर्स

- 12वीं में साइंस होने के साथ 50 प्रतिशत के साथ

### पीजी कोर्स

- ग्रेजुएशन इन हास्पिल मैनेजमेंट
- एमफिल या पीएचडी
- पीडी हास्पिटल मैनेजमेंट

### जॉब के अवसर

इस कोर्स को कर आप सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में नौकरी पा सकते हैं। जैसे आपकी इंटरनेशनल और डोमेस्टिक हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट, अस्पताल के क्षेत्र में, हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी, नर्सिंग होम में नौकरी लग सकती है। इसके साथ ही वाक हार्ट, मैक्स, फोर्टिस, टाटा, अपोलो अस्पताल, डंकन, विप्रो, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, फोर्टिस हेल्थ केयर लिमिटेड, अपोलो हेल्थ केयर जैसी बड़ी कंपनियों में भी जॉब कर सकते हैं।

# अंतरिक्ष विज्ञान में बना सकते हैं शानदार करियर

**आज का दौर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का है। इसके कारण जमीन से लेकर आसमान तक पहुंचना आसान बना दिया है। साथ ही इस टेक्नोलॉजी के कारण युवाओं के लिए नए-नए करियर विकल्प भी खुल रहे हैं, इन्हीं में से एक है स्पेस साइंस। अगर आपको भी अनंत आकाश अपनी ओर आकर्षित करता है और आप ब्रह्माण्ड के रहस्य सुलझाना चाहते हैं, तो इस फील्ड में आप अपना शानदार करियर बना सकते हैं।**

आज के समय में भारत का अंतरिक्ष प्रोग्राम बहुत विकसित हो गया है। इस समय भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) न केवल भारत का उपग्रह अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित कर रहा है, बल्कि वह विकसित देशों के उपग्रह भी नियमित रूप से अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक भेज रहा है। जिसके कारण यहां के युवा वैज्ञानिकों के लिए भारतीय व विदेशी अंतरिक्ष विज्ञान के दरवाजे खुलने लगे हैं।

### क्या है स्पेस साइंस?

'स्पेस साइंस' साइंस की वह शाखा है, जिसके अंतर्गत पृथ्वी से परे करोड़ों ग्रहों, उपग्रहों, तारों, धूमकेतुओं, आकाशगंगाओं एवं अन्य अंतरिक्षीय पिंडों का अध्ययन किया जाता है। इसके अलावा स्पेस साइंस के अंतर्गत उन नियमों एवं प्रभावों का भी अध्ययन किया जाता है, जो इन्हें संचालित करते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में करियर उन हजारों रहस्यों से पर्दा उठाने का अवसर भी होता है, जो अभी तक अनसुलझे हैं। यह न केवल वैज्ञानिक स्वभाव की परीक्षा होती है, बल्कि आपकी जिज्ञासाएं भी शांत होती जाती हैं।

### स्पेस साइंस में करियर का शानदार ऑप्शन

स्पेस साइंस या स्पेस टेक्नोलॉजी बेहद व्यापक फील्ड है। इसके तहत एस्ट्रोनॉमी व एस्ट्रोफिजिक्स, प्रामेट्री एटमॉस्फेयर और एयरोनॉमी, अर्थ साइंस और सोलर सिस्टम का कोर्स कराया जाता है। आज के दौर में स्पेस साइंस की कई सब-ब्रांचेज भी हैं। इनमें से मुख्य है कॉस्मोलॉजी, स्टेलर साइंस, प्लेनेटरी साइंस, एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोलॉजी आदि। साइंस और इंजीनियरिंग की ये शाखाएं अंतरिक्ष के चारों तरफ घूमती हैं। इस आर्टिकल के माध्यम से आइए उन विभिन्न करियर पर एक नजर डालते हैं जिन्हें आप चुन सकते हैं।

### एस्ट्रोनॉमी

एक एस्ट्रोनॉमी का कार्य आउटर स्पेस का रिसर्च करना है। इसमें आकाशगंगा, सौर मंडल, तारे, ब्लैक होल, ग्रह आदि शामिल होता है। जिस पर रिसर्च कर एस्ट्रोनॉमी यहां पर होने वाली घटनाओं का पता लगाते हैं।

### एस्ट्रोनॉट

ये वे खास लोग होते हैं, जो अंतरिक्ष में कदम रखकर अपने सपनों को पूरा करते हैं। ये स्पेस स्टेशन पर रहकर विभिन्न रिसर्च करते हैं। इनका कार्य बहुत मुश्किल होता है। इन्हें स्पेस स्टेशन में महीनों रहना पड़ता है।

### स्पेस टेक्नोलॉजी

स्पेस टेक्नोलॉजी का करियर भी बेहद शानदार होता है। इसमें स्पेसक्रॉफ्ट, सेटेलाइट, स्पेस स्टेशन, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर इक्यूमेंट और स्पेस वॉर में शामिल होने वाले विभिन्न इक्यूमेंट को डिजाइन करने का कार्य होता है।

### इंजीनियरिंग

एक एस्ट्रोनॉट लोगों के बीच ज्यादा पॉपुलर हो सकता है, लेकिन एक इंजीनियर स्पेस रिसर्च में पूरे अभियान की जान होता है। ये अभियान से जुड़े सभी इक्यूमेंट का डिजाइन करते हैं। इन इंजीनियरों के लिए एयरोस्पेस, रोबोटिक्स (थिंक मार्स रोवर्स), कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मटेरियल साइंस के साथ ही मैकेनिकल और टेलीकॉम इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं।

### स्पेस रिसर्च

स्पेस रिसर्च में विभिन्न फील्ड के लोग शामिल होते हैं। जैसे- एस्ट्रोफिजिसिस्ट (खगोलविद जो खगोलीय पिंडों का अध्ययन करते हैं), बायोलॉजिस्ट (ये स्पेस में रहने पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करते हैं), बायोकैमिस्ट और बायोफिजिसिस्ट (सभी तरह के रासायनिक और भौतिक पहलुओं को देखते हैं), जियोलॉजिस्ट (पृथ्वी की भौतिक प्रकृति का अध्ययन और विश्लेषण) और एस्ट्रोबायोलॉजिस्ट (दूसरे ग्रहों पर जीवन के संभावना का अध्ययन करते हैं) यह सभी स्पेस साइंटिस्ट के उदाहरण हैं। रिसर्च के अलावा भी कई विकल्प हैं, जैसे आप अंतरिक्ष भौतिकी के एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में काम कर सकते हैं और अंतरिक्ष यान से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण में भी शामिल हो सकते हैं।

### स्पेस लॉ

यह अंतरिक्ष से संबंधित गतिविधियों को नियंत्रित करने वाला लॉ है। इसमें समझौतों, सम्मेलनों, संधियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नियमों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। आज के समय में जिस तरह स्पेस में भीड़ बढ़ रही हे, उसको देखकर स्पेस लॉ में करियर के ऑप्शन बढ़ते जा रहे हैं।

### स्पेस टूरिज्म

यह सबसे तेजी से उभरता हुआ टूरिज्म है। इस फील्ड में कई नई कंपनियां आ रही हैं। यहां पर करियर बनाने का शानदार मौका है। आज के समय में इस क्षेत्र में लगे कुछ बड़े खिलाड़ी वर्जिन गेलेक्टिक, स्पेसएक्स, ब्लू ओरिजिन, ओरियन, ओरियन स्पैन (स्पेस होटल) और बोइंग हैं।

### स्पेस आर्किटेक्ट

इसे भविष्य का जॉब कहा जा सकता है। जिस तरह से स्पेस टूरिज्म बढ़ रहा है, उससे स्पेस आर्किटेक्ट की जरूरत पड़ने लगी है। इनका कार्य स्पेस में रहने के लिए योग्य वातावरण पर रिसर्च करना और डिजाइन तैयार कर निर्माण करना है। कुछ कंपनियों का निकट भविष्य में अंतरिक्ष होटल बनाने की योजना है।

### स्पेस मेडिसिन

इनका कार्य आउटर स्पेस से लौटने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर रिसर्च करने के साथ उनका इलाज करना है। इसके एक बड़े हिस्से में जीरो ग्रेविटी के कारण वेटलेसनेस और मनोवैज्ञानिक प्रभाव के कारण होने वाले शारीरिक परिवर्तनों पर रिसर्च होता है।

# जैमोलॉजी की फील्ड में कमाई के मिलेंगे बेहतरीन अवसर

**अगर आप क्रिएटिव हैं, तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं। इस फील्ड में सक्सेज पाने के लिए आपकी कल्पनाशीलता के साथ मार्केट रिसर्च भी अच्छा होना चाहिए।**

समय के साथ ही कॅरियर के ऑप्शन में भी काफी बदलाव आ चुका है। ऐसे कई नए-नए कोर्स आ रहे हैं, जिनको कर युवा पीढ़ी पारंपरिक पढ़ाई के साथ इस कोर्सेज को कर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकें। ऐसा ही एक ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स है। इस कोर्स को कर युवा पीढ़ी अपना भविष्य संवार सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव हैं, तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं। ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में आप अपने काम के प्रति लगाव और कुछ नया करने की सोच को शामिल करते हैं। वहीं डिजाइनिंग सेंस के अलावा आपको विभिन्न प्रकार के स्टोन्स और मेटल्स की जानकारी भी होनी चाहिए। इस फील्ड में सक्सेज पाने के लिए आपकी कल्पनाशीलता के साथ मार्केट रिसर्च भी अच्छा होना चाहिए। आपको बता दें कि ज्वैलरी डिजाइनर के मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल व पैटर्न को अच्छा बनाना व सेट करना होता है। इसके लिए आपको कोरल ड्रा, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, ऑटो कैड और 3डी स्टूडियो जैसे सॉफ्टवेयर की मदद लेनी होती है। ऐसे में अगर आप भी 10वीं कर चुके हैं तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के शार्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ज्वैलरी डिजाइनिंग के सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन कोर्सेज को कर इस फील्ड में अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

### सर्टिफिकेट कोर्स

- कैड फॉर जेम्स एंड ज्वैलरी
- बेसिक ज्वैलरी डिजाइन

### बीएससी कोर्स

- बैचलर ऑफ एक्सेसरीज डिजाइन
- बीएससी इन ज्वैलरी डिजाइन
- बैचलर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन

### डिप्लोमा कोर्स

- डिप्लोमा इन ज्वैलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी
- ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग

### यहां से करें कोर्स

- इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- जैम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर

**प्लांट पैथोलॉजी उन लोगों के लिए एक उपयुक्त कॅरियर है, जिनकी कृषि और जैविक क्षेत्रों में गहरी रुचि है। प्लांट पैथोलॉजी में अध्ययन मुख्य रूप से बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता है, जीवों और एजेंटों को समझना जो बीमारियों का कारण बनते हैं।**

# बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता है प्लांट पैथोलॉजिस्ट

एक उपयुक्त कॅरियर है, जिनकी कृषि और जैविक क्षेत्रों में गहरी रुचि है। प्लांट पैथोलॉजी में अध्ययन मुख्य रूप से बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता हैय जीवों और एजेंटों को समझना जो बीमारियों का कारण बनते हैं। पौधे की पैथोलॉजी का क्षेत्र अन्य जैविक क्षेत्रों जैसे कि माइक्रोबायोलॉजी, माइकोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, जैव-सूचना विज्ञान, वायरोलॉजी आदि से जुड़ा हुआ है। कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जो लोग पौधे के स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं उन्हें प्लांट पैथोलॉजिस्ट या पौधे रोगविज्ञानी के रूप में जाना जाता है। पादप रोगविज्ञानी का प्रमुख कार्य पौधों को उनके द्वारा संक्रमित रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और रोककर स्वस्थ रखना है। वे उपयोगी विधियों जैसे कि दवाइयां विकसित करना, पर्यावरण में स्थितियों को बदलना आदि के द्वारा रोग को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं।

### शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि वनस्पति विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, बागवानी, मृदा विज्ञान, फसल विज्ञान, आनुवांशिकी, पारिस्थितिकी, आणविक जीव विज्ञान, जैव रसायन में ग्रेजुएट कोर्स के बाद प्लांट पैथोलॉजी में कॅरियर बनाया जा सकता है। कुछ बीएससी कोर्स प्लांट पैथोलॉजी में स्पेशलाइजेशन भी प्रदान करते हैं। कई कृषि विश्वविद्यालय प्लांट पैथोलॉजी में बीएससी ग्रेजुएशन कोर्स ऑफर करते हैं। स्नातक कोर्स के बाद आप प्लांट पैथोलॉजी में मास्टर्स और डॉक्टरेट की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं।

### पर्सनल स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को कड़ी मेहनत से डरना नहीं चाहिए और उनमें धैर्य होना भी उतना ही जरूरी है। इसके अलावा आपका अपने काम के प्रति जुनून ही आपको आगे तक लेकर जाएगा। विश्लेषणात्मक और अनुसंधान कौशल, संचार कौशल, उनके विचारों को समझने और व्यक्त करने की क्षमता भी आवश्यक प्रमुख गुण हैं। इसके अलावा, निर्णय लेने की क्षमता, टीम में काम करने का कौशल व सभी चुनौतियों को सामना करने के लिए आपको तैयार रहना चाहिए।

देश की कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए प्लांट पैथोलॉजिस्ट एक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। वे अन्य विशेषज्ञों जैसे प्लांट प्रजनक, खरपतवार विशेषज्ञ आदि के साथ मिलकर काम करते हैं। अनुसंधान, उत्पाद विकास, बिक्री, शिक्षण, प्रशासन, नियामक कार्य और निजी अभ्यास जैसे क्षेत्रों में पादप रोगविदों के लिए कई रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। प्लांट पैथोलॉजी में स्नातक प्लांट जेनेटिकिस्ट, प्लांट ब्रीडर, जलीय वनस्पति विज्ञानी, लिमोनोलॉजिस्ट, फिजियोलॉजिस्ट, प्लांट पैथोलॉजिस्ट आदि के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। इन्हें फार्म और ग्रीनहाउस मैनेजर, पार्क और गोल्फ के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। प्लांट पैथोलॉजिस्ट को एग्रोकेमिकल कंपनियों, बीज कंपनियों, उर्वरक कंपनियों, कृषि परामर्श आदि में नियुक्त किया जाता है। बीज कंपनियों को अधिक प्रतिरोध शक्ति के साथ बेहतर बीज विकसित करने के लिए प्लांट पैथोलॉजिस्ट की मदद की जरूरत होती है, क्योंकि उर्वरक कंपनियां पौधों की बीमारियों से संबंधित तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए उनकी मदद चाहती हैं।

### आमदनी

एक प्लांट पैथोलॉजिस्ट का पारिश्रमिक उनकी शैक्षिक योग्यता और अनुभव के आधार पर तय होता है। हालांकि एक फ्रेशर इस क्षेत्र में प्रतिमाह 15000 से 22000 रूपए कमा सकता है। इसके अलावा, एक अनुभवी प्लांट पैथोलॉजिस्ट 45000 से 60000 रूपए प्रति माह की कमाई कर सकता है।

# महिलाएं समझें अपने वोट की कीमत, जरूर करें मतदान

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। मतदान में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य को लेकर मूरतगंज ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय महगांव में गुरूवार को प्रधानाध्यापक निधि श्रीवास्तव की अगुआई में लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं ने मतदाता जागरूकता सम्बंधी तख्तियां लेकर उसमे लिखे स्लोगन के जरिए जागरूक किया।

प्रधानाध्यापक ने कहा कि आज हम नारियां हर क्षेत्र में आगे हैं, इसलिये मतदाता बनने में भी हमें पुरुषों से पीछे नही रहना चाहिए और लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है, कि हम अपनी बहनों को जागरूक करें और मतदान के लिए प्रेरित करें। लोकतंत्र में मतदान करना सभी का अधिकार है। मतदान करने से जहां लोकतंत्र सशक्त होगा, वहीं एक मजबूत सरकार बनेगी। आपके एक वोट से किसी की जीत तो किसी की हार हो सकती है। इसलिए हमें सभी को वोट का महत्व बताना होगा। प्रधानाध्यापक ने बताया मतदान दिवस तक विद्यालय में प्रतिदिन मतदाता जागरूकता संबंधी कार्यक्रम चलाए जाएंगे। जागरूकता कार्यक्रम में गांव की दर्जनों महिलाएं व विद्यालय स्टाफ कीर्ति सिंह, शशि कला, सादिया कमर आदि मौजूद रहीं।

प्राथमिक विद्यालय महगांव के जागरुकता कार्यक्रम में शामिल महिलाएं

# बिना मान्यता चल रहे छह विद्यालयों को नोटिस

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने गुरूवार को विकास खंड मंझनपुर के वित्तविहीन विद्यालयों का निरीक्षण किया। जिसमें कई विद्यालय बिना मान्यता के संचालित पाए गए। उन्होने सभी विद्यालयों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जवाब मांगा है।

बीईओ प्रमोद कुमार गुप्ता ने बताया कि दिव्या पब्लिक स्कूल शिवनाथ का पुरवा बिना मान्यता के संचालित पाया गया। एन एन आर्मी स्कूल इब्राहिमपुर की पांचवी तक की मान्यता है, जबकि कक्षा 10 तक के बच्चे पाए गए। मोज्जमपुर स्थित एडी पब्लिक स्कूल बिना मान्यता के संचालित पाया गया। नेशनल पब्लिक स्कूल पिंडरा भी बिना मान्यता संचालित हो रहा था। एसजीएम पब्लिक स्कूल पिंडरा की मान्यता पांचवी तक की है, लेकिन बच्चे 10वीं तक के पाए गए। सरस्वती ज्ञान मंदिर पिंडरा की मान्यता भी पांचवी तक थी, लेकिन बच्चे आठवीं कक्षा तक के पढ़ते मिले।

रिटर्निंग आफिसर को अपना नामांकन पत्र देते सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज

# पिता-पुत्र समेत 10 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर चार सेटों में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसी के साथ ही समाजवादी प्रत्याशी के पिता सपा के राष्ट्रीय महासचिव व मंझनपुर विधायक इंद्रजीत सरोज ने भी चार सेटों में अपना नामांकन पत्र भरकर दाखिल किया।

बहुजन मुक्ति पार्टी से राजेंद्र सोनकर, अपना दल कमेरावादी से नरेंद्र कुमार, बसपा से शुभ नारायण, पीपुल्स पार्टी आफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) से साकेत कुमार तो प्रदीप कुमार, छेद्दू, संजय कुमार व मटरू ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अब तक कुल 14 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है।

## तीन लोगों ने लिया पर्चा

कौशांबी। लोकसभा कौशांबी से चुनाव लड़ने के लिए गुरूवार को भी तीन प्रत्याशियों ने पर्चा लिया। इसमें सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी से अजय प्रकाश ने राम मिलन के नाम से पर्चा लिया। जबकि धर्मेंद्र कुमार व गंगा देवी ने निर्दलीय पर्चा लिया है।

# गांव की गलियों में घूमकर अधिकारियों ने मतदाताओं को किया जागरूक

**देश की दिशा और दशा बदलने में वोट महत्वपूर्ण**

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। विकास खण्ड कड़ा के उच्च प्राथमिक विद्यालय कोरियो एवं प्राथमिक विद्यालय अफजलपुर सातों में गुरूवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदाता चैपाल का आयोजन हुआ।

मुख्य विकास अधिकारी डा. रवि किशोर त्रिवेदी ने उपस्थित ग्रामीणों से कहा की वोट देना सभी का लोकतांत्रिक अधिकार है। सभी के वोट अमूल्य है। आप अपने एक वोट से अच्छी सरकार का चुनाव कर सकतें हैं। आपके एक-एक वोट से देश का भविष्य तय होगा। इसलिए 20 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में अपने मत रूपी अस्त्र का प्रयोग करते हुए बिना किसी डर के अपने मनपसंद प्रत्याशी को वोट अवश्य करें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कमलेंद्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि आपका एक वोट देश की दिशा और दशा बदल सकता है। ऐसे में मतदान वाले दिन सबसे पहले बूथ पर पहुंचकर अपने मत का प्रयोग अवश्य करें। बूथों पर मतदाताओं के धूप से बचने के लिए टेंट और प्यास बुझाने के लिए पानी आदि की व्यवस्था रहेंगी। जब आप वोट डालने के लिए निकले तो अपने परिवार व पड़ोसियों को भी साथ में ले जाकर मत अवश्य डालें। उपस्थित अधिकारी और कर्मचारियों ने गांव में घूम-घूम कर लोगों से मिलकर उन्हें मतदान करने के लिए जागरूक किया। कहा किसी भी तरह की कोई समस्या आने पर फोन के माध्यम से सूचित करें, त्वरित समाधान किया जायेंगा। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी दिनेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार एवं एआरपी प्रभाकर मिश्र सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

# प्रेमी युगल को पुलिस ने दबोचा

स्वतंत्र चेतना

देवीगंज, कौशांबी। कड़ाधाम पुलिस ने थाना क्षेत्र में चोरी-छिपे रह रहे एक प्रेमी युगल को धर दबोचा। कड़ाधाम पुलिस की सूचना पर स्थानीय पुलिस प्रेमी युगल को लेने के लिए रवाना हो गई है।

शिवान बिहार की रहने वाली एक युवती अपने परिवार के साथ मुम्बई में रहती थी। जहां उसकी प्रयागराज के एक युवक से आंखे चार हो गई। युवक शादी शुदा है यह जानते हुए भी युवती की युवक से नजदीकियां बढ़ने लगी तो परिजनों ने बंदिशें लगाना शुरू कर दिया। जिस पर प्रेमी युगल गत 25 दिसम्बर को घर से फरार हो गए। परिजनों ने प्रेमी युगल की खूब खोजबीन की। सुराग नही मिलने पर गुमशुदगी दर्ज कराई। इधर प्रेमी युगल घर छोड़ने के बाद गत 19 अप्रैल को कड़ाधाम में एक किराए का कमरा लेकर रहने लगे। गुरूवार को थानाध्यक्ष आशुतोष सिंह ने प्रेमी युगल को पकड़कर उसकी सूचना संबंधित थाने व उनके परिजनों को दी।

# कम वर्षा वाली भूमि के लिए ढेंचा और ग्वार को महत्व दें किसान

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। दिनों दिन मिट्टी से सूक्ष्म जीवाणु की कम हो रही उपलब्धता व उर्वरा शक्ति के संबंध में अन्नदाताओ को हरी खाद को एक शुद्ध फसल के रूप में खेत की उपजाऊ शक्ति, भूमि के पोषक और जैविक पदार्थो की पूर्ति करने के उदेश्य से किया जाना चाहिए।

कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डा. मनोज कुमार सिंह ने बताया कि इससे खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। भूमि में लगातार एक ही फसल चक्र अपनाने से उस खेत में उपस्थित फसल की पैदावार और बढवार के लिए आवश्यक पोषक तत्व नष्ट होने लगते है। मिट्टी में इनकी आपूर्ति और पैदावार को बनाए रखने के लिए हरी खाद एक अच्छा विकल्प है। लोबिया, मूंग, उड़द, ढेया, सनई व ग्वार हरी खाद की फसल से अधिकतम कार्बनिक पदार्थ और नाइट्रोजन प्राप्त करने के लिए एक विशेष अवस्था में उसी खेत में पलटकर दबाना चाहिए। अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों या जहां पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है वहां सनई और लोबिया को उपयोग में लाना चाहिए और कम वर्षा वाली भूमि के लिए ढेंचा और ग्वार को महत्व देना चाहिए। डा. मनोज ने कहा कि हरी खाद के लिए ढैंचा फसल की बुआई 15 से 25 मई के मध्य कर देनी चाहिए और बुवाई से 35 से 40 दिन की फसल को खेत मे तवेदार मिट्टी पलटने वाले हल से 15 से 25 सेंटीमीटर गहराई तक खेत मे पलट दे और पानी भर कर थोड़ी यूरिया डालकर सड़ा दे। इससे मिट्टी की उर्वराशक्ति एवं जलधारण क्षमता मे वृद्धि होगी और आगामी खरीफ की फसलो मे नाइट्रोजन की मात्रा भी कम देनी पड़ेगी।

## चौथे दिन बिके पांच फार्म, कुल 35 नामांकन पत्रों की हुई बिक्री

भदोही। भदोही लोकसभा सीट से नामांकन पत्रों कीबिक्री और नामांकन का गुरुवार को चैथा दिन रहा। चैथे दिन कुल पांच प्रत्याशियों ने पर्चा खरीदा। नामांकन की अंतिम तारीख छह मई है। जबकि पांच मई को रविवार की छुट्टी पड़ रही है। ऐसे में तीन, चार मई के बाद छह मई को मिलाकर तीन दिन ही अब नामांकन के लिए मिलेंगे। नामांकन के चैथे दिन ओम प्रकाश द्वारा ज्ञानचंद्र मिश्र के लिए तीन सेट, भारतीय रिपब्लिक पार्टी (इंसान) से ललिता देवी द्वारा स्वयं के लिए एक सेट, निर्दल प्रत्याशियों के क्रम में कृष्ण कुमार यादव द्वारा एक, मुलायम सिंह यादव द्वारा एक व राम सुंदर राय द्वारा एक सेट नामांकन पत्र लिया गया।

# ससुराल में फौजी की मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र चेतना

सिराथू, कौशांबी। सैनी कोतवाली के अजुहा कस्बा निवासी फौजी की फतेहपुर जनपद के खखरेरू थानान्तर्गत किशुनपुर चिरई गांव में बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्वजनों ने फौजी की हत्या किए जाने का आरोप ससुरालियों पर मढ़ा है। खबर पाकर पहुंची खखरेरू पुलिस ने कानूनी औपचारिकता पूरी की।

अजुहा कस्बे के वार्ड नंबर 11 नेतानगर निवासी घनश्याम पुत्र हरीलाल फौज में नायब सुबेदार के पद पर गुवाहाटी में तैनात थे। फौजी की शादी फतेहपुर जनपद के खखरेरू थानान्तर्गत किशुनपुर चिरई गांव निवासी मनसी पुत्र श्याम सिंह के साथ 13 वर्ष पूर्व हुई थी। फौजी के पिता हरीलाल ने बताया कि पुत्रवधू के इकलौती होने के कारण फौजी बेटा छुट्टी लेकर ससुराल आया था। ससुराली उसकी सैलरी हथियाना चाहते थे, इसलिए हत्या कर उसे फांसी दिखाकर आत्महत्या का रूप दे दिया। उन्होने पुत्रवधू पर पिता व प्रेमी के साथ मिलकर फौजी बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। खबर पाकर पहुंची खखरेरू पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दूसरे दिन गुरूवार को फौजी का शव अजुहा पहुंचा तो स्वजनों में कोहराम मच गया। खबर लिखे जाने तक शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका था।

## छात्रों को दी गई यातायात नियमों की जानकारी

गोपीगंज( भदोही)। क्षेत्र के गोपपुर स्थित एक निजी विद्यालय में यातायात जागरूकता अभियान के तहत गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए यातायात नियमो की जानकारी के लिए पम्पलेट वितरित किए गए। गुरुवार को यातायात प्रभारी जनार्दन सिंह के नेतृत्व में गोपपुर में एक निजी विद्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में मौजूद छात्र छात्राओं को यातायात नियमो की जानकारी दी। यातायात प्रभारी ने नियमो की जानकारी के साथ पम्पलेट वितरित किए और सभी छात्रों से यातायात नियमो का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।इस दौरान विजय कुमार,देवचंद, योगेश मिश्र, ललित मोहन व अन्य रहे।

## स्नातक की कक्षाओं में प्रवेश शुरू

औराई( भदोही)। केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय औराई की प्राचार्या प्रो. आकांक्षा त्रिपाठी ने बताया कि बीए एवं बीएस-सी प्रथम सेमेस्टर का प्रवेश शुरू हो गया है।

# चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के व्यय लेखा का होगा निरीक्षण

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। जिलाधिकारी/रिटर्निंग ऑफिसर की अध्यक्षता में लेखा समाधान बैठक निर्वाचन परिणाम की घोषणा के 26वें दिन 30 जून को सुबह 10 से शाम पांच बजे तक उदयन सभागार में प्रस्तावित है। प्रभारी अधिकारी व्यय लेखा/वरिष्ठ कोषाधिकारी रवीन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर आदेशों का सार संग्रह के अनुलग्नक-ग-15 के अनुपालन में लोकसभा चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों का नौ व 13 एवं 17 मई को सुबह 10 बजे से लेकर शाम पांच बजे तक विकास भवन के सरस हाल में निरीक्षण होगा।

सभी प्रत्याशी नियत तिथि में वे स्वयं या निर्वाचन व्यय लेखा प्रस्तुत करने के लिए निर्वाचन व्यय अभिकर्ता निर्धारित समय से उपस्थित होकर अपना व्यय लेखा प्रस्तुत करेंगे। निर्वाचन व्यय लेखा प्रस्तुत करने के लिए दैनिक व्यय लेखा पंजिका, बैंक पंजिका, बाउचर, बैंक स्टेटमेन्ट की छायाप्रतियॉ तीन सेट में प्रस्तुत करना आवश्यक है। लेखा प्रस्तुत करने की तिथि के एक दिन पूर्व तक का लेखा प्रस्तुत करना होगा, निर्धारित तिथियों में व्यय लेखा प्रस्तुत न करने की स्थिति में संबन्धित प्रत्याशी के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए उनके जनसभा, जूलूस तथा वाहन की परमिशन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की कार्यवाही की जायेंगी।

# टैबलेट के रिचार्ज से बढ़ा कंपोजिट ग्रांट पर 48 सौ रुपये सालाना का बोझ

**कंपोजिट ग्रांट से होगा टैबलेट की सिम व इंटरनेट का रिचार्ज, महानिदेशक ने जारी किए निर्देश**

स्वतंत्र चेतना

कौशाम्बी। परिषदीय विद्यालयों की कार्य व्यवस्था व शिक्षण कार्य के डिजिटलीकरण को लेकर सभी प्रधानाध्यापकों को टैबलेट दिया गया था, लेकिन विभाग की ओर से सिमकार्ड व इंटरनेट रिचार्ज की व्यवस्था न होने पर शिक्षकों ने इसका विरोध किया। लंबे समय तक हुए विरोध के बाद विभाग ने कंपोजिट स्कूल ग्रांट से रिचार्ज कराने की अनुमति दी है।

जिले में 1092 परिषदीय विद्यालय संचालित हैं। जिनमे 623 प्राथमिक, 160 उच्च प्राथमिक व 309 कंपोजिट विद्यालय हैं। हालांकि अभी कौशाम्बी में मात्र प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालयों को ही टैबलेट मिल सका है। सत्र 2024-25 में सिमकार्ड व इंटरनेट सुविधा के लिए कंपोजिट स्कूल ग्रांट से एक टैबलेट पर अधिकतम 24 सौ जबकि दो टेबलेट के लिए 48 सौ रुपये व्यय करने की अनुमति दी गई है। सिम कार्ड खरीदने के लिए स्थानीय स्तर पर मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी की सुविधा होगी। परिषदीय विद्यालयों को मिलने वाली कंपोजिट स्कूल ग्रांट से ही टैबलेट का सिम कार्ड व इंटरनेट सुविधा के लिए रिचार्ज करने होंगे, इसके लिए अतिरिक्त से कोई बजट जारी नहीं होगा। बेसिक शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी प्रधानाध्यापकों को दिशा निर्देश जारी किए हैं।

परिषदीय विद्यालयों को मिलने वाली कंपोजिट स्कूल ग्रान्ट की धनराशि विद्यालय रखरखाव व रंगाई पुताई के लिए ही पर्याप्त नहीं है। टैबलेट के सिमकार्ड व इन्टरनेट सुविधा के लिए पर्याप्त धनराशि अलग से उपलब्ध कराया जाना उचित होगा।

**विनोद सिंह**
**ब्लॉक अध्यक्ष- उ0प्र0 प्राथमिक शिक्षक संघ, नेवादा**

कंपोजिट ग्रांट से रिचार्ज करवाने के आदेश के टैबलेट में प्रयोग हेतु सीयूजी सिम उपलब्ध कराई जाय। ताकि अगर शिक्षक का ट्रांसफर होता है तो वह आने वाले शिक्षक को सुपुर्द की जा सके।

**अजय कुमार पांडेय**
**जिला अध्यक्ष विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, कौशाम्बी**

विभाग का यह निर्णय स्वागत योग्य है, परन्तु सीमित कंपोजिट ग्रान्ट निधि पर दो टैबलेट का 4800 रू. का बोझ और लादना क्या विद्यालय व्यवस्था के हित में होगा? दूसरा यक्ष प्रश्न अब भी बना है कि सिम के लिए आईडी किसकी लगेगी? काम विभाग का और आईडी शिक्षक की यह कहाँ तक न्यायसंगत है?

**कृष्ण कुमार जायसवाल**
**जिला उपाध्यक्ष- बेसिक शिक्षा वेलफेयर एसोसिएशन, कौशाम्बी**

जब कम्पोजिट ग्रांट पर ही भार बढ़ना है तो टैबलेट के रीचार्ज की 2400 रु0 प्रतिवर्ष की व्यवस्था कुछ विशेष नहीं है। ऑनलाइन व्यवस्था के पहले मानव सम्पदा पोर्टल पर कम से कम 12 इ.एल.और हाफ डेलीव की व्यवस्था होना न्याय संगत है।

सोनी केशरवानी
**जिलाध्यक्ष- महिला शिक्षक संघ कौशाम्बी**

# प्रतिनिधियों की अकर्मण्यता से पिछड़ा कालीन उद्योग: अंसारी

**हमारी टीम को दें एक अवसर, पूरे किए जाएंगे सभी चुनावी वादे**

भदोही। सीईपीसी चुनाव प्रत्याशी रवि पटौदिया, विनय कपूर, संजय गुप्ता ग्रुप से जुड़कर पहली बार सीओए पद के लिए चुनाव लड़ रहे जाबिर बाबू अंसारी ने कहा कि हमारी चुनाव लड़ने की इच्छा इसलिए प्रकट हुई कि पूर्व के पदाधिकारियों ने उद्योग हित में कुछ नहीं किया, जिसकी वजह से आज उद्योग पिछड़ गया है। हमारी टीम का चुनाव लड़ने का उद्देश्य सीईपीसी के माध्यम से उद्योग को आगे ले जाना है। खास यह कि सीओए को सीईपीसी से मिलने वाले सुविधाओं को हमारी टीम न लेते हुए उसे भी उद्योग हित में, खासकर छोटे-मझोले निर्यातकों को कालीन मेले के लिए स्टाल बुकिंग में विशेष सब्सिडी देने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि, हमारी टीम की चुनावी घोषणा है कि मार्ट में 2500 रुपये प्रति स्क्वायर मीटर की दर से स्टाल दिया जाएगा। उद्योग की समस्या समाधान के लिए प्रतिनिधि मंडल लगातार रणनीति बनाकर शासन में संबंधित विभाग के मंत्री, प्रमुख सचिव व वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट करेंगे। पिछड़ते कालीन उद्योग को पटरी पर लाकर व विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा बनी रहे, इसके लिए मुख्य रुप से कार्य किया जाएगा।

प्रत्याशी जाबिर बाबू ने सभी मतदाता निर्यातकों से आग्रह किया कि अब हमारी टीम को एक अवसर दें, हमारी टीम सभी चुनावी वादों को पूरा करेगी।

# हर शेयर पर मुनाफा बांट रही अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** गौतम अडानी समूह की कंपनी-अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) का जनवरी-मार्च तिमाही में नेट प्रॉफिट 76.87 प्रतिशत बढ़ गया है। इस तिमाही में प्रॉफिट 2,014.77 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,139.07 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था।

अडानी पोर्ट्स ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि इस लॉजिस्टिक्स कंपनी की वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में कुल आय बढ़कर 7,199.94 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 6,178.35 करोड़ रुपये थी। इस तिमाही में कुल खर्च बढ़कर 4,450.52 करोड़ रुपये हो गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 3,995 करोड़ रुपये था।

**डिविडेंड का ऐलान-** अडानी पोर्ट्स के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6 रुपये (300 प्रतिशत) डिविडेंड का ऐलान किया है। यह डिविडेंड प्रस्ताव आगामी एजीएम में शेयरधारक के अनुमोदन के

अधीन है। बता दें कि अडानी पोर्ट्स के शेयर की कीमत 1349 रुपये से ज्यादा है। यह एक दिन पहले के मुकाबले 1.30 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया। अप्रैल 2024 में इस शेयर की कीमत 1,425 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

**3.62 करोड़ मीट्रिक टन माल की ढुलाई-** अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने अप्रैल में 3.62 करोड़ मीट्रिक टन (एमएमटी) माल ढुलाई की। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। एपीएसईजेड ने कहा कि अधिकांश घरेलू बंदरगाहों पर वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें धामरा बंदरगाह ने 43.8 लाख मीट्रिक टन अभी तक की सर्वाधिक मासिक माल ढुलाई की गई। उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनी ने कहा कि लॉजिस्टिक्स सेग्मेंट में वृद्धि जारी रही। रेल क्षेत्र सालाना आधार पर पांच प्रतिशत वृद्धि के साथ 49,430 टीईयू और जीपीडब्ल्यूआईएस 26 प्रतिशत बढ़कर 1.8 एमएमटी रहा। बता दें कि अडानी समूह का एक हिस्सा एपीएसईजेड भारत में सबसे बड़ा बंदरगाह डेवलपर व ऑपरेटर है।

## संक्षिप्त समाचार

### एयरबीएनबी ने लॉन्च किया आइकॉन्स

**बॉलीवुड स्टार जाह्नवी कपूर ने चेन्नई में अपने शानदार घर का दरवाजा मेहमानों के लिए खोला**

**मुंबई, एजेंसी।** एयरबीएनबी लोगों के लिए नए तरह का अनुभव आइकॉन्स पेश कर रहा है इसके तहत दुनिया के मशहूर संगीतकार, फिल्म व टेलीविजन कलाकार और खिलाड़ी आदि मेहमानों का अलग अंदाज में स्वागत करेंगे। आइकॉन्स आपको एक ऐसी दुनिया में ले जाएंगे, जिसके बारे में अबतक आप केवल सोचा करते थे। आप चाहें फेरारी संग्रहालय में

सोएं या प्रिंस के पर्पल रेन हाउस में रहें या फिर बॉलीवुड आइकॉन जाह्नवी कपूर के समुद्र तट के समीप वाले घर में एक दिन बिताएं। आज, हम पूरे साल दुनिया भर में शानदार अनुभवों के साथ, एयरबीएनबी पर पहले 11 आइकॉन्स को पेश कर रहे हैं।

एयरबीएनबी के भारत, दक्षिण पूर्व एशिया, हांगकांग और ताइवान के जनरल मैनेजर अमनप्रीत बजाज ने कहा आइकॉन्स' ऐसे अनुभवों को जीवंत करते हैं जो जादुई और वास्तव में कल्पना से परे होते हैं आइकॉन्स लॉन्च के हिस्से के रूप में हम इस विशेष अभियान के लिए जाह्नवी कपूर के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं, जो जाह्नवी के समुद्र तट के समीप वाले घर की एक अभूतपूर्व झलक पेश करेगा। जाह्नवी कपूर ने इस मौके पर कहा मेरे सबसे प्यारी यादें चेन्नई स्थित हमारे घर में परिवार के साथ बिताई गर्मियों की हैं। यह जगह हमेशा एक आरामदायक जगह की तरह महसूस होती है, और मैं इस खास एहसास को अपने प्रशंसकों के साथ साझा करना चाहती हूं, यही वजह है कि मैं पहली बार एयरबीएनबी के जरिए अपने घर के दरवाजे खोल रही हूं।

### 300 रुपये के पार पहुंचे भेल के शेयर, रेलवे सिग्नलिंग बिजनेस के लिए हुई बड़ी डील

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महार प्रतिशत कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के शेयरों में गुरुवार को जबरदस्त तेजी आई है। भेल के शेयर गुरुवार को 6 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 300.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। इसके साथ ही, भेल के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई बनाया है। महार प्रतिशत कंपनी के शेयरों में यह

तेजी एक बड़ी डील के बाद आई है। भेल ने रेलवे सिग्नलिंग बिजनेस के लिए एचआइएमए मिडिल ईस्ट एफजेडई, दुबई के साथ स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट किया है। भेल के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 77.30 रुपये है। एचआइएमए मिडिल ईस्ट एफजेडई रेलवे और प्रोसेस इंडस्ट्रीज में सेफ्टी से जुड़े ऑटोमेशन के लिए सॉल्यूशंस उपलब्ध कराती है। वहीं, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) भारतीय रेलवे को लोकोमोटिव्स के लिए इलेक्ट्रिक्स, ट्रैक्शन मोटर्स, ट्रैक्शन अल्टरनेटर्स और ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर्स की सप्लाई कर रही है।

# जेवर बनवाना हुआ महंगा, फिर चढ़ें सोने-चांदी के भाव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सोने-चांदी के कीमतों में गिरावट आने के बाद गुरुवार को फिर से इनके दाम में बढ़ोतरी देखी गई है। भारतीय वायदा बाजार में सोने-चांदी में उछाल आया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 71,120 पर खुला था। सुबह 10:20 के आसपास इसमें लगभग 400 रुपए की तेजी दिखाई दे रही थी और मेटल 71,118 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। पिछली क्लोजिंग 70,725 पर हुई थी। चांदी 175 रुपए की तेजी के साथ 80,045 रुपए प्रति किलोग्राम पर है। मंगलवार को सिल्वर 79,870 पर बंद हुआ।

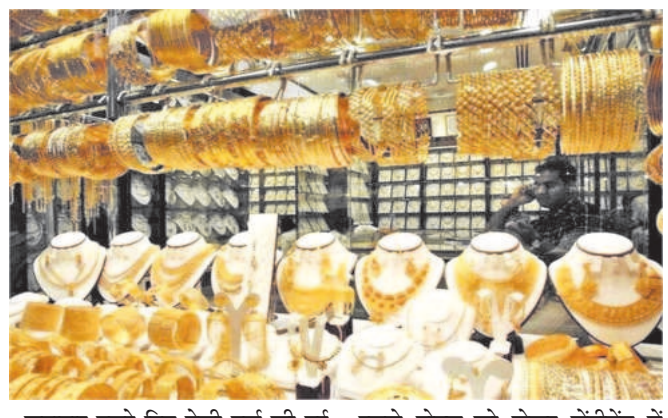

**क्यों उछले सोना-चांदी के दाम-** अमेरिकी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। फेडरल रिजर्व बैंक के मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने अपनी बैठक में लगातार सातवीं बार ब्याज दरों को स्थिर रखा है। हालांकि, फेड ने अब साल के आखिर में एक रेट कट की संभावना जताई है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गोल्ड में लगातार दूसरे दिन तेजी दर्ज की गई है। यूएस स्पॉट गोल्ड 0.3 प्रतिशत चढ़कर 2325 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा था। पिछले सत्र में ये सीधा 1 पर्सेंट ऊपर चढ़ा था। यूएस गोल्ड फ्यूचर भी 1 पर्सेंट चढ़कर 2,334 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा था।

हालांकि, गोल्ड में इस तेजी के पीछे फेड की ओर से अभी भी एक रेट कट में कटौती की संभावनाओं को माना जा रहा है। कम ब्याज दरों में बुलियन की कीमतें ऊपर जाती हैं। इससे गोल्ड को लेकर सेंटीमेंट में सुधार दिख रहा है।

**सर्राफा बाजार में सोने-चांदी के भाव-** अगर दिल्ली सर्राफा बाजार की बात करें तो मंगलवार को मेटल्स में गिरावट दर्ज की गई थी। राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 150 रुपए की गिरावट के साथ 72,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। चांदी की कीमत भी 750 रुपए लुढ़ककर 83,750 रुपए प्रति किलो रह गई थी।

# वेटर की कमाई के आगे दुनिया का बड़े से बड़ा अरबपति भी फेल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कभी वेटर रहे एक शख्स की इस चार महीने की कमाई के आगे दुनिया के बड़े से बड़ा अरबपति भी पिछड़ गयाा है। चाहे एलन मस्क हों या मार्क जुकरबर्ग या फिर दुनिया के सबसे अमीर बर्नार्ड अर्नाल्ट ही क्यों न हों, जेनसेन हुआंग से पिछड़ गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक जेनसेन हुआंग इस साल कमाई में मार्क जुकरबर्ग को पछाड़ नंबर वन बन गए हैं।

जेनसेन हुआंग ने इस साल अबतक अपनी संपत्ति में 29.2 अरब डॉलर जोड़ने में कामयाब रहे। उनका कुल नेटवर्थ भले ही जुकरबर्ग के नेटवर्थ से काफी कम है, लेकिन इस साल इन्होंने कमाई में सभी को पीछे छोड़ दिया है। जेनसेन हुआंग 73.2 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 20वें स्थान पर हैं। जुकरबर्ग इस मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर हैं। इन्होंने इस साल अबतक 28.3 अरब डॉलर की कमाई की है। इनका कुल नेटवर्थ 156 अरब डॉलर है। तीसरे नंबर पर अमेजन के पूर्व सीईओ जेफ बेजोस हैं। इनकी इस साल की कमाई 24.3 अरब डॉलर है। इनके पास 201 अरब डॉलर की संपत्ति है। एलन मस्क ने इस साल 37.5 अरब डॉलर गंवाया है। मस्क की कुल संपत्ति 191 अरब डॉलर रह गई है।

### कभी वेटर थे हुआंग

हुआंग कंप्यूटर प्रोसेसर और एआई टेक्नॉलजी की अग्रणी कंपनी एनवीडिया के चेयरमैन हैं। हुआंग ने 1993 में कंपनी की सह-स्थापना की और 1999 में पहली ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट पेश की। हुआंग ने कभी वेटर का भी काम किया लेकिन, आज इनकी गिनती दुनिया के सबसे अमीर लोगों में होती है।

### किस देश के मूल निवासी हैं हुआंग

1963 में ताइवान के ताइनान में जन्मे हुआंग का परिवार पहली बार थाईलैंड में रिलोकेट हुआ जब वह पांच साल के थे। नौ साल के थे तो दोनों भाई चाचा के साथ रहने के लिए टैकोमा, वाशिंगटन चले गए। अलोहा हाई स्कूल से ग्रैजुएशन किया।

# सीट में थी खराबी; विमान में भारतीय दंपती को रातभर जागना पड़ा, अब सिंगापुर एयरलाइन देगा हर्जाना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सिंगापुर एयरलाइंस को बिजनेस क्लास में ऑटोमैटिक रिक्लाइनर सीटों में खराबी के कारण एक भारतीय दंपती को 2 लाख रुपये से अधिक का मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रवि गुप्ता और उनकी प प्रतिशती ने एयरलाइन के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, बिजनेस क्लास की सीटों के लिए 66,750 रुपये का भुगतान करने के बावजूद, उन्हें स्वचालित रिक्लाइन सुविधा से लैस सीटों को मैन्युअल रूप से एडजस्ट करने के लिए कहा था।

23 मई, 2023 को गुप्ता और उनकी प प्रतिशती हैदराबाद से सिंगापुर होते हुए ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। दंपती द्वारा दायर शिकायत के अनुसार, एयरलाइन के बिजनेस क्लास में रिक्लाइनर सीटें ठीक नहीं हुईं और एयरलाइन ने उन्हें सीटों को मैन्युअल रूप से एडजस्ट करने के लिए कहा।

अपने टिकटों के लिए पर्याप्त राशि का भुगतान करने के बावजूद अपने उड़ान अनुभव पर असंतोष व्यक्त करते हुए, गुप्ता ने कंपनी से इसकी शिकायत की तो उन्हें मुआवजे के रूप में 10,000 फ्रीक्वेंट फ्लायर मील या लॉयल्टी पॉइंट की पेशकश की गई। हालांकि, दंपति ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और कानूनी कार्रवाई करने का विकल्प चुना।

अब तेलंगाना में जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने भारतीय दंपति के पक्ष में फैसला सुनाया और सिंगापुर एयरलाइंस को उन्हें (दंपती को) कथित मानसिक पीड़ा के एवज में 2,13,585 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया।

# अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने नीतिगत ब्याज दरों में एक बार फिर नहीं किया बदलाव, जुलाई 2023 से है अपरिवर्तित

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका से आर्थिक जगत के लिए एक महत्वपूर्ण खबर आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने एक बार फिर प्रमुख ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। ब्याज दरों को 5.25 प्रतिशत से 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। बाजार के जानकारों के अनुसार कारोबार के लिहाज से यह बहुत उत्साह बढ़ाने वाली खबर नहीं है। भारतीय समयानुसार बुधवार की मध्यरात्रि (12 बजे) यूएस फेड ने ब्याज दरों पर अपना फैसला सुनाया। इसके साथ ही यूएस फेड ने ट्रेजरी रिडेम्पशन कैप में भी कटौती की है।

बुधवार का फेडरल रिजर्व का निर्णय निवेशकों के लिए काफी उबाऊ रहा। अधिकारियों ने ब्याज दरों को वही रखा, जैसा जुलाई 2023 में रखा गया था। हालांकि कुछ जानकार कारोबारी फेड के एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर उत्साहित हैं। फेड ने घोषणा की कि वह जून में शुरुआत करते हुए अपने मात्रात्मक कसावट कार्यक्रम को

महत्वपूर्ण रूप से कम करेगा।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की दो दिन की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी बैठक बुधवार देर रात खत्म हो गई। बाजार में पहले से ही अनुमान जताया जा रहा था कि यूएस फेड बेंचमार्क ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और इन्हें लगातार छठी बैठक में भी 5.25 फीसदी से 5.50 फीसदी पर बनाए रखेगा। अमेरिकी शेयर बाजार यानी वॉल स्ट्रीट ने भी यही अनुमान जताया था।

# भारतीय मसालों की गुणवत्ता पर उठे सवाल, निर्यात पर बड़ा खतरा!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के मसाले दुनियाभर में खाए और बेचे जाते हैं लेकिन जिस तरह के क्वालिटी से संबंधित मामले कई देशों से निकलकर सामने आए हैं, उससे देश के मसाला कारोबार को बड़े संकट में डाल दिया है। दुनिया भर के कई देशों में भारत से आने वाले मसालों पर गुणवत्ता को लेकर कार्रवाई की गई है। ये देश घरेलू मसाला बाजारों के लिए अहम बाजार हैं। आंकड़ों के अनुसार फिलहाल जिन देशों में मसालों को लेकर सवाल खड़े हुए हैं वहां भारत से 70 करोड़ डॉलर (करीब 6 हजार करोड़ रुपए) के मसालों का निर्यात किया जाता है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक अगर कुछ और देश भारत में उत्पन्न होने वाले मसालों पर सवाल

खड़े करते हैं तो आधा एक्सपोर्ट कारोबार जोखिम में आ सकता है।

**क्या है मामला-** हॉन्गकॉन्ग की फूड रेग्युलेटरी अथॉरिटी सेंटर फॉर फूड सेफ्टी ने 5 अप्रैल को एक रिपोर्ट जारी की थी जानकारी दी गई कि एमडीएच के तीन उत्पाद मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला और करी पाउडर में कीटनाशक एथलीन ऑक्साइड की मात्रा तय सीमा से ज्यादा मिली है। इसके साथ ही एवरेस्ट के फिश करी मसाले में भी कीटनाशक की मात्रा मिली है। वेंडर्स को अथॉरिटी ने निर्देश दिए हैं कि इन उत्पादों को अपने काउंटर से हटा लें और इनकी बिक्री को रोक दिया जाए। लंबी समय तक एथलीन ऑक्साइड के इस्तेमाल से गंभीर रोग होने की आशंका होती है।

इस कदम के बाद अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और माले ने भी एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए हैं। वित्त वर्ष 2024 में भारत ने इन देशों में 69.2 करोड़ डॉलर मूल्य के मसालों का निर्यात किया था। सवाल खड़े करने के बाद इस पूरे कारोबार पर असर पड़ने की आशंका बन गई है।

### बढ़ सकता है असर

निजी ट्रेड रिसर्च थिंकटैंक ने चेतावनी जारी की है कि अगर इन देशो में चीन भी शामिल हो जाता है तो भारत से एक्सपोर्ट होने वाले कुल मसाले का 51 फीसदी कारोबार सवालों के दायरे में आ जाएगा जो कि 2.17 अरब डॉलर के बराबर है। वहीं अगर यूरोपियन यूनियन क्वालिटी को लेकर कोई सवाल खड़े करता है तो 2.5 अरब डॉलर का कारोबार सवालों के दायरे में आ जाएगा। एमडीएच और एवरेस्ट, अमेरिका, यूरोप, मिडिल ईस्ट और यूके में अपने मसाले भेजते हैं। जीटीआरआई ने कहा है कि फिलहाल जरूरत है कि अथॉरिटी तेजी के साथ एक्शन लें और ग्लोबल मार्केट में अपना भरोसा वापस पाने की कोशिश करें। जीटीआरआई ने चेतावनी दी है कि अगर देश के कुछ बड़े ब्रांड पर सवाल खड़े होते हैं तो इसके साथ ही देश के पूरे मसाला उद्योग को लेकर भी सवाल खड़े किए जाएंगे।

# वेदांता की भारत में 4 साल में 20 अरब डॉलर निवेश करने की योजना, बोले अनिल अग्रवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि समूह ने अगले चार साल में भारत में अपने सभी कारोबारों में 20 अरब डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा है। अग्रवाल ने कंपनी के एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि समूह अपने इस्पात कारोबार को केवल सही कीमत पर बेचेगा और सही कीमत नहीं मिलने पर वह इसे चलाना जारी रखेगा।

अग्रवाल ने कहा, फिलहाल हमारी योजना चार साल में विभिन्न क्षेत्रों में 20 अरब डॉलर निवेश करने की है। उन्होंने कहा कि यह निवेश प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्लास व्यवसायों के अलावा ऐसे अन्य गतिविधियों पर केंद्रित होगा जिसमें समूह शामिल है। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन और लैपटॉप स्क्रीन बनाने में उपयोग किए जाने वाले सेमी-कंडक्टर और ग्लास भविष्य के दृष्टिकोण से बहुत आवश्यक हैं, उन्होंने कहा कि समूह पहले से ही दोनों व्यवसायों में मौजूद है। कंपनी के पास सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए गुजरात में जमीन है और वह एक विश्वसनीय और मजबूत साझेदार की तलाश कर रही है।

कंपनी के कर्ज की स्थिति को लेकर चिंताओं के बीच अग्रवाल ने कहा कि कंपनी का कुल कर्ज फिलहाल केवल 12 अरब डॉलर है और ऐसा लगता है कि इसका प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समूह ने कोई भी ऋण चुकाने में कभी चूक नहीं की है।

## साद बिन जफर पहली बार कनाडा की टी20 विश्व कप टीम की कप्तानी करेंगे

**ओंटारियो, एजेंसी।** कनाडा ने वेस्टइंडीज और यूएसए में 1 जून से शुरू होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें ऑलराउंडर साद बिन जफर को कप्तान बनाया गया है। जफर पहली बार टी20 विश्व कप में कनाडा की कप्तानी करेंगे। टीम को



पूर्व श्रीलंकाई और कनाडाई अंतर्राष्ट्रीय पुबुदु दस्सानायके द्वारा प्रशिक्षित किया गया है, जिन्होंने 2022 में बागडोर संभाली थी। कनाडा को ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, आयरलैंड और अमेरिका के साथ रखा गया है। वे 1 जून को डलास में पड़ोसी देश अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, इसके बाद उत्तरी अमेरिकी देश को 7 जून को आयरलैंड का सामना करना है। इसके बाद 11 जून को पाकिस्तान और 15 जून को भारत के खिलाफ उनका मुकाबला होगा।

टीम : साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, डिलन हेलिगर, दिलप्रीत बाजवा, हर्ष ठाकेर, जेरेमी गॉर्डन, जुनैद सिद्दीकी, कलीम सना, कंवरपाल ताथगुर (विकेटकीपर), नवनीत धालीवाल, निकोलस किर्टन, परगट सिंह, रविंदरपाल सिंह, रेयानखान पठान, श्रेयस मोव्वा (विकेटकीपर)।

रिजर्व : तजिंदर सिंह, आदित्य वरदराजन, अम्मार खालिद, जतिंदर मथारू, परवीन कुमार।

## आईपीएल 2024 के शेष लीग मैचों से बाहर हो सकते हैं मयंक

**लखनऊ, एजेंसी।** लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के तेज गेंदबाज मयंक यादव, जिन्हें मंगलवार को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच के दौरान पेट में दर्द के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा, के आईपीएल 2024 के शेष लीग मैचों से बाहर होने की संभावना है।

मयंक को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान चोट लगी थी जिससे उनके आगे मैच खेलने पर संशय पैदा हो गया है। मयंक पिछले चार सप्ताह में दूसरी बार चोटिल हुए हैं। सूत्रों ने बताया, मंयक यादव के पूरी तरह ठीक होने में पहले की अपेक्षा




अधिक समय लगेगा। वह बुरी स्थिति में नहीं हैं, लेकिन शेष मैचों में उनकी भागीदारी संदेह में है। बुधवार को उनका स्कैन किया गया है लेकिन रिपोर्ट आनी बाकी है। मेडिकल टीम ने मयंक यादव को कम से कम तीन सप्ताह के आराम का सुझाव दिया है। एलएसजी के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने स्टार तेज गेंदबाज मयंक यादव की चोट पर अपडेट देते हुए कहा है

### आईपीएल 2024 : अंक तालिका

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| राजस्थान | 9 | 8 | 1 | 16 |
| कोलकाता | 8 | 5 | 3 | 10 |
| हैदराबाद | 9 | 5 | 4 | 10 |
| लखनऊ | 10 | 6 | 4 | 12 |
| दिल्ली | 10 | 5 | 5 | 10 |
| चेन्नई | 10 | 5 | 5 | 10 |
| गुजरात | 10 | 4 | 6 | 8 |
| पंजाब | 10 | 4 | 6 | 8 |
| मुंबई | 10 | 3 | 7 | 6 |
| बेंगलुरु | 10 | 3 | 7 | 4 |

रिंकू सिंह के पिता ने कहा

# बहुत उम्मीदें थीं, उसका दिल टूट गया है...

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत की टी20 विश्व कप टीम से रिंकू सिंह को बाहर किए जाने पर उनके पिता खानचंद्र सिंह ने कहा कि परिवार में मिठाइयां और पटाखे तैयार थे क्योंकि बहुत उम्मीदें थीं। बीसीसीआई ने मंगलवार को टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। मुख्य टीम में रिंकू शामिल नहीं थे क्योंकि उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रखा गया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, उनके पिता ने भारत 24 के हवाले से कहा,बहुत उम्मीदें थीं और इसलिए थोड़ी निराशा है। हम जश्न मनाने के लिए मिठाइयाँ, पटाखे लाए, हमने सोचा कि रिंकू पहले ग्यारह में खेलेंगे। फिर भी , हम बहुत खुश थे। हां, उसका दिल टूट गया है। उसने अपनी मां से बात की और उन्हें बताया कि उसे 11 या 15 में नहीं चुना गया है। लेकिन उसने यह भी कहा कि वह टीम के साथ यात्रा करेगा।

रिंकू ने 15 टी-20 मैच खेले हैं और 176.24 के स्ट्राइक रेट और 89.0 के औसत के साथ 69 के उच्चतम स्कोर के साथ 356 रन बनाए हैं।

दीपक चाहर की चोट पर सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दिया अपडेट

# 'चहर अच्छे नहीं दिख रहे'

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने तेज गेंदबाज दीपक चाहर की चोट के बारे में अपडेट दिया और कहा कि 31 वर्षीय खिलाड़ी अच्छे नहीं दिखते। बुधवार को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के मुकाबले के दौरान चाहर गेंदबाजी करते समय चोट लगने के बाद मैदान से बाहर चले गए।

उन्हें दूसरी पारी का पहला ओवर दिया गया। दूसरी डिलीवरी के तुरंत बाद सीएसके के गेंदबाज ने कप्तान रुतुराज गायकवाड़ से बात की और अपने स्पेल में सिर्फ दो गेंदें फेंकने के बाद मैदान से बाहर चले गए। चाहर के स्पेल की बाकी चार गेंदें पूरी करने के लिए शार्दुल ठाकुर को बुलाया गया। मैच के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि चाहर की चोट बहुत अच्छी नहीं थी। उन्होंने कहा कि सीएसके टीम प्रबंधन अधिक सकारात्मक रिपोर्ट की प्रतीक्षा कर रहा है। मुख्य कोच ने कहा कि तुषार देशपांडे इस समय फ्लू से पीड़ित हैं जिसके कारण उन्हें अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया गया है।

फ्लेमिंग ने कहा, दीपक चाहर अच्छे नहीं दिखते। शुरुआती अहसास अच्छा नहीं था। इसलिए हम और सकारात्मक रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। फिजियो और डॉक्टर देखेंगे। श्रीलंकाई लड़के वीजा लेने के लिए रवाना हो गए हैं। इसलिए हम उम्मीद कर रहे हैं कि उनकी प्रक्रिया ठीक रहेगी। हम उन्हें उत्तर में (धर्मशाला में) अपने अगले मैच के लिए वापस ले आए। रिचर्ड ग्लीसन अच्छे थे, तुषार देशपांडे को फ्लू हो गया था, इसलिए हमें आज कुछ बदलाव करने पड़े, जो थोड़ा असामान्य है यह इसका हिस्सा है और हमारे पास संसाधन हैं। यह सिर्फ इतना है कि उन्हें अपनी भूमिकाओं के बारे में सहज होने का समय नहीं मिला है और हमें उस गेम प्लान के साथ सहज होने का समय नहीं मिला है जिसके साथ हम संघर्ष कर रहे हैं।

# चार भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे, पदक पक्का

**अस्ताना, एजेंसी।** भारतीय युवा मुक्केबाज आर्यन, यशवर्धन सिंह, प्रियांशु और साहिल ने बुधवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में एएसबीसी एशियन अंडर-22 और यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2024 में आत्मविश्वास से भरी जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया और अपने लिए पदक पक्का कर लिया। आर्यन ने 51 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान के जुराव शकरबॉय के खिलाफ 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से जीत के साथ भारत को बेहतरीन शुरुआत दी। उनकी जीत के बाद यशवर्धन (63.5 किग्रा) ने जीत हासिल की, जिन्होंने ईरान के मिरहमादी बाबाहेदरी पर 4-1 से जीत हासिल की।

दूसरी ओर, प्रियांशु (71 किग्रा) और साहिल (80 किग्रा) को जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा और उन्होंने क्रमश- चीनी ताइपे के वू यू एन और तुर्कमेनिस्तान के यकलीमोव अब्दिरहमा के खिलाफ रेफरी स्टॉप द कॉन्टेस्ट (आरएससी) के फैसले के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस बीच, जतिन ने 57 किग्रा वर्ग में अपना



अभियान उज्बेकिस्तान के ए नोदिरबेक के खिलाफ 1-4 से हार के साथ समाप्त किया। यूथ सेमीफाइनल शुक्रवार को खेला जाएगा। आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांशा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) अपने-अपने युवा क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में आज उतरेंगे।

मंगलवार देर रात जुगनू (86 किग्रा), तम्मना (50 किग्रा) और प्रीति (54 किग्रा) ने जीत हासिल कर अंडर-22 सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गुरुवार को आठ अंडर-22 मुक्केबाज अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के लिए रिंग में उतरेंगे, एम जदुमणि सिंह (51 किग्रा), आशीष (54 किग्रा), निखिल (57 किग्रा), अजय कुमार (63.5 किग्रा), अंकुश (71 किग्रा) और ध्रुव सिंह। पुरुष वर्ग में (80 किग्रा) जबकि महिला वर्ग में गुड्डी (48 किग्रा) और पूनम (57 किग्रा) अपनी चुनौती रखेंगी। यूथ और अंडर-22 वर्ग का फाइनल क्रमशः 6 और 7 मई को खेला जाएगा।

# खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई की कोलकाता से भिड़ंत, प्लेऑफ की राह मुश्किल

मुंबई: खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स अपनी कमजोरियों से पार पाने के इरादे से उतरेगी। नौ मैचों में छह जीत के बाद 12 अंक लेकर केकेआर तालिका में दूसरे स्थान पर है और प्लेआफ में उसकी जगह लगभग पक्की लग रही है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम को हालांकि हर विभाग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके किसी तरह की कोताही से बचना होगा। केकेआर ने पिछले छह में से तीन मैच गंवाये हैं और पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके उसे हराया लेकिन फिर केकेआर ने वापसी करके दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से मात दी। बल्लेबाजी में अति आक्रामक रवैये का केकेआर को फायदा मिला है लेकिन गेंदबाजी में सुधार की गुंजाइश है।

मिचेल स्टार्क प्रति ओवर 12 की दर से रन लुटा रहे हैं और उन्हें सात ही विकेट मिले हैं। बल्लेबाजों की मददगार पिचों पर आस्ट्रेलिया का यह तेज गेंदबाज कोई कमाल नहीं कर पा रहा। हर्षित राणा ने सर्वाधिक 11 विकेट लिये हैं लेकिन दिल्ली के अभिषेक पोरेल के विकेट पर अति आक्रामक जश्न मनाने के कारण उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है। वैभव अरोड़ा ने पांच मैचों में नौ विकेट लिये हैं।

वानखेड़े स्टेडियम बल्लेबाजों की मददगार पिच के लिये मशहूर है और इस पर 200 से अधिक का स्कोर बनना तय है। ऐसे में नजरें रिंकू सिंह पर भी होंगी जिन्हें टी20 विश्व कप के लिये भारत की मुख्य टीम में जगह नहीं मिलने से काफी बहस हो रही है। उन्हें इस साल आईपीएल में खेलने का अधिक समय ही नहीं मिल सका। दूसरी ओर मुंबई प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर लग रही है हालांकि उसे पांच मैच और खेलने हैं।इनमें सभी जीतने पर भी उसके 16 ही अंक होंगे जो प्लेआफ में जगह बनाने के लिये शायद कम होंगे।

जसप्रीत बुमराह (14 विकेट) और गेराल्ड कोएत्जी (13 विकेट) मुंबई के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं लेकिन एक ईकाई के रूप में टीम गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। बल्लेबाजी में तिलक वर्मा ने तीन अर्धशतक समेत 343 रन बनाये हैं लेकिन बाकी बल्लेबाज नाकाम ही रहे हैं। ईशान किशन



लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और पावरप्ले में विकेट गंवाना मुंबई की कमजोरी रही है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 158 . 29 की स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं लेकिन लगातार बड़ी पारियां नहीं खेल सके हैं। टी20 विश्व कप से पहले उनके फॉर्म पर भी नजरें होंगी। वहीं सूर्यकुमार यादव ने दो अर्धशतक बनाये हैं लेकिन अपनी क्षमता के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सके हैं। कप्तान हार्दिक पंड्या बल्ले या गेंद किसी से भी कमाल नहीं कर सके हैं लेकिन टी20 विश्व कप टीम का उपकप्तान बनाये जाने से उनका मनोबल बढा होगा।

टीमें :मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्जी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

कोलकाता नाइट राइडस: श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान।

# चैंपियंस ट्रॉफी 2025...

## भारत सभी मैच लाहौर में खेल सकता है: टीम की सिक्योरिटी के कारण सुझाव, तीन वेन्यू पर हो सकता है टूर्नामेंट

कराची, एजेंसी। क्रिकइंफो के मुताबिक क्क्क चैंपियंस ट्रॉफी के सभी मैच तीन शहरों (कराची, लाहौर और रावलपिंडी) में करा सकता है। इसमें से भारत के सभी मैच लाहौर में हो सकते




हैं, ताकि टीम की सिक्योरिटी का मैनेजमेंट सही तरीके से हो सके। इसका एक और कारण यह है कि लाहौर भारत के वाघा बॉर्डर से नजदीक है।

क्क्क के सूत्रों के मुताबिक ड्डष्ट महाप्रबंधक वसीम खान ने भी हाल ही में लाहौर का दौरा किया था, जहां उन्होंने क्क्क के अधिकारियों के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के इंतजामों को लेकर चर्चा की थी और यह सुझाव दिया था कि भारतीय टीम को कम ट्रैवल कराया जाए।

- **हम लगातार ड्डष्ट के संपर्क में बने हुए- नकवी-** क्क्क अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने लाहौर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान में होने वाले मैचों का शेड्यूल भेज दिया है। ड्डष्ट की सिक्योरिटी टीम आई थी और हमारी बहुत अच्छी मीटिंग हुई। हम लगातार ड्डष्ट के संपर्क में बने हुए हैं। हम इस बात की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि हम अच्छा टूर्नामेंट होस्ट करें।
- **टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने पर संशय-** पिछले महीने एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि (ड्डष्ट) इसे एशिया कप की तरह 'हाइब्रिड मॉडल' पर करा सकता है। ड्डष्ट के कार्यकारी बोर्ड के एक सूत्र ने क्क्ड्ड से कहा था, यदि भारत सरकार टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजना नहीं चाहती तो, ड्डष्ट वहां के बोर्ड पर दबाव नहीं बना सकती है। उसे विकल्प तलाशना होगा।
- **भारत के कहने पर एशिया कप के मैच श्रीलंका में हुए थे-** पिछले साल भी एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी।

## ओमान ने ज्ज20 विश्व कप टीम का किया ऐलान, आकिब इलियास करेंगे कप्तानी

मस्कट, एजेंसी। बल्लेबाजी ऑलराउंडर आकिब इलियास को 1 जून से शुरू होने वाले आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए ओमान का कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम की घोषणा में कप्तान के रूप में इलियास का नाम घोषित किया गया, जबकि पूर्व कप्तान जीशान मकसूद ने समूह में अपना स्थान बनाए रखा। 36 वर्षीय ने 2016 में ओमान के ज्ञ20 विश्व कप की शुरुआत में सुल्तान अहमद के डिप्टी थे और 2021 संस्करण में टीम का नेतृत्व किया, जिसकी उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के साथ सह-मेजबानी की थी। आईसीसी ने आकिब के हवाले से कहा कि मैं कप्तानी सौंपे जाने पर वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह एक बड़ी ज़िम्मेदारी है, और मेरा लक्ष्य टीम को कई जीत दिलाना है। हम विश्व कप के लिए कड़ी तैयारी कर रहे हैं, और हाल ही में एसीसी प्रीमियर कप ने हमें अमूल्य तैयारी प्रदान की है।

**ओमान टीम:** आकिब इलियास (कप्तान), जीशान मकसूद, कश्यप प्रजापति, प्रतीक अठावले (विकेटकीपर), अयान खान, शोएब खान, मोहम्मद नदीम, नसीम खुशी (विकेटकीपर), मेहरान खान, बिलाल खान, रफीउल्लाह, कलीमुल्लाह, फैयाज बट , शकील अहमद।

**रिजर्व:** जतिंदर सिंह, समय श्रीवास्तव, सुफियान महमूद, जय ओडेद्रा

# प्रणय ने ओलिंपिक मेडलिस्ट को दी मात

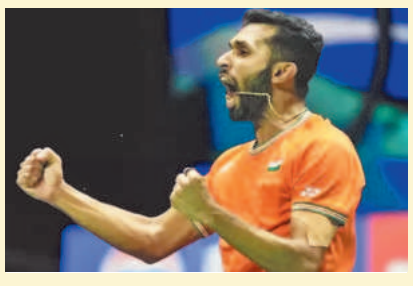



## फिर भी थॉमस कप में इंडोनेशिया को नहीं हारा पाया भारत

**चेंगदू (चीन), एजेंसी।** गत चैंपियन भारत बुधवार को थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में इंडोनेशिया की मजबूत टीम के खिलाफ 1-4 से हार गया और अपने ग्रुप में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाया। भारत और इंडोनेशिया दोनों पहले ही अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं लेकिन इंडोनेशिया ग्रुप सी के विजेता के रूप में नॉकआउट में जाएगा। इस मुकाबले में हार के बावजूद भारत के लिए सकारात्मक पक्ष एच एस प्रणय रहे जिन्होंने स्वास्थ्य समस्याओं से उबरकर वापसी करते हुए जीत दर्ज की। अब क्वार्टर फाइनल में भारत की भिड़त चीन से होगी।

## सात्विक और चिराग कांटे की टक्कर में हारे

थॉमस कप 2022 के फाइनल भारत ने इंडोनेशिया को ही 3-0 से हराकर खिताब जीता था। पुरुष एकल में भारत के नंबर एक खिलाड़ी प्रणय ने शुरुआती मैच में पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए एंथनी गिंटिंग को 13-21, 21-12, 21-12 से हराकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

## एक नजर

### लंदन को अपराधों से लड़ने वाला नेता चाहिए, मेयर का चुनाव लड़ रहे भारतीय मूल के तरुण गुलाटी का बयान

लंदन के मेयर चुनाव से ठीक पहले अज्ञात हमलावर ने हाथ में तलवार लेकर शहर की सड़कों पर आतंक मचा दिया था। इस बारे में लंदन में मेयर का चुनाव लड़ रहे भारतीय मूल के तरुण गुलाटी का कहना कि ब्रिटेन की राजधानी को क्राइम फाइटर मेयर की जरूरत है। गुलाटी ने शहर की सड़कों पर अज्ञात हमलावर द्वारा तलवारबाजी की घटना को शर्मनाक करार दिया है। बता दें कि इस घटना में 14 वर्षीय लड़के की मौत हो गई थी। चुनाव से एक दिन पहले तरुण गुलाटी ने सादिक खान पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्य राजनीतिक दलों ने लंदनवासियों को निराश किया है। बता दें कि सादिक खान रिकॉर्ड तीसरी बार मेयर बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

### प्रवासियों की बात करते-करते चीन से भारत-जापान की तुलना करने लगे राष्ट्रपति बाइडन, दे दिया अटपटा बयान

वॉशिंगटन अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपने बयानों के कारण अक्सर काफी सुर्खियों में रहते हैं। अब एक बार फिर उन्होंने कुछ ऐसा बोल दिया, जिससे विवाद बढ़ सकता है। दरअसल, प्रवासियों का जिक्र करते हुए बाइडन ने भारत-जापान की तुलना चीन से कर दी। उन्होंने कहा कि चीन, भारत और जापान में जेनोफोबिया यानी प्रवासियों के प्रति डर है, इसलिए इन देशों का आर्थिक विकास नहीं हो पा रहा है। साथ ही उन्होंने तर्क दिया कि प्रवासन संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है। गौरतलब है, अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में राष्ट्रपति बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों नेता एक दूसरे से आगे निकलने के लिए एक दूसरे पर वार-पलटवार करते रहते हैं। इस बीच, राष्ट्रपति चुनाव के लिए फंड जुटाने वाले एक कार्यक्रम में बाइडन ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था क्यों बढ़ रही है इसका एक कारण आप और कई अन्य लोग हैं। उन्होंने कहा कि हम इसलिए आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि हम प्रवासियों का स्वागत करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, चीन आर्थिक रूप से इतनी बुरी तरह क्यों पिछड़ रहा है। जापान को क्यों समस्या हो रही है, रूस और भारत को क्यों हैं, क्योंकि वे जेनोफोबिक हैं। वे प्रवासियों को नहीं चाहते हैं। अप्रवासी ही हमें मजबूत बनाते हैं।

### मेक्सिको की खाड़ी में मिला दुनिया का सबसे गहरा ताम जा ब्लू होल, नहीं जा सका है कोई गोताखोर व सबमरीन

मेक्सिको सिटीमेक्सिको में दुनिया सबसे गहरा ब्लू होल मिला है। यह मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप के चेतुमल खाड़ी में है। इसका नाम है ताम जा ब्लू होल। अभी तक वैज्ञानिक इसकी गहराई नाप नहीं पाए हैं लेकिन शुरूआती गणना के अनुसार ये करीब 1,380 फीट गहरा है और समुद्र के नीचे की सतह में है।
इससे पहले सबसे गहरे गड्ढे का रिकॉर्ड दक्षिणी चीन सागर में मौजूद ड्रैगन होल के नाम था। यह 990 फीट गहरा था। जबकि, ताम जा ब्लू होल चीन के गड्ढे से 390 फीट ज्यादा गहरा है। पिछले वर्ष छह दिसंबर को गोताखोरों ने इस गड्ढे को ढूंढ निकाला था। इस संबंध में बीते 29 अप्रैल को फ्रंटियर्स इन मरीन साइंस जर्नल में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। वैज्ञानिकों ने इसकी गहराई नापने के लिए कंडक्टिविटी, टेंपरेचर एंड डेप्थ प्रोफाइलर (सीटीडी) तकनीक का इस्तेमाल किया। इससे समंदर के नीचे की सतह का रियल टाइम डेटा मिलता है। जिससे पता चलता है कि यह दुनिया का सबसे गहरा ब्लू होल है।

### लेफ्ट पार्टी की महिला नेताओं को बनाया जा रहा निशाना, वामपंथी पार्टी ने कांग्रेस पर लगाए आरोप

तिरुवनंतपुरम केरल की सत्ताधारी वामपंथी पार्टी सीपीआईएम की युवा शाखा डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) ने आरोप लगाया है कि उनकी पार्टी की महिला नेताओं के खिलाफ इंटरनेट पर काफी कुछ बुरा-भला कहा जा रहा है। डीवाईएफआई ने कांग्रेस पार्टी पर इसका आरोप लगाया। डीवाईएफआई के नेता और राज्यसभा सांसद एए रहीम ने आरोप लगाया कि सीपीआईएम की वरिष्ठ नेता के के शैलजा और तिरुवनंतपुरम की मेयर आर्या राजेंद्रन को सोशल मीडिया पर निशाना बनाया जा रहा है और उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की जा रही हैं।
एए रहीम ने कहा कि अगर किसी को लगता है कि महिलाओं को इस अभद्र तरीके से निशाना बनाया जा सकता है तो ये उनके लिए अच्छा नहीं है। महिला नेताओं को सिर्फ उनकी विचारधारा की वजह से निशाने पर लिया जा रहा है।

# क्या कोविड-19 महामारी और बच्चों में मोटापे में सीधा संबंध?

यूरोपीय क्षेत्र में विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) कार्यालय ने अपनी एक नई रिपोर्ट में कोविड-19 महामारी और 7 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों में मोटापे की बढ़ती दर के बीच संबंध की पुष्टि की है। यह अध्ययन बुधवार को सामने आया। ये दशार्ता है कि वैश्विक महामारी के कारण बच्चों की शारीरिक सक्रियता पर असर हुआ है।
यूएन विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों ने फोन, लैपटॉप या अन्य उपकरणों की स्क्रीन पर कहीं अधिक समय बिताया, उनके शारीरिक रूप से सक्रिय होने में कमी आई और वजन जरूरत से ज्यादा बढ़ने के मामलों में उछाल आया। यूएन स्वास्थ्य एजेंसी के इस सर्वेक्षण के लिए यूरोपीय क्षेत्र में स्थित 53 सदस्यों में से 17 देशों में 2021 से 2023 के दौरान राय जानने का प्रयास किया गया। 50 हजार से अधिक बच्चों ने इस सर्वेक्षण में हिस्सा लिया।
हल्ड के अध्ययन के अनुसार वैश्विक महामारी के दौरान निम्न रुझान देखे गए हैं:
36 प्रतिशत बच्चों के लिए टेलिविजन देखने, ऑनलाइन गेम खेलने या सप्ताह के दौरान सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने के समय में वृद्धि हुई।
34 प्रतिशत बच्चों ने सप्ताहांत में मनोरंजन के लिए अपना स्क्रीन टाइम बढ़ाया।
28 प्रतिशत बच्चों द्वारा घर से बाहर जाकर बिताए गए समय में गिरावट आई, और 23 फीसदी बच्चों के लिए सप्ताहांत में इसमें कमी देखी गई।
परिवारों ने बताया कि घर में तैयार भोजन को खाने, परिवार के रूप में एक साथ बैठकर खाने और बच्चों के साथ खाना पकाने में भी स्थिति बेहतर हुई है।
42 प्रतिशत बच्चों ने बताया कि वे पहले से कम खुश हैं और उनके कल्याण पर असर हुआ है।
हर पांच में से एक बच्चा अक्सर दुखी रहने का अनुभव महसूस करता है। हर चार में से एक बच्चा स्वयं को अकेला समझ रहा है।
हल्ड यूरोपीय कार्यालय में पोषण, शारीरिक सक्रियता व मोटापे पर क्षेत्रीय सलाहकार डॉक्टर क्रेमलिन विक्रमासिंघे ने बताया कि कुछ देशों में सकारात्मक बदलाव आए हैं, जैसे कि परिवार एक साथ मिलकर खाना खा रहा है। मगर, ऐसे भी देश हैं जहां हालात चिंताजनक है। बच्चों में अस्वस्थ ढंग से खाने-पीने की प्रवृत्ति बढ़ी है और उनके शारीरिक रूप से शिथिल बने रहने की अवधि भी बढ़ी है।
डॉक्टर विक्रमासिंघे ने स्पष्ट किया कि इन रुझानों को नजरअंदाज करने का जोखिम मोल नहीं लिया जा सकता है। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र में, हर तीन में से एक बच्चा जरूरत से अधिक वजन और मोटापे में जीवन गुजार रहा है। फलों और सब्जियों की खपत पहले से ही कम है।
उन्होंने उम्मीद जताई कि यह रिपोर्ट एक चेतावनी के रूप में काम करेगी, जिससे क्षेत्र में पोषण स्थिति बेहतर बनाने, शारीरिक सक्रियता रुझानों में सुधार करने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने ऐसा माहौल सृजित करने का आग्रह किया, जहां स्वस्थ व्यवहार को समर्थन दिया जा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि बाल मोटापे से जल्द से जल्द निपटा जाना अहम है।
यूरोपीय क्षेत्र में स्थित देशों को सभी आयु वर्ग के बच्चों के लिए बेहतर खान-पान और शारीरिक सक्रियता को प्राथमिकता देनी होगी।

# संयुक्त राष्ट्र सदस्यता देने की फलस्तीन की मांग का भारत ने किया समर्थन

## अमेरिका ने किया था विरोध

वॉशिंगटन संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने एक बार फिर इस्राइल-फलस्तीन विवाद पर भारत का रुख साफ किया और कहा कि दो राष्ट्र सिद्धांत ही दोनों देशों के बीच विवाद का समाधान कर सकता है। रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत, दो राष्ट्र सिद्धांत का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। तभी फलस्तीन के लोग सुरक्षित सीमाओं के साथ आजादी से रह सकेंगे। साथ ही इस्राइल की सुरक्षा चिंताओं का भी समाधान हो सकेगा।
फलस्तीन की संयुक्त राष्ट्र सदस्यता का भारत ने किया समर्थन
भारत ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता के लिए फलस्तीन की मांग का समर्थन किया है। बता दें कि पिछले महीने अमेरिका ने फलस्तीन की इस मांग का विरोध किया था। रुचिरा कंबोज ने कहा कि हमें उम्मीद है कि संयुक्त राष्ट्र में फलस्तीन की सदस्यता पर उचित समय पर पुनर्विचार किया जाएगा और संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बनने के फलस्तीन के प्रयास को समर्थन मिलेगा। गौरतलब है कि साल 1974 में फलस्तीन मुक्ति संगठन को फलस्तीन के लोगों के एकमात्र और वैध प्रतिनिधि के रूप में मान्यता देने वाला भारत पहला गैर अरब देश था।
साल 1988 में भारत ने फलस्तीन को अलग देश की मान्यता दी थी। बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को संबोधित करते हुए रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत के नेतृत्व ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि इस्राइल और फलस्तीन के बीच सीधी और सार्थक बातचीत होनी चाहिए और दोनों देशों में दो राष्ट्र के सिद्धांत से ही शांति आ सकती है। भारत ने इस दिशा में दोनों देशों से सीधी शांति वार्ता फिर से शुरू करने की अपील की।
इस्राइल पर हुए 7 अक्तूबर के हमले की भी भारत ने की आलोचना
इस्राइल हमास के बीच जारी युद्ध पर भारत ने कहा कि इस संघर्ष के कारण बड़े पैमाने पर नागरिकों, खासकर महिलाओं और बच्चों की जान गई है और गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है, जो बिल्कुल अस्वीकार्य है। कंबोज ने इस्राइल पर 7 अक्तूबर को हुए हमले की भी कड़ी निंदा की और कहा कि वह आतंकी हमला चौंकाने वाला था और इसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए। भारत का रुख आतंकवाद के सभी रूपों के साथ समझौता न करने वाला रहा है। भारत सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग करता है। कंबोज ने कहा कि गाजा में हालात बिगड़ने से रोकने के लिए तुरंत मानवीय सहायता पहुंचाई जानी चाहिए।

# पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने की कांग्रेस की तारीफ; भड़की भाजपा, कहा- आज रिश्ता साफ हुआ

नई दिल्ली। भारत में लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गलियारों में पहले से ही हलचल मची हुई है। आरोप- प्रत्यारोप का दौर जारी है। ऐसे में एक बार फिर भाजपा और कांग्रेस के बीच तनाव पैदा हो गया है। दरअसल, पाकिस्तान के एक पूर्व मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सोशल मीडिया पर तारीफ की है। इसी पोस्ट को लेकर भाजपा ने विपक्षी पार्टी को आड़े हाथ ले लिया है।
पूर्व पाकिस्तानी मंत्री चौधरी फवाद हुसैन ने बुधवार को एक्स पर राहुल गांधी के भाषण के कुछ अंश साझा किया। साथ ही उन्होंने लिखा, राहुल ऑन फायर।
मित मालवीय ने साधा निशाना
इस पर भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इमरान खान की कैबिनेट में हुसैन की पिछली भूमिका की ओर इशारा करते हुए पाकिस्तान के साथ कांग्रेस के जुड़ाव पर सवाल उठाया। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी कांग्रेस पर पाकिस्तान के साथ स्पष्ट गठबंधन करने का आरोप लगाया।
अमित मालवीय ने कहा, इमरान खान कैबिनेट में सूचना और प्रसारण मंत्री के रूप में काम कर चुके चौधरी फवाद हुसैन राहुल गांधी को बढ़ावा दे रहे हैं। क्या कांग्रेस पाकिस्तान में चुनाव लड़ने की योजना बना रही है? उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीग की छाप वाले घोषणापत्र से लेकर सीमा पार से जोरदार समर्थन तक, पाकिस्तान के साथ कांग्रेस का गठबंधन इससे अधिक स्पष्ट नहीं हो सकता।

# सिंध में जबरन हो रहा हिंदू लड़कियों का धर्म परिवर्तन, पाकिस्तान की सीनेट में दानेश पलयानी का दावा

जा रहा है। सीनेट में अपनी बात रखते

इस्लामाबाद पाकिस्तानी हिंदू नेता और सीनेट के सदस्य दानेश कुमार पलयानी ने सिंध प्रांत में गंभीर मानवाधिकार संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि हिंदू समुदाय की लड़कियों को जबरन इस्लाम में परिवर्तित किया जा रहा है।
हिंदू लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन हो रहा- पलयानी
दानेश कुमार पलयानी ने कहा कि कुछ अराजक तत्वों द्वारा हिंदू लड़कियों से जबरन इस्लाम धर्म कबूल करवाया जा रहा है। जिन इलाकों में हिंदू बसे हुए हैं, वहां लड़कियों का धर्म परिवर्तन किया हुए पलयानी ने कहा कि पाकिस्तान हमें यह अधिकार देता है कि कोई भी किसी को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि कुरान में भी इस बात का जिक्र किया गया है कि धर्म में कोई जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। इसके बाद भी कुछ लोगों को पाकिस्तान के संविधान और यहा तक कि कुरान शरीफ पर भी विश्वास नहीं है।
पाकिस्तानी हिंदू नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की बेटियां कोई लूट का माल नहीं है, जिनका कोई भी जबरन धर्म परिवर्तन करवाए। उन्होंने दो साल पर प्रिया कुमारी नाम की बच्ची के अपहरण का जिक्र करते हुए कहा कि सिंध में हिंदू लड़कियों को जबरन धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। दानेश कुमार ने कहा कि पाकिस्तान सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ कोई भी सख्त कदम नहीं उठा रही, जिनकी वजह से देश का नाम बदनाम हो रहा है।

# गजबः दिसंबर में मर चुके इंसान ने जनवरी में मांगी जमानत, हैरान हाईकोर्ट ने वकील से कहा-कोर्ट में आइए

चंडीगढ़ पिछले साल दिसंबर में मर चुका व्यक्ति 24 जनवरी को अपनी जमानत की याचिका कैसे दाखिल कर सकता है। एनडीपीएस के एक मामले के आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ये सवाल उठाया।
हाईकोर्ट ने आरोपी के वकील को सुनवाई के दौरान कोर्ट में हाजिर रहने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि वकील बताएं कि कैसे एक मर चुका व्यक्ति एक महीने बाद याचिका दाखिल कर सकता है, जिसमें उसके साइन भी हैं और उसने वकील को पावर ऑफ अटॉर्नी भी दी है। मंजीत सिंह के खिलाफ गुरदासपुर के कलानौर पुलिस थाने में पिछले साल 10 मार्च को एनडीपीएस की धारा के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पिछले साल अगस्त में गुरदासपुर की जिला अदालत ने उसकी अग्रिम जमानत खारिज कर दी थी। इसी साल जनवरी में उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर अग्रिम जमानत की मांग कर दी।
बुधवार को जब इस केस की सुनवाई शुरू हुई तो सरकारी वकील ने हाईकोर्ट को आरोपी मंजीत सिंह का डेथ सर्टिफिकेट दिखाते हुए बताया कि जिस आरोपी की याचिका पर सुनवाई हो रही है वह तो पिछले साल 27 दिसंबर को मर चुका है। इस पर जस्टिस मंजरी नेहरू कौल ने हैरत जताते हुए कहा कि यह याचिका हाईकोर्ट में इसी साल 24 जनवरी को दाखिल की गई थी यानी आरोपी के मरने के एक महीने बाद। यह कैसे हो सकता है क्योंकि इस याचिका पर आरोपी के साइन हैं। आरोपी ने पावर ऑफ अटॉर्नी कैसे दे दी। हाईकोर्ट ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी के वकील को आज इस केस की सुनवाई के दौरान कोर्ट में मौजूद रहने के आदेश दे दिए हैं।

# कौन हैं श्याम रंगीला, जो वाराणसी से लड़ेंगे चुनाव

नई दिल्ली कॉमेडियन श्याम रंगीला ने वाराणसी से पीएम मोदी के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ने का एलान किया है। इस एलान के साथ ही श्याम रंगीला चर्चा में आ गए हैं। श्याम रंगीला पीएम मोदी जैसी आवाज में बात करने के चलते काफी मशहूर हैं और सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। हालांकि कम ही लोग श्याम रंगीला की असल जिंदगी के बारे में जानते होंगे, तो आइए जानते हैं कि कौन हैं श्याम रंगीला और आखिर उन्होंने राजनीति के पिच पर उतरने के लिए वाराणसी लोकसभा सीट का ही चुनाव क्यों किया है।
राजस्थान के निवासी हैं श्याम रंगीला
श्याम रंगीला राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा तहसील के मानकथेरी गांव के रहने वाले हैं। श्याम रंगीला का असली नाम श्याम सुंदर है और उनका जन्म 25 अगस्त 1994 को हुआ था। श्याम रंगीला स्कूल-कॉलेज के दिनों से ही कॉमडी किया करते थे और लोगों की मिमिक्री करने में उन्हें महारत हासिल है। इसी काबिलियत की वजह से श्याम रंगीला द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज टीवी शो तक पहुंचे और इसी शो से वह देश के घर-घर में पहचाने गए। टीवी के बाद श्याम रंगीला ने सोशल मीडिया के जरिए कॉमेडी और मिमिक्री जारी रखी। खासकर पीएम मोदी की मिमिक्री करने के चलते श्याम रंगीला खूब मशहूर हुए। श्याम रंगीला साल 2022 में आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे, लेकिन कुछ समय बाद ही श्याम रंगीला ने स्वतंत्र रूप से काम करने की बात कहकर पार्टी से किनारा कर लिया।
पीएम मोदी की मिमिक्री करने के चलते श्याम रंगीला कई बार विवादों में भी फंस चुके हैं।

# मणिपुर हिंसा का एक सालः अब तक बरकरार संकट, कहीं पिता ने बच्ची को नहीं देखा, कहीं अलग रहने को मजबूर दंपती

इंफाल मणिपुर में पिछले साल तीन मई को शुरू हुई जातीय हिंसा अभी तक जारी है। हिंसा के बाद से न जाने कितने परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा। वहीं, कई मैतेई-कुकी दंपतियों को अलग-अलग रहना पड़ रहा है। सोचिए उस मां के दिल पर क्या बीतती होगी, जिसे महीने में एक बार अपने बच्चों को देखने का मौका मिलता है। वहीं एक ऐसा पिता जिसने अपनी बेटी को पैदा होने के बाद से नहीं देखा हो। वहीं, महिलाओं का यह डर कि कहीं उनके पति उन्हें छोड़ तो नहीं देंगे, आगे क्या होगा। आने वाले समय में क्या होगा। ऐसे ही सवालों की चिंताओं से घिरे कई लोग हैं। महीने में केवल एक बार मिलना, बच्चों को नहीं देख पाना और भविष्य में रिश्ता टूटने का डर इन लोगों की नियति बन गई है।
200 से अधिक लोग मारे जा चुके
जातीय संघर्ष से प्रभावित राज्य में इंफाल घाटी में मैतेई बहुतायत में हैं तो कुकी समुदाय के लोग पर्वतीय क्षेत्रों में रह रहे हैं। राज्य में अब भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है जहां अंतरजातीय विवाह करने वाले दंपती अब तक इस हिंसा की मार झेल रहे हैं। पिछले साल तीन मई के बाद से हिंसा में अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग विस्थापित हो गए।
इन दंपतियों की अनेक करुणा भरी कहानियां हैं। एक मां है जो महीने में एक बार अपने बच्चों से मिल पाती है तो एक पिता ने अपनी बेटी के जन्म से अब तक उसे नहीं देखा है। यहां तक कि ऐसे हालात बन गए हैं कि परिवारों पर टूटने का खतरा भी पैदा हो गया है। जातियों के बीच टकराव के हालात ऐसे हैं कि एक महिला को लगता है कि कहीं उसका पति उसे छोड़ तो नहीं देगा, वहीं एक शादीशुदा जोड़ा सोच रहा है कि उनका भविष्य अब क्या होगा। भविष्य को लेकर इन लोगों के मन में अनिश्चितता बनी हुई है।
कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली आइरीन हाओकिप शादी के बाद इंफाल में रहने लगीं। 42 वर्षीय हाओकिप को पिछले साल कुकी बहुल चुराचांदपुर में अपने माता-पिता के पास लौटना पड़ा। वहीं, उनके पति और पांच साल का एक बेटा तथा तीन साल की बेटी इंफाल में ही रह रहे हैं। हाओकिप ने कहा, मेरे पति निर्माण मजदूर के रूप में काम करते थे। मेरी उनसे मुलाकात बिष्णुपुर में पड़ोस में एक मकान के निर्माण के दौरान हुई थी।

# वरुथिनी एकादशी पर नौकरी में तरक्की और बिजनेस में धन लाभ के लिए कर विशेष उपाय

## भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की कृपा भी मिलेगी

इस साल वरुथिनी एकादशी का व्रत 4 मई, शनिवार के दिन रखा जाएगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, 03 मई, 2024 दिन शुक्रवार को रात्रि 11 बजकर 24 मिनट पर वैशाख माह के कृष्ण पक्ष के एकादशी तिथि की शुरूआत होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन 4 मई, 2024 दिन शनिवार को रात्रि 08 बजकर 38 मिनट पर होगा। इस कारण से 4 मई को वरुथिनी एकादशी का व्रत किया जाएगा। हिन्दू धर्म में वरुथिनी एकादशी का बहुत महत्व माना जाता है। इस दिन विधि-विधान के साथ पूजा करने के साथ कुछ विशेष उपाय करने से भी जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।
मान्यता है कि अगर इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाए, तो भाग्योदय होता है और सत्कर्मों में वृद्धि होती है। वरुथिनी एकादशी को पूरे श्रद्धा भाव से करने वाले व्रती को सभी भौतिक सुखों की प्राप्ति होने के बाद अंत में मोक्ष मिलता है। आप अगर किसी कारण से वरुथिनी एकादशी का व्रत नहीं रख पा रहे हैं, तो आप इस शुभ दिन कुछ उपाय करके भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त कर सकते हैं। आइए, जानते हैं वरुथिनी एकादशी व्रत के उपाय।

आपको अगर नौकरी में तरक्की नहीं मिल पा रही है, तो आपको वरुथिनी एकादशी पर यह उपाय जरूर करना चाहिए। एक घड़े में जल भरकर घर की उत्तर दिशा में रख दें। इसके बाद इस पानी का छिड़काव पूरे घर में कर दें। आपको घर के कोने-कोने में इस पानी का छिड़काव करना चाहिए।
आपको अगर बिजनेस में तरक्की नहीं मिल पा रही है, तो आपको वरुथिनी एकादशी पर यह उपाय भी करना चाहिए। आपको बिजनेस में लाभ के लिए पीले रंग के 7 फूल भगवान विष्णु को अर्पित करना चाहिए। साथ ही हर फूल को चढ़ाते समय ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप जरूर करें।
व्यक्ति के जीवन में केवल पैसे और आपके नाम का ही महत्व नहीं होता बल्कि जीवन में सुख के साथ जीने के लिए मान-सम्मान का भी बहुत महत्व होता है, लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि व्यक्ति का समय अच्छा नहीं चलता और उसे अच्छे कर्मों क बावजूद हमेशा अपमान ही मिलता है। ऐसे में आप मान-सम्मान पाने के लिए वरुथिनी एकादशी के दिन एक उपाय भी कर सकते है। वरुथिनी एकादशी पर पीले कपड़े में पीले फूल और नारियल को बांधकर भगवान विष्णु को अर्पित करें। इसके पास इसे अपने पास रख लें। वरुथिनी एकादशी पर आप नारियल को लाल कपड़े में लपेटकर पूजा स्थल पर रख दें। इसके बाद धन की देवी मां लक्ष्मी को इस नारियल को अर्पित करें। फिर इस नारियल को पानी माता लक्ष्मी का प्रसाद मानकर रोजाना खा लें। इससे धन से जुड़ी हुई आपकी सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी और आपको धन लाभ होगा।
वरुथिनी एकादशी के दिन आप भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए एक विशेष उपाय करना चाहिए। आपको शंख में जल भरकर भगवान विष्णु की प्रतिमा को विधि-विधान के साथ स्नान कराना चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु को भोग लगाकर अपनी मनोकामना मांगे।

स्वतंत्र चेतना
प्रकाशक, मुद्रक आर.सी.गुप्त द्वारा डी.ए.चेतना प्रकाशन प्रा.लि. के लिए 8-ए हेस्टिंग्स रोड, इलाहाबाद से मुद्रित तथा प्रकाशित
फोन नं. 0532-2423438
आर.एन.आई. संख्या 54328/91
सम्पादक : आर.सी.गुप्त
दिल्ली कार्यालय : ए-29, द्वितीय तल, विक्रम नगर, फिरोजशाह कोटला/फोन नं. 011-23724374
गोरखपुर कार्यालय
शाहमारूफ, हिन्दी बाजार, गोरखपुर
फोन-0551-2341010
लखनऊ कार्यालय
15, ए.पी.सेन रोड, चारबाग, लखनऊ
फोन-0522-4101353
कानपुर कार्यालय
16/17 सिविल लाइन्स कानपुर
फोन-0512-2304107
आजमगढ़ कार्यालय
चेतना भवन, एलवल (निकट आर्य समाज मन्दिर) फोन-05462-223430 फैक्स-05462-223431
फैजाबाद कार्यालय
2/1/51/ए-4 बड़ा डाकखाना के बगल में सिविल लाइन्स, फैजाबाद
फोन : 05278-223035
वाराणसी कार्यालयः
18/2ए,बी,1/11 इमलॉक कालोनी प्रथत तल चेतना भवन अनन्ता कालोनी, नदेसर, वाराणसी। फोनः 0542-2502011
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंर्तगत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद गोरखपुर न्यायालय के अधीन ही होंगे।
Email-anandchetnanews@gmail.com

जनादेश 2024

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज, शुक्रवार 03 मई 2024
12

# आरक्षण में सेंध लगाना चाहती है सपा कांग्रेस : योगी

- देश में तालिबानी शासन लागू करना चाहती है कांग्रेस
- मैनपुरी में योगी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

मैनपुरी/एटा,वार्ता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस अनुसूचित जाति जनजाति और पिछड़े वर्ग के आरक्षण में सेंध लगा कर उनका हिस्सा अल्पसंख्यक समुदाय को देना चाहती हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने धर्म आधारित आरक्षण की खुल कर मुखालफत करते हुये कहा कि कांग्रेस जानबूझकर देश का इस्लामीकरण करने की नीयत से तालिबानी शासन लागू करना चाहती है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी जयवीर सिंह के समर्थन में योगी आदित्यनाथ ने मैनपुरी नगर में रोड शो किया। रोड शो के समापन पर जनता को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज देश मे जो हवा चल रही है ,उसी हवा के साथ मैनपुरी को भी चलना है। मैनपुरी लोकसभा सीट भी इस बार परिवर्तन की साक्षी बने और भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह को जनता विजयी बनाये।

उन्होंने सपा और कांग्रेस पर जमकर प्रहार करते हुए कहा कि यह पार्टियां संविधान प्रदत अनुसूचित जाति,जनजाति और पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में सेंध लगाकर उनका हिस्सा अल्पसंख्यक समुदाय को देना चाहती हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके इस मंसूबे को कभी पूरा नहीं होने देगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा

बाबू कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे ,उन्होंने अपना पूरा जीवन राममंदिर के लिए समर्पित कर दिया। बाबू कल्याण सिंह जी का जब निधन हुआ तब समाजवादी पार्टी ने संवेदना का एक भी शब्द व्यक्त नहीं किया।

समाजवादी पार्टी हमेशा लोकनायकों को अपमानित करने का काम करती है। कल्याण सिंह को शोक संवेदना व्यक्त करने में उनके गांव गया था। प्रधानमंत्री ने भी शोक संवेदना व्यक्त की थी। समाजवादी पार्टी ने लोकनायक कल्याण सिंह का अपमान किया था। उन्होंने जनता से अपील की कि मैनपुरी लोकसभा सीट से जयवीर सिंह को भारी बहुमत से जिता देना।

रोड शो की समाप्ति पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करहल चौराहे पर स्थापित महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

मुख्यमंत्री के रोड शो का असर भाजपाईयों में दिखने लगा है। जयवीर सिंह की जीत के लिए भाजपा के लोग जोश से भरे दिखे।आज के रोडशो का आकर्षण सजे-धजे बुलडोजर रहे जनता का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते रहे। उन्होने दलित और पिछड़े वर्ग को सावधान करते हुये कहा आप कांग्रेस और सपा के गठबंधन से सावधान हो जाइए।

## नरेन्द्र मोदी के 400 पार के आह्वान को सफल बनाएं : अनुप्रिया पटेल

स्वतंत्र चेतना

मीरजापुर। कछवा क्षेत्र के बाड़ापुर, चिड़िया, नारायनपुर तथा सबेसर गांव में भाजपा और अपना दल कार्यकताओं की समन्वय बैठक में गुरुवार को केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 400 पार का आह्वान आप कार्यकताओं के बल पर ही किया है। लक्ष्य जरूर बड़ा है परंतु इस लक्ष्य पर काम आप कार्यकताओं को करना है।

समन्वय बैठक में उन्होंने कहा कि 400 पार में उत्तर प्रदेश की बड़ी भूमिका है। इसमें एक सीट मीरजापुर की भी है। अपना दल और भाजपा के कार्यकताओं की जिम्मेदारी बनती है कि वोट प्रतिशत बढ़ाएं। आप सभी कार्यकताओं के पास विकास के नाम पर बताने के लिए बहुत सी सामग्री है जैसे मीरजापुर में छह लेन के पुल का शिलान्यास, बरैनी-भटौली तथा चुनार गंगा पुल, मीरजापुर में कई पांटून पुल, मेडिकल कॉलेज, उज्वला योजना आदि। एनडीए के अगले कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनने जा रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि लोगों के बीच में जाएं और सभी लोगों को बूथ तक पहुंचाकर अधिक से अधिक मतदान कराएं।

लोकसभा चुनाव 2024

# प्रधानमंत्री मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत का मस्तक ऊंचा किया : राजनाथ

पटना/सारण। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को एक चुनावी जनसभा में कहा कि भाजपा सरकार में देश का प्रभाव बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत का मस्तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऊंचा किया है। आज दुनिया के लोग भारत की बातों को बड़े गौर से सुनते हैं।

राजनाथ सिंह ने सारण से भाजपा उम्मीदवार राजीव प्रताप रूड़ी के समर्थन में आयोजित जनसभा में कहा कि पहले कांग्रेस की सरकारों को आपने देखा है। केवल जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि देश के किसी ना किसी राज्य में आतंकी घटनाएं होती रहती थीं, लेकिन आज भाजपा सरकार में आतंकी घटनाएं बंद हैं, जम्मू-कश्मीर में कभी छिटपुट ऐसी घटना भले सामने आ जाए।

उन्होंने मोदी सरकार के कदम की सराहना की और कहा कि आपको रक्षा मंत्री होने के नाते आश्वस्त करता हूं कि देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। आज देश के पास वो ताकत है कि भारत सीमा के इस पार भी मार सकता है और जरूरत पड़ी तो सीमा के उस पार जाकर भी मार सकता है। ये हमारी ताकत है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि राजीव प्रताप रूड़ी ने अपने क्षेत्र में जमकर सेवा की है। रूड़ी अपने क्षेत्र में ज्यादा काम करते हैं। रूड़ी को सबका भरपूर समर्थन मिलना चाहिए। रूड़ी बहुत कुशल पायलट हैं, अपने प्रतिद्वंदी को हवा में ही उड़ा देंगे। यही नहीं जहां भी एनडीए के उम्मीदवार हैं वहां उनको समर्थ दीजिए। उन्होंने कहा कि रूड़ी सिर्फ सांसद नहीं एक बड़ी हस्ती भी हैं। इसलिए क्षेत्र के विकास के लिए अब तक आपने जिताया है तो फिर मौका दीजिए।

इससे पहले सारण के सांसद और इस सीट से भाजपा उम्मीदवार रूड़ी ने अपना नामांकन दाखिल किया। पत्नी और दोनों बेटियों के साथ वो समाहरणालय पहुंचे। नामांकन के लिए निकलने से पहले उन्होंने घर में पूजा-अर्चना की।

## बिहार लोकसभा चुनाव में कई प्रत्याशी अचानक से आये सुर्खियों में

पटना,वार्ता। बिहार लोकसभा चुनाव 2024 में इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया गठबंधन) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई प्रत्याशी अचानक से सुर्खियों में आ गये हैं। बिहार की 40 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव 19 अप्रैल से 01 जून तक सात चरणों में कराये जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन और राजग के कई प्रत्याशी अचानक सुर्खियों में आ गए हैं। चुनाव के घोषणा के पूर्व तक शायद ही किसी को अंदाजा था कि वे चुनाव मैदान में दिखाई देंगे लेकिन मौजूदा परिप्रेक्ष्य में इंडिया गठबंधन और राजग के प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं और सुर्खियों में आ गये हैं।

इंडिया गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कई प्रत्याशी इन दिनों मीडिया में सुर्खियों में बने हुये हैं। जमुई (सु) से राजद प्रत्याशी अर्चना रविदास ने अपनी किस्मत आजमायी है। अर्चना रविदास मुंगेर के राजद नेता अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव की पत्नी हैं और उनका मायका जमुई क्षेत्र में है। मुकेश यादव ने वर्ष 2020 में मुंगेर विधानसभा क्षेत्र से राजद के टिकट पर चुनाव लड़ा था, जहां उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रणव कुमार ने मात दी थी।

प्रियंका ने कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत के पक्ष में किया प्रचार

# मोदी जी देश की जनता को 5 किलो चावल नहीं रोजगार चाहिए: प्रियंका

चिरमिरी,वार्ता। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा कोरबा लोकसभा क्षेत्र के चिरमिरी में पार्टी उम्मीवार ज्योत्सना महंत के चुनाव प्रचार करते हुए जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी योजनाओं पर जोरदार हमला बोला और कहा कि मोदी जी पांच किलो चावल बांट रहे हैं, लेकिन देश की जनता को पांच किलो चावल नहीं बल्कि रोजगार चाहिए।

कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव ने अपनी रैली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर भी जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि श्री मोदी अपने भाषणों में खुद को देश का सबसे बड़ा ईमानदार नेता बोला है, लेकिन वह चुनाव से पहले ईमानदारी से ये नहीं बताएंगे कि देश में कितनी बेरोजगारी है, कितने पद खाली है, कितनी महंगाई है। ईमानदारों की पार्टी ने अदालत के आदेश के बाद इलेक्टोरल बॉन्ड का ब्यौरा दिया। जिसमें पता चला कि जिन लोगों के यहां इन्होंने जांच एजेंसियों से छापे

मरवाएं उनसे चंदा ले लिया।

श्रीमती वाड्रा ने कहा, कोरबा काफी सुंदर जगह है। मेरी दादी कहती थीं कि आदिवासियों भाई-बहनों ने हमेशा प्रकृति का सम्मान किया है। यह महापुरुष राम कुमार दुबे की भी जन्मभूमि है। सभी ने अपनी भूमिका निभाई। यहां प्रदेश के कई इलाके से लोग आए और खदानों में उन्हें रोजगार मिला।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के विकास के लिए की काफी मेहनत की थी और उनको विपक्ष की काफी आलोचना को भी झेलना पड़ा।

# भारत के दुनिया में बज रहा डंका : जेपी नड्डा

अररिया। अररिया के सिकटी विधानसभा क्षेत्र के धर्मगंज मेला ग्राउंड में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया।

जे.पी.नड्डा ने सबसे पहले मद्नेश्वरनाथ और सुंदरनाथ महादेव को नमन करते हुए आंचलिक साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु को याद किया। उन्होंने मोदी जी के दस साल के कार्यकाल को सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का बताया। दूसरी तरफ राजद और कांग्रेस के पुराने शासनकाल को लूट खसोट, कुशासन और खुद के परिवार का कल्याण करने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि दस सालों में

भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गई है। दुनिया आज हमसे दवा खरीद रही है।भारत दुनिया में सबसे सस्ती, असरदार और किफायती दवा बना रही है। जिसके कारण दुनिया में भारत का डंका बज रहा है।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पेट्रोकेमिकल के क्षेत्र में भारत का निर्यात 106 प्रतिशत बढ़ गया है। मोबाइल पहले विदेश से आता था और अब 97 फीसदी मोबाइल भारत में बन रहा है। उन्होंने प्रतिदिन 29 से 30 किलोमीटर नेशनल हाईवे सड़क निर्माण की बात करते हुए अब तक 55 हजार किलोमीटर सड़क का निर्माण किए जाने की बात कही। वही प्रतिदिन 26 किलोमीटर रेलवे ट्रैक के बिछने और अब तक 52 हजार किलोमीटर रेल का विद्युतीकरण होने की बात कही।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कोरोना काल को याद करते हुए कोरोना की मार को सौ साल की सबसे बड़ी आपदा करार देते हुए कहा कि अमेरिका, यूरोप, रूस सहित दुनिया के देश जब फेल हो गए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक करोड़ 40 लाख लोगों का जान बचाई।जो काम अमेरिका जैसे देश नहीं कर पाए उसे मोदी जी ने लॉकडाउन लगाकर साबित कर दिया। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि वह खुद प्रदेश और देश में स्वास्थ्य मंत्री रहे हैं।पहले हालत यह थे कि टेटनस की दवा को भारत आने में 27 साल लग गए। वही डिप्थीरिया की दवा को आने में 30 साल लगे।जबकि ट्यूबरक्लोसिस की दवा के भारत आने में 24 साल लगे।

## बसपा ने जारी की छह उम्मीदवारों की एक और लिस्ट, कैसरगंज सीट से ये होंगे प्रत्याशी

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में विपक्ष की राजनीति अलग ही अंदाज में चलती दिख रही है। लोकसभा चुनाव 2024 के मैदान में उतरने वाले उम्मीदवारों को लेकर विपक्षी दलों के बीच ऊहापोह दिख रहा है। यही कारण है कि लगातार उन्हें बदला जा रहा है। उम्मीदवारों के बदलने के मामले में सबसे आगे समाजवादी पार्टी दिख रही है। बदले हुए उम्मीदवार के तौर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी चुनावी मैदान में उतरे हैं। वही, अब बहुजन समाज पार्टी ने भी सपा की तर्ज पर उम्मीदवारों को बदलना शुरू कर दिया है। पिछले दिनों में कई उम्मीदवारों के नाम में बदलाव किया गया। हालांकि, बसपा उम्मीदवारों की 11वीं सूची में शामिल 6 उम्मीदवारों के घोषित नाम में तीन लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार बदले गए। वहीं, दो सीटों पर तीसरी बार उम्मीदवार के नाम का बदलाव किया गया।

### मजहब के नाम पर नहीं राष्ट्रवाद के नाम पर होगा वोट

महोबा। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड की महोबा-हमीरपुर संसदीय सीट पर पांचवें चरण में मतदान होना है। 26 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी प्रचार और तेज कर दिया है। मतदाताओं को लुभाने के लिए सभी दलों के प्रत्याशी और उनके समर्थक कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मतदाता भी इन सबके सामने अपनी बात को खुलकर रख रहा है।

हमीरपुर-महोबा-तिंदवारी संसदीय सीट पर पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है। जिसके लिए 26 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई थी और यह 3 मई तक चलेगी। भाजपा प्रत्याशी कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल, इंडी गठबंधन के प्रत्याशी अजेंद्र सिंह राजपूत और बसपा के प्रत्याशी निर्दोष दीक्षित के अलावा निर्दलीय और अन्य क्षेत्रीय दलों के प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल कर चुके हैं। अब सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशी और उनके समर्थक वोटरों को अपनी-अपनी और लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के द्वारा सबके अपने-अपने दावे और अपने-अपने वायदे किए जा रहे हैं।

# खडगे का मोदी को पत्र झूठ का असर नहीं होने से हैं आप हताश और चिंतित

नयी दिल्ली,वार्ता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग उम्मीदवारों को जनता से संवाद करने को लिए श्री मोदी ने जो पत्र लिखा है उससे जाहिर होता है कि वह हताश और चिंतित हैं और उन्होंने जो झूठ परोसा है इसका असर नहीं हो रहा है इसलिए वह उम्मीदवारों से भी झूठ बुलवाना चाहते हैं। श्री खडगे ने कहा मैंने राजग के उम्मीदवारों को लिखा आपका पत्र देखा जिसमें आपने

उन्हें बताया है कि मतदाताओं से क्या संवाद करना है। पत्र के लहजे और विषयवस्तु से ऐसा लगता है कि आप बहुत हताश और चिंतित है इसलिए आप ऐसी भाषा के उपयोग के लिए उन्हें कह रहे है लेकिन यह भाषा प्रधानमंत्री कार्यालय के लिए उपयुक्त नहीं है। पत्र से यह भी प्रतीत होता है कि आप जो चाहते हैं आपके भाषणों में परोसे जा रहे झूठ का वैसा असर नहीं हो रहा हैं इसलिए अब आप चाहते हैं कि राजग उम्मीदवार आपके झूठ को बढ़ाएँ लेकिन एक झूठ को हजार बार दोहराने से वह सच नहीं बन जाता। उन्होंने लिखा मतदाता इतने समझदार हैं कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में क्या लिखा है और हमने क्या गारंटी का वादा किया है, वह खुद पढ़ और समझ रहे हैं।

## ओडिशा के मुख्यमंत्री पटनायक ने कांटाबांजी विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किया

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बृहस्पतिवार को राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में बोलांगीर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कांटाबांजी विधानसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके दो दिन पहले उन्होंने गंजम जिले में अपनी पारंपरिक हिंजिली सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया था। मुख्यमंत्री पटनायक ने टिटलागढ़ में उपजिलाधिकारी कार्यालय तक एक मार्च का नेतृत्व किया। उन्होंने बीजद नेता एवं अपने सहपाठी एयू सिंहदेव और पार्टी नेता वीके पांडियन की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया। पटनायक ने दूसरी सीट के रूप में कांटाबांजी को चुना है क्योंकि यह कालाहांडी, बोलांगीर और बारगढ़ जैसी तीन लोकसभा सीटों से जुड़ी हुयी है।

ये तीन लोकसभा सीटें 2019 के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीती थीं। बीजद के अंदरूनी सूत्रों का मानना ??है कि कांटाबांजी से चुनाव लड़ने के पटनायक के फैसले का क्षेत्र में, खासकर बोलांगीर जिले में बीजद की हिस्सेदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।

# समृद्ध ग्राम पतंजलि ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित दो दिवसीय योगाहार प्रशिक्षण शिविर

- किसानों में जैविक खेती तथा आधुनिक तकनीकी से उद्यमिता विकसित करके आत्मनिर्भर बनाना पतंजलि का प्रमुख लक्ष्य : आचार्य बालकृष्ण
- देश में ऋषि कार्य एवं कृषि कार्य ही प्रगति का आधार : आचार्य बालकृष्ण

हरिद्वार,

पतंजलि योगपीठ तथा पतंजलि आर्गेनिक रिसर्च इंस्टिट्यूट हरिद्वार के संयुक्त तत्वाधान में ह्रयोगहार: एक स्वैछिक कार्यक्रमह्व के 1095 दिवस (3 वर्ष) पूर्ण होने पर आयोजित दो दिवसीय योगहार प्रशिक्षण शिविर (एक कदम उद्यमिता एवं स्वावलम्बन की ओर) आयोजित किया गया। समृद्ध ग्राम पतंजलि ट्रेनिंग सेंटर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 8 राज्यों के 200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में पतंजलि द्वारा किसानो एवं ग्रामोत्थान के लिए किये जा रहे कार्यो के साथ साथ धरती का डॉक्टर मृदा परीक्षण मशीन, इ-ढडर मशीन, जैविक कृषि, प्राकृतिक कृषि, हरित क्रांति एवं अन्नदाता ऐप की जानकारी भी दी गयी। इस कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओ ने मृदा स्वास्थय पर एक सुन्दर नाटिका भी प्रस्तुत की । इस मौके पर पतंजलि संसथान के सह-संस्थापक श्री आचार्य बालकृष्ण जी ने सभी प्रशिक्षु भाई बहनो को

सम्बोधित करते हुए पारंपरिक जैविक एवं प्राकृतिक कृषि को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि देश में ऋषि कार्य एवं कृषि कार्य के द्वारा ही समृद्धि और आत्मनिर्भरता को प्राप्त किया जा सकता है । उन्होंने कहा छोटे छोटे लघु एवं घरेलू उद्योगों को स्थापित कर और उद्यमिता विकास एवं स्वावलंबन को अपनाने का हर देशवासी को प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर आचार्य जी ने पद्म श्री आदरणीय श्री सेठ पाल जी सहित 15 किसानो को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए पतंजलि परिवार की ओर से सम्मानित भी किया। इस अवसर पर पतंजलि अनुसन्धान संस्थान, जैविक अनुसन्धान संस्थान, पतंजलि विश्वविद्यालय एवं समृद्ध ग्राम के वैज्ञानिक, शिक्षक तथा अन्य कर्मयोगी भाई बहन उपस्थित रहे।